रांची, गुरुवार
23.01.2025
वर्ष : 10, अंक : 54 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति ने दो हाई कोर्ट के लिए छह जज नियुक्त किए

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दो हाई कोर्ट के लिए छह जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने तेलंगाना हाई कोर्ट के लिए चार और आंध्रप्रदेश हाई कोर्ट के लिए दो जजों की नियुक्ति की है। ये सभी न्यायिक अधिकारी हैं। राष्ट्रपति ने तेलंगाना हाई कोर्ट के लिए रेणुका यारा, नरसिंग राव नंदीकोंडा, तिरुमाला देवी और मधुसुदन राव बीआर को जस्टिस नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने आंध्रप्रदेश हाई कोर्ट के लिए अवधानम हरि एचएस और वाईएल राव को जस्टिस नियुक्त किया है।

नामकुम अंचल के राजस्व कर्मचारी के घर एसीबी की छापेमारी

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में बुधवार की सुबह से कार्रवाई कर रही है। एसीबी की टीम नामकुम अंचल के राजस्व कर्मचारी राजेश कुमार के मोरहाबादी के रामकृष्ण मिशन के पास स्थित आवास और गुमला के घाघरा में स्थित आवास पर पहुंचकर छापेमारी कर रही है। इसकी पुष्टि निगरानी के एसपी ने की है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए रांची के सदर सीओ को 37 हजार रुपए घूस लेते गिरफ्तार किया था।

जलगांव में पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह से यात्री ट्रेन से कूदे, 8 की मौत

मुंबई। जलगांव जिले में परधाड़े स्टेशन के पास बुधवार को लखनऊ से मुंबई आ रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह से यात्री ट्रेन कूदने लगे। उसी समय बहुत से यात्री दिल्ली की ओर जा रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। इस घटना में 8 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों से अधिक यात्री घायल हो गए। इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। मध्य रेलवे के प्रवक्ता स्वप्निल लीला ने बताया कि लखनऊ से मुंबई आ रही पुष्पक एक्सप्रेस की एक बोगी के नीचे से धुंआ निकलने लगा, इसकी भनक लगते ही ड्राइवर ने ट्रेन ब्रिज पर रोक दी। इसके बाद ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैल गई और यात्री ट्रेन से बाहर कूदने लगे। इसी दौरान दिल्ली की ओर जा रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में यात्री आ गए। जलगांव से बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा है, मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन विधायक आवासीय परिसर के कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश, कहा

व्यवस्थित और सुविधाओं से युक्त होगा विधायक आवास

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को रांची के जगन्नाथपुर स्थित निमार्णाधीन विधायक आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि जल्द से जल्द इसके हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी कर विधायकों को ये आवास आवंटित किए जा सकें।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायकों के लिए बन रहे आवास, हेल्थ सेंटर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, चिल्ड्रन पार्क, प्ले ग्राउंड, बिजली, पानी, सड़क, पार्किंग और सीवरेज-ड्रेनेज सिस्टम समेत अन्य निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री से निर्माण कार्य कर रहे कंस्ट्रक्शन कंपनी ने इस वर्ष जून माह तक सभी निर्माण कार्य पूरा हो जाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने विधायक आवासीय परिसर में बड़े पैमाने पर प्लांटेशन करने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी विधायकों के लिए आवासीय व्यवस्था व्यवस्थित नहीं है। राजधानी रांची के अलग-अलग क्षेत्रों में उनके रहने के लिए आवास उपलब्ध कराया गया है। विधायक आवासीय परिसर के निर्माण होने से सभी विधायकों को एक ही कैंपस में रहने के लिए एक बेहतर, व्यवस्थित और सुविधाओं से युक्त आवास मिलेगा। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार और भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राजकमल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बोकारो पुलिस और सीआरपीएफ का नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन

पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में दो माओवादी ढेर

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो में नक्सलियों के साथ पुलिस और सीआरपीएफ के मुठभेड़ में मिली भारी कामयाबी दो नक्सली के मार गिराने के साथ ही भारी संख्या में हथियार भी बरामद। 15 लाख के इनामी नक्सली रणविजय महतो के कल चंद्रपुरा में हुई गिरफ्तारी के बाद मिली जानकारी में नक्सलियों के विरुद्ध हुआ ऑपरेशन। बोकारो के पेंक नारायणपुर के बंशी के जड़वा जंगल में हुआ मुठभेड़ में दो नक्सली मार गिराया गया जिसमे एक महिला नक्सली है जी 15 लाख के इनामी नक्सली रणविजय महतो की पत्नी है। इस मुठभेड़ में मृत नक्सलियों के पास से एक एके 47 राइफल, दो इंसास राइफल, एक एलएमजी मैगजीन, दो इंसास मैगजीन दो एक-47 का मैगजीन, 158 पीस कारतूस के साथ अन्य सामान भी बरामद किया गया।

बोकारो नक्सली मुठभेड़ को लेकर झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता बोकारो पहुंचे जहां सीआरपीएफ आईजी साकेत कुमार सिंह के अलावा पुलिस प्रवक्ता एबी होमकर के अलावा उत्तरी छोटानागपुर के आईजी माइकल राज सहित बोकारो जिले के तमाम पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। इनके साथ डीजीपी ने हाई लेवल का मीटिंग बोकारो एसपी कार्यालय में किए, इसके बाद उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही पूरे झारखंड से नक्सलियों का सफाया हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में नक्सलियों का खात्मा लगभग हो चुका है अब जो बाकी बचे हैं उसकी संख्या बहुत कम है। उन्होंने नक्सलियों को हिदायत देते हुए कहा कि नक्सली सेरेंडर करें और अपने ऊपर घोषित इनाम को खुद परिवार के साथ जीवन गुजारे।

बोकारो में नक्सली मुठभेड़ में बीजेपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि आज के मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं जिसमें एक महिला नक्सली एरिया कमांडर शांति देवी है और दूसरा मनोज टुडू। उन्होंने कहा कि शांति देवी 15 लाख के इनामी नक्सली रणविजय महतो की पत्नी है जिसकी गिरफ्तारी बोकारो के चंद्रपुरा में होने बाद इसकी सूचना के आधार पर ऑपरेशन चलाया गया और नक्सलियों की घेराबंदी करते हुए दो नक्सलियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि यह चार-पांच की संख्या में नक्सली थे जो पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के बंशी एवं जड़वा के पहाड़ी क्षेत्र में मौजूद थे और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के साथ-साथ एक करोड़ का इनामी नक्सली विवेक से मिलने जा रहा था। इसी को लेकर के बोकारो पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक संयुक्त अभियान दल का गठन किया गया जिसमें कोबरा बटालियन, सीआरपीएफ, जगुआर और जिला बल को शामिल किया गया। इसके बाद नक्सलियों की घेराबंदी जड़वा जंगल में की गई और नक्सलियों का पुलिस और सीआरपीएफ के बीच मुठभेड़ होती रही। घंटो मुठभेड़ के बाद जब सर्च ऑपरेशन चलाया गया तो दो नक्सलियो का शव जंगल में मिला जिसमे एक महिला नक्सली भी शामिल थी।

इस दौरान पुलिस प्रवक्ता सह आईजी ऑपरेशन एवी होमकर ने भी नक्सलियों को लेकर पूरे घेराबंदी की एक-एक अपडेट देते हुए कहा कि एक करोड़ के इनामी नक्सली विवेक के दस्ता भी जल्द ही घेराबंदी की जाएगी। उन्होंने कहा कि बोकारो में नक्सलियों का यह दस्ता बोकारो के झुमरा पहाड़ और गिरिडीह के पारसनाथ इलाके में है।

वही आईजी सीआरपीएफ साकेत कुमार सिंह ने कहा कि एक करोड़ के इनामी नक्सली विवेक का दस्ता इस क्षेत्र का मुख्य रास्ता है जिसमें 15 से लेकर 16 नक्सली बताई जा रहे हैं जिसको लेकर भी ऑपरेशन जारी है और इन नक्सलियों का खात्मा बहुत जल्द हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में करीब 100 नक्सली हार्डकोर नक्सली है जो इनामी नक्सली है जिन पर करवाई की जा रही है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने लैंगिक भेदभाव को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईः प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के आज 10 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह एक परिवर्तनकारी और जन-शक्ति से संचालित पहल बन गई है। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी रही है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने और बालिकाओं को सशक्त बनाने में सहायक रहा है।

मोदी ने कहा कि इस पहल से कम बाल लिंगानुपात वाले जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री ने इस अभियान को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने वाले सभी हितधारकों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार अपनी पोस्ट में लिखा, आज हम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की 10वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। पिछले एक दशक में यह एक परिवर्तनकारी, जन-संचालित पहल बन गई है और इसमें सभी क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी रही है।

उन्होंने लिखा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने में सहायक रहा है और साथ ही इसने यह सुनिश्चित करने के लिए सही माहौल तैयार किया है कि बालिकाओं को शिक्षा और अपने

सपनों को पूरा करने के अवसरों तक पहुंच मिले।

प्रधानमंत्री ने लिखा, लोगों और विभिन्न सामुदायिक सेवा संगठनों के समर्पित प्रयासों के कारण #बेटीबचाओबेटीपढ़ाओ ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। कम बाल लिंग अनुपात वाले जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और जागरूकता अभियानों ने लैंगिक समानता के महत्व की गहरी समझ पैदा की है।

उन्होंने लिखा, मैं उन सभी हितधारकों की सराहना करता हूं, जिन्होंने इस आंदोलन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाया है। आइए, हम अपनी बेटियों के अधिकारों की रक्षा करना जारी रखें, उनकी शिक्षा सुनिश्चित करें और एक ऐसा समाज बनाएं, जहां वे बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ सकें। एक साथ मिलकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आने वाले वर्ष भारत की बेटियों के लिए और भी अधिक प्रगति और अवसर लेकर आएं।

आईएएस पूजा सिंघल का निलंबन खत्म, इस विभाग में योगदान देने का निर्देश

बिभास वादादाता

रांचीः राज्य सरकार ने आईएएस पूजा सिंघल का निलंबन खत्म कर दिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने उन्हें निलंबन से मुक्त करने की अनुशंसा की थी। इस अनुशंसा पर पूजा सिंघल का निलंबन कार्मिक ने खत्म कर दिया। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक, सुधार तथा राजभाषा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। उन्हें कार्मिक में योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

यहां याद दिला दें कि बीते सात दिसंबर 2024 को पूजा सिंघल को 28 महीनों बाद बड़ी राहत मिली थी। झारखंड की पीएलएमए कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। कोर्ट ने उन्हें दो-दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। इसी के साथ उन्हें अपना पासपोर्ट जमा कराने के लिए भी कहा गया था। ईडी ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 11 मई 2022 में गिरफ्तार किया था। ईडी ने छह मई 2022 को उनके ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा के सीए सुमन कुमार के आवास और कार्यालय से 19 करोड़ 31 लाख रुपये की नकद बरामद किया गया था।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर होगा विशेष आयोजन

नई दिल्ली। 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को पूरे देश में मनाया जाएगा। इस अवसर पर चुनाव आयोग राष्ट्र के प्रति अपनी समर्पित सेवा के 75 वर्ष भी मना रहा है। जल्द ही भारत के कुल मतदाता 100 करोड़ के आंकड़े के करीब पहुंच रहे हैं। चुनावी डेटाबेस फिलहाल 99.1 करोड़ है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

कर्नाटक में सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत

एजेंसी

बेंगलुरु : कर्नाटक में उत्तर कन्नड़ जिले के अरेबिले इलाके में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गयी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुछ सब्जी विक्रेता ट्रक में सवार होकर कुमता बाजार जा रहे थे। इसी दौरान ट्रक रास्ता भटक गया और गहरी घाटी में गिर गया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों को सहायता सुनिश्चित करेगी।

स्थानीय पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया तथा घायलों को तत्काल देखभाल के लिए नजदीकी चिकित्सा सुविधाओं में स्थानांतरित किया।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सड़क सुरक्षा चिंताओं को दूर करने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ह्यअपर्याप्त बुनियादी ढांचे, लापरवाही से गाड़ी चलाना, नींद में गाड़ी चलाना और यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण ऐसी दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। अधिकारियों को कीमती जानों की और हानि को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, शोक संतप्त परिवारों का दर्द अकल्पनीय है। मैं राज्य सरकार से मृतकों के परिवारों के लिए उचित मुआवजा सुनिश्चित करने और घायलों के चिकित्सा व्यय को वहन करने का आग्रह करता हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने कर्नाटक बस दुर्घटना पर जताया शोक, अनुग्रह राशि की घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ में हुई बस दुर्घटना में जनहानि पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये तथा घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, ह्यकर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में सड़क दुर्घटना में हुई दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु से मैं दुखी हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

कैबिनेट : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को अगले पांच सालों तक जारी रखने को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली । केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत देश में प्राप्त उपलब्धियों को स्वीकारते हुए आज इसे अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गयी।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मिशन के तहत देश ने कई ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किए हैं। इससे देशभर में करीब 12 लाख स्वास्थ्यकर्मी जुड़े हैं। कोविड के भयावह काल का सामना करने में मिशन ने बड़ी भूमिका निभाई है और देश को 2.20 अरब कोविड टीके लगाए तथा सर्टिफिकेट बांटे गए हैं।

सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रिमंडल को वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रगति से अवगत कराया गया। मंत्रिमंडल को मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, मृत्यु दर और कुल प्रजनन दर में त्वरित गिरावट तथा टीबी, मलेरिया, कालाजार, डेंगू, तपेदिक, कुष्ठ रोग, वायरल हेपेटाइटिस आदि जैसे विभिन्न रोगों के कार्यक्रमों के संबंध में प्रगति और राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जैसी नई पहलों से भी अवगत कराया गया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरूआत 2005 में की गई थी, जिसका उद्देश्य जिला अस्पताल (डीएच) स्तर तक ग्रामीण आबादी, विशेष रूप से कमजोर समूहों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना था। वर्ष 2012 में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की अवधारणा बनाई गई और एनआरएचएम को दो उप-मिशनों यानी एनआरएचएम और एनयूएचएम के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के रूप में पुनः नामित किया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्राप्त उपलब्धियां

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देशभर में 220 करोड़ कोविड-19 वैक्सीन की खुराकें दी गईं।
- वर्ष 1990 के बाद से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में 83 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- वर्ष 1990 के बाद से 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 75 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई है।
- टीबी के मामले 2015 में प्रति एक लाख में 237 से घटकर 2023 में 195 हो गए हैं। वहीं इससे मृत्यु दर 28 से घटकर 22 हो गई है।
- प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 1.56 लाख निक्षय मित्र स्वयंसेवक 9.4 लाख से अधिक टीबी रोगियों की सहायता कर रहे हैं।
- वित्त वर्ष 2023-24 तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों की संख्या 1.72 लाख तक पहुँच जाएगी।
- राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन ने 2.61 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की।
- भारत ने खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान में 97.98 प्रतिशत कवरेज हासिल किया।
- मलेरिया नियंत्रण प्रयासों से मृत्यु दर और मामलों में कमी आई है।
- कालाजार उन्मूलन लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम ने वित्त वर्ष 2023-24 में 4.53 लाख से अधिक डायलिसिस रोगियों को लाभान्वित किया है।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में भाजपा नेताओं की भूमिका को एक्सपोज करेंगे: सुप्रियो

बिभा संवाददाता

रांची : जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर जारी विवाद के बीच आज जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपापर कड़ा प्रहार किया। प्रेस वार्ता कर उन्होंने कहा कि भाजपाके नेता जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को लेकर छात्रों और राज्य के युवा वर्ग के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ये नेता युवा वर्ग को गुमराह कर रहे हैं। कहा कि भाजपाके ऐसे नेताओं को अब एक्सपोज करने का समय आ गया है। जनता को इनकी सच्चाई बताने का समय आ गया है। उन्होंने आगे भाजपाके ऐसे नेताओं से आग्रह किया कि वे सीजीएल परीक्षा को लेकर वे युवा वर्ग के बीच गलत प्रचार न करें। सुप्रियो ने भाजपापर हमला करते हुए कहा कि रघुवर दास बाबूलाल मरांडी को नेता नहीं मानते हैं। दोनों के बीच जो संबंध बन गये हैं, उसके कारण भाजपाअपने नेता प्रतिपक्ष का चुनाव नहीं कर पा रही है। कहा, ऐसा लगता

है कि हेमंत सरकार को अगले 5 साल तक बिना नेता प्रतिपक्ष के सरकार को चलाना होगा।

कहा कि कोरोना के समय में आपदा विभाग से जो राशि विभिन्न विभागों को दी गयी, इसमें सबसे बड़ी राशि हेल्थ डिपार्टमेंट दी गयी। इसके साथ ही कल्याण विभाग, पुलिस और दूसरे विभागों को भी राशि दी गयी। कहा कि कोरोना के बाद इन राशियों के खर्च का मिलान किया गया तो इसमें कुछ अनियमितताएं सामने आयीं। ये पैसा आमजन का है। हमारी सरकार ने इससे पहले भी पूरी पारदर्शिता के साथ वित्तीय लेनदेन को सामने रखा है। आपदा विभाग के पैसे का हिसाब भी विभागों से लिया जा रहा है। ये काम जल्दी ही पूरा हो जायेगा। इसके बाद इसे जनता के सामने रखा जायेगा। लेकिन भाजपाको इससे तकलीफ हो रही है।

सुप्रियो ने आगे कहा कि झारखंड से भी भाजपासांसद हैं, इनमें से कुछ केंद्र में मंत्री भी हैं। कहा कि भाजपाके सांसदों को पीएम केयर फंड का भी हिसाब लेना चाहिये। प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष के रहते-रहते अचानकर से पीएम के नाम से एक ट्रस्ट तैयार हो जाता है और नॉन अकाउंटेबल हो जाता है। इस फंड का कैग भी लेखाजोखा नहीं ले सकता। कहा कोई इसका हिसाब नहीं ले सकता कि पीएम केयर फंड में कितने पैसे आये। कहा कि इस फंड में देश और विदेश से भी पैसे आये, लेकिन इसका कोई हिसाब नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

राज्य परियोजना निदेशक से देवेंद्र नाथ महतो ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : राज्य में प्राथमिक बुनियादी शिक्षा व्यवस्था कुछ ठीक नहीं है। एवं शिक्षा विभाग के विभिन्न अनुबंध कर्मी भी अपने मांगों को लेकर प्रयासरत हैं। आज उत्कृष्ट आदर्श और मॉडल विद्यालयों में कार्यरत विज्ञान लैब फैसिलिटेटर के प्रतिनिधि मंडल के साथ जेएलकेएम वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने राज्य परियोजना निदेशक श्री शशि रंजन से मुलाकात किया। बुनियादी शिक्षा व्यवस्था एवं परियोजना पर चर्चा किया गया। विज्ञान लैब फैसिलिटेटर कमीयों के सेवा विस्तार तथा मानदेय भुगतान करने का लिखित ज्ञापन निदेशक महोदय को सौंपा गया। लैब फैसिलिटेटर का पिछले चार महीनों से सेवारत है, लेकिन मानदेय का भुगतान नहीं हो पा रहा है। जिसके उनके पारिवारिक आर्थिक संकट हो रही है। बताते चले कि राज्य में कुल 80 उत्कृष्ट 20 मॉडल विद्यालय एवं 32 आदर्श जेएमडी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड से नौ हजार की मानसिक वेतन में नियुक्ति किया था। जिसकी पुनः सेवा विस्तार करने का मांग निदेशक महोदय के समक्ष लिखित रूप से आज बुधवार को रखा गया।

उर्जा विभाग की बहाली में पहले से कार्य कर रहे कर्मियों के लिए प्राथमिकता तय करने की मांग

रांची(बिभा) : झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड में होने वाली बहाली में पहले कार्य कर रहे मानव दिवस कर्मियों के लिए प्राथमिकता तय करने की मांग की है। अजय राय ने कहा है कि 2016-2018 में अनुबंध एवं मानव दिवस कर्मियों के लिए अनुभव के आधार पर छूट व उम्र सीमा में प्राथमिकता तय की गई थी, जिसे आने वाली बहाली में भी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा है कि लगभग 10-15 वर्षों से लगातार जो कर्मी ऊर्जा निगम की सेवा कर रहे हैं, उन्हें प्राथमिकता मिलनी ही चाहिए। श्री राय ने निगम संचरण के एमडी व वित्त एवं परियोजना के निर्देशक श्री के के वर्मा व ऊर्जा निगम के महाप्रबंधक कार्मिक सहः सामान्य प्रशासन श्री सुनील दत्त खाखा से मुलाकात की और इस संबंध में वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए पिछले तीन अक्टूबर को श्रमिक संघ के साथ हुए समझौते की भी याद दिलाई ताकि मानव दिवस कर्मियों को न्याय मिल सके। श्री राय ने कहा है कि झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की ओर से इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा है कि अगर इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं होती है, तो श्रमिक संघ की ओर से आंदोलन किया जाएगा।

सेना दिवस पत्र लेखन अभियान का हुआ आयोजन

रांची(बिभा): एसआर डीएवी स्कूल, पुंदाग, रांची में डाक टिकट ब्यूरो, जीपीओ रांची के सहयोग से एक विशेष सेना दिवस पत्र लेखन अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में कुल 92 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भारतीय सेना के प्रति अपनी कृतज्ञता और प्रशंसा भावपूर्ण पत्रों के माध्यम से व्यक्त की। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और उन्हें भारतीय सेना के सैनिकों से जुड़ने का अवसर प्रदान करना था। अपने पत्रों के माध्यम से छात्रों ने देश की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बलों द्वारा किए गए बलिदानों के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। अभियान की शोभा रांची मंडल के वरिष्ठ डाक अधीक्षक उदयभान सिंह की उपस्थिति से बढ़ गई, जिनके समर्थन से इस कार्यक्रम का आयोजन संभव हो सका। स्कूल ने एसआर डीएवी स्कूल के प्राचार्य श्री एसके मिश्रा का उनके अमूल्य सहयोग और नेतृत्व के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। विशेष रूप से, एसआर डीएवी स्कूल से स्मृति सिंह और डाक टिकट ब्यूरो, रांची जीपीओ से संदीप कुमार महतो की गरिमामयी उपस्थिति ने छात्रों को प्रोत्साहित किया और इस अभियान की महत्ता को बढ़ाया। इस अवसर पर उदयभान सिंह ने छात्रों में देशभक्ति और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की और स्कूल के प्रयासों की प्रशंसा की। प्राचार्य एसके मिश्रा ने छात्रों में राष्ट्रीय गर्व और जिम्मेदारी की भावना को विकसित करने में इस तरह की पहलों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन छात्रों के इस संकल्प के साथ हुआ कि वे भविष्य में भी ऐसे अभियानों का समर्थन करते रहेंगे।

मारवाड़ी कॉलेज में टीसीएस के मेगा ड्राइव में 100 से अधिक छात्रों का हुआ चयन

रांची(बिभा) : मारवाड़ी कॉलेज में आयोजित टीसीएस के कैंपस मेगा प्लेसमेंट ड्राइव में 100 से अधिक छात्रों का हुआ सिलेक्शन। चयनित छात्रों का पद ट्रेनी एक्जीक्यूटिव रहेगा एवम इनका जॉब लोकेशन कोलकाता रहेगा, ट्रेनिंग के दौरान इनका पैकेज 1.8 से 2.5 लाख तक होने की संभावना है। चयन प्रक्रिया में 380 से अधिक छात्र हुए थे शामिल। विद्यार्थियो का चयन रिटेन टेस्ट, एमआर, एचआर एवम टेक्निकल राउंड के द्वारा हुआ। प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने सभी विद्यार्थियो को शुभकामनाएं दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कॉलेज के प्रोफेसर इंचार्ज और प्लेसमेंट सेल के कन्वेनर डॉ आरआर शर्मा ने प्लेसमेंट टीम का मनोबल बढ़ाते हुए और नए नए कंपनियों को कॉलेज में कैम्पस ड्राइव के लिए आमंत्रित करने के लिए कहा और विद्यार्थियो को अलग अलग फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे स्किल डेवलपमेंट कोर्सेस में शामिल होकर अपने एम्प्लॉयब्लिटी स्किल को बढ़ाने के लिए कहा ताकि उन्हें आगे आने वाले सभी कंपनियों में अपना स्थान सुनिश्चित कर सके।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में झारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 26 मार्च को, कोर्ट ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा पेपर लीक मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या न्यायिक जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 मार्च की तिथि निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि मामले में सीआईडी के अनुसंधान जारी है। मोबाइल सहित कुछ डिजिटल उपकरण को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट में चार सप्ताह का समय लगेगा। इस पर कोर्ट ने सरकार को समय प्रदान करते हुए

सुनवाई की अगली तिथि 26 मार्च निर्धारित की। साथ ही राज्य सरकार को अनुसंधान की अपडेट रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने परीक्षाफल प्रकाशन पर अगले आदेश तक रोक बरकरार रखा है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पक्ष रखा।

पिछली सुनवाई में झारखंड हाई कोर्ट ने सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का परीक्षाफल प्रकाशन करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा पेपर लीक होने के संबंध में दर्ज शिकायत पर परीक्षा संचालन अधिनियम-2023 के तहत पुलिस एफआईआर दर्ज करें और अनुसंधान कर अपनी रिपोर्ट दे। उल्लेखनीय है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले की जांच सीआईडी कर रही है। सीजीएल परीक्षा-2023 में गड़बड़ी के आरोप में सीआईडी ने दो केस दर्ज कर लिए हैं। इस मामले के अनुसंधान के लिए डीजीपी सह सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता ने एसआईटी भी गठित कर दी है।

सीएमपीडीआई अंतर क्षेत्रीय संस्थान एथलीट मीट 2024-25

पुरूष वर्ग में 400 मीटर ओपेन रेस में कमलेश सोरेन व महिला वर्ग के 200 मीटर में प्रीति देवी हुई प्रथम

बिभा संवाददाता

रांचीः सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के तत्वावधान में संस्थान के खेल मैदान में दिनांक 21 से 23 जनवरी तक आयोजित तीन-दिवसीय अंतर क्षेत्रीय संस्थान अथलीट मीट 2024-25 के दूसरे दिन पुरूष वर्ग के लिए आयोजित 400 मीटर ओपेन रेस में मेजबान क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के कमलेश सोरेन-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर के प्रशांत कुमार दास-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्षेत्रीय संस्थान-6-सिंगरौली के केशव राय रहे। वहीं महिला वर्ग के लिए आयोजित 200 मीटर ओपेन रेस में क्षेत्रीय संस्थान-6-सिंगरौली की प्रीति देवी-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची की रीतु कुमार मांगर-द्वितीय जबकि तृतीय स्थान पर क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर की अंजली रहीं।

पुरूष वर्ग के लिए आयोजित ओपेन शॉटपुट थ्रो में क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल के कौशिक मंडल-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर के एस0 चंद्र शेखर-

द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर के ही पी0 सभापति रहे जबकि महिला वर्ग में मुख्यालय-रांची की मार्था एस0 होरो-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर की शांति देवी-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर मुख्यालय-रांची की एस0 गंगावती रहीं। पुरूष वर्ग के लिए आयोजित लांग जम्प में क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल के सैकत मुखर्जी-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के मुकेश कुमार-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर (मुख्यालय)-रांची के अमन सिंह रहे जबकि महिला वर्ग में क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल की अमृता सिंह-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची की रीतु कुमार मांगर-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची की ही सुधा केन रहीं।

पुरूष वर्ग के लिए आयोजित आयोजित ओपेन जैवलिन थ्रो में क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के राहुल कुमार मुण्डा-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल के कौशिक मंडल-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर मुख्यालय के आकाश कुमार रहे जबकि महिला वर्ग में क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर की शांति देवी-प्रथम, मुख्यालय-रांची की बी0 गंगावती-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची की माधवी वर्मा रहीं। वहीं पुरूष वर्ग के लिए आयोजित ओपेन डिशकश थ्रो में क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल के कौशिक मंडल-प्रथम, मुख्यालय-रांची के अमित कुमार-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के राहुल कुमार मुण्डा जबकि महिला वर्ग में मुख्यालय-रांची की मार्था एस0 होरो-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची की माधवी वर्मा-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर की शांति देवी रहीं तथा वेटरन पुरूष वर्ग के लिए आयोजित शॉटपुट में क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल के अमित कुमार सिंह-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के एस0एस लुगून-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्षेत्रीय संस्थान-4-नागपुर के जगजीत सिंह रहें। इन विजयी प्रतिभागियों को मुख्यालय-रांची के महाप्रबंधक (गवेषण) आर0के0 सिंह एवं क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के महाप्रबंधक (उत्खनन) कंचन सिन्हा ने मेडल पहनाकर पुरूस्कृत किया।

बीआईटी मेसरा में ग्रीन हाइड्रोजनः स्वच्छ ऊर्जा का भविष्य विषय पर कार्यशाला का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 20 से 24 जनवरी 2025 तक ग्रीन हाइड्रोजनः स्वच्छ ऊर्जा का भविष्य विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला संस्थान की प्लेटिनम जुबली समारोह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और स्वच्छ ऊर्जा समाधान के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन की अद्भुत क्षमता को उजागर करने पर केंद्रित है।

उन्नत राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन और भारत सरकार के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन प्रौद्योगिकियों, भंडारण की चुनौतियों, अनुप्रयोगों और नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्यों में इसके योगदान पर चर्चा करना है। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन को ऊर्जा संक्रमण और उद्योगों, परिवहन और विद्युत क्षेत्रों के डीकाबोर्नाइजेशन के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम माना जा रहा है।

उद्घाटन सत्र का नेतृत्व बिट्स मेसरा के कुलपति प्रो. इंद्रनील मन्ना ने किया, जिन्होंने संस्थान की स्वच्छ ऊर्जा समाधानों में योगदान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नरसिंगा राव, जो आईआईटी हैदराबाद में संबद्ध प्रोफेसर हैं, ने ग्रीन हाइड्रोजन के औद्योगिक विकास और अनुसंधान-आधारित प्रयासों पर अपने विचार साझा किए। डॉ. पी. शन्मुगम, जो सीएसआईआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं, ने ऊर्जा क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन की भूमिका पर अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए।

फा. फेबियन कुन्नापल्ली को दी गई श्रद्धापूर्ण अंतिम विदाई

बिभा संवाददाता

रांचीः टीओआर धर्मसमाज के पुरोहित फा फेबियन कुन्नापल्ली का देहांत 83 की उम्र में 20 जनवरी को कॉन्स्टेंट लिवन्स हॉपस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर मांडर में हो गया। उनके आत्मशांति के लिए रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने आज संत फ्रांसिस चर्च बनहोरा में फा फेबियन कुन्नापल्ली के पार्थिव शरीर रखकर मिस्सा बलिदान अर्पित किया। उनके देहांत पर महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने शोक व्यक्त किया और दफन धर्मविधि संपन्न की। ज्ञात हो कि फा फेबियन कुन्नापल्ली को श्वास लेने

की तकलीफ के कारण रांची के सेंटीविटा अस्पताल में भर्ती कराया गया। फा फेबियन के आदर एवं उनके आत्मशांति के लिए संत फ्रांसिस चर्च बनहोरा में महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद द्वारा मिस्सा बलिदान चढ़ाया गया। उन्होंने दफन मिस्सा बलिदान के दौरान अपने धर्मोपदेश में कहा कि मृत्यु ने फा फेबियन को हमसे दूर नहीं किया है क्योंकि मृत्यु सबकुछ का अंत नहीं है।

सरला बिरला में मानसिक स्वास्थ्य पर वेबिनार का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : उच्चतर शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों पर सरला बिरला विश्वविद्यालय में आज कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन प्राइवेट यूनिवर्सिटीज द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान सीआईपीयू के अध्यक्ष एवं एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने विद्यार्थियों से जुड़े अपने शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभवों का जिक्र किया। विद्यार्थियों में अवसाद की समस्याओं को अत्यंत सावधानीपूर्वक हल करने और उनकी बेहतर काउंसिलिंग की आवश्यकता पर भी उन्होंने बल दिया। भारतीय समाज में

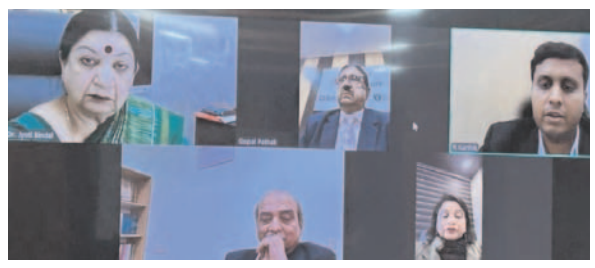

अवसाद की समस्या को मानसिक रुग्णता करार दिए जाने और समाज में ऐसे लोगों का तिरस्कार किए जाने के बारे में उन्होंने कई उदाहरण दिया। वेबिनार में बोलते हुए चित्कारा विवि की प्रतिकुलाधिपति डॉ. मधु चित्कारा ने आज के दौर में डिप्रेशन जैसे शब्द के प्रचलन के बारे में बोलते हुए इसे आधुनिक युग की उपज बताया। इससे निपटने के लिए एआई टूल्स के उपयोग की उन्होंने वकालत की। श्री ऑरोबिंदो विवि की वीसी प्रो. ज्योति बिंदल ने आज के दौर में सोशल मीडिया को मानसिक स्वास्थ्य की नकारात्मक प्रवृत्ति के कारणों के तौर पर चिन्हित किया। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं में सीनियर विद्यार्थियों का जूनियर से अपेक्षित और सकारात्मक सहयोग, वेलनेस केयर सेंटर और काउंसिलिंग की वकालत की। इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, नवी मुंबई के वीसी प्रो. शशांक दलवी ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभाव और उसमें काउंसिलिंग से लेकर थेरपी और दवाओं के इस्तेमाल पर बात कही। उन्होंने एनईपी 2020 में मानसिक स्वास्थ्य का जिक्र होने को एक क्रांतिकारी कदम बताया।

वेबिनार के आयोजन पर विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा और कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

ड्राप आउट बच्चो को विद्यालय से जोड़ने के प्रयासों का दिख रहा है सकारात्मक परिणाम

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 54,130 बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने में मिली कामयाबी

विगत तीन शैक्षणिक सत्रों में यह सर्वाधिक उपलब्धि, कमजोर बच्चो को दिया जा रहा है विशेष प्रशिक्षण

सामुदायिक जागरूकता और लगातार विभागीय निगरानी से बढ़ी स्कूलों में बच्चो की उपस्थिति

बिभा संवाददाता

रांची : राज्य में आउट ऑफ स्कूल और ड्रापआउट बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने में बड़ी कामयाबी मिली है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 54,130 आउट ऑफ स्कूल/ड्रापआउट बच्चो को विद्यालय से जोड़ने का प्रयास किया गया है। राज्य में सभी जिलों ने लक्ष्य के अनुरूप बच्चो को शिक्षा से जोड़ने के प्रयास में सफलता पायी है। झारखंड शिक्षा परियोजना परियोजना परिषद को प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक शैक्षणिक सत्र 2024-25 में अबतक 54,130 बच्चो को विद्यालय से जोड़ा गया है। कुल 65,065 लक्षित बच्चो में से अबतक 83.19% बच्चो को विद्यालय से जोड़ा जा चुका है और उनकी पढ़ाई शुरू हो गयी है। शेष बचे बच्चो को भी विद्यालय से जोड़ने का प्रयास जारी है। इस शैक्षणिक सत्र में शत प्रतिशत लक्षित बच्चो को विद्यालय से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में 54,130 बच्चो को स्कूलों से जोड़ा गया है। वर्ष 2023-24 में 34,608 बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा गया था। वर्ष 2022-23 में 3,930 बच्चो को शिक्षा से जोड़ा गया था। राज्य कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती बिनीता तिर्की ने बताया कि अधिकांश जिलों में आउट ऑफ स्कूल/ड्राप आउट बच्चो को विद्यालय से जोड़ने के प्रयास में सफलता मिली है। जिन जिलों ने अबतक लक्षित बच्चो को शत प्रतिशत शिक्षा से नहीं जोड़ा है, उन्हें जल्द से जल्द लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है। विभाग की कोशिश है कि इस शैक्षणिक वर्ष में भी शत प्रतिशत लक्षित बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। इसके लिए लगातार विभाग द्वारा निगरानी की जा रही है और जिलों को दिशा निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में आउट ऑफ स्कूल/ड्रॉपआउट बच्चो को अबतक शिक्षा से नहीं जोड़ा जा सका है, उन्हें 30 जनवरी तक इस कार्य को हर हाल में पूरा कर लेने का निर्देश दिया गया है।

राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा लगातार हो रहा है अनुश्रवण

आउट ऑफ स्कूल/ड्रॉपआउट बच्चो को विद्यालय से जोड़ने का लगातार प्रयास हो रहा है। इसके लिए सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता को बढ़ाने तथा राज्यस्तरीय पदाधिकारियों द्वारा विद्यालयों एवं जिलों का निरंतर अनुश्रवण हो रहा है। राज्य के 24 जिलों में 24 राज्यस्तरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में अनुश्रवण दल के पदाधिकारी भ्रमण कर यह सुनिश्चित करा रहे है कि उनके जिले में शत प्रतिशत शिशु पंजी हो, कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्य धारा से अलग ना रहे।

प्रोजेक्ट इम्पैक्ट, प्रयास और स्कूल रुआर कार्यक्रम का भी दिख रहा है असर

स्कूलों में बच्चो की उपस्थिति बढ़ाने और उन्हें शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट इम्पैक्ट, प्रयास और स्कूल रुआर कार्यक्रम असरदार साबित हो रहा है। प्रयास कार्यक्रम के तहत स्कूल में छात्रों की अनुपस्थिति को दिवसों के आधार पर चिन्हित किया जाता है। प्रत्येक कक्षा में कक्षा पंजी बनाकर प्रत्येक माह बच्चों का रिकार्ड संधारण किया जाता है। 3 दिन, 15 दिन एवं 30 दिन तक अनुस्पस्थित बच्चों को चिन्हित कर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक प्रयास किया जाता है एवं उनकी पूरी विवरणी संधारित की जाती है। इस कार्यक्रम को प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के मापदंडो में भी शामिल किया गया है। अनुपस्थित बच्चो के परिजनों से संपर्क कर बच्चे की पूरी विवरणी, अनुपस्थिति का कारण आदि जांचा जाता है। एसएमसी के सदस्य एवं शिक्षक बच्चे के परिजनों से संपर्क कर बच्चे के अनुपस्थित होने का कारण जानते है और उन्हें शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करते है। इसके अलावा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा स्कूल रुआर अभियान भी चलाया जाता है। इस अभियान का मकसद, 5 से 18 साल के बच्चों को स्कूल में नामांकित करना और स्कूलों में शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत, अनामांकित और ड्रॉपआउट बच्चों को स्कूल वापस लाया जाता है। इसमें विद्यालय प्रबंधन समिति और सामुदायिक भागीदारी का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रत्येक वर्ष स्कूल रुआर अभियान की समीक्षा की जाती है।

मुख्यमंत्री हेमंत से राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा और केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा, केंद्रीय कमेटी और केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा ने गुमला जिले के डुमरी प्रखंड के सिरसी गांव में तीन फरवरी को आयोजित होने वाले सिरसी-ता-नाले दर्शन यात्रा (वार्षिक पूजा-प्रार्थना कार्यक्रम) में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति ने अपनी मांगों से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, कोषाध्यक्ष प्रकाश हंस, संरक्षक सचिन कच्छप, मुन्ना उरांव एवं राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज मुंडा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छोटेलाल करमाली, राष्ट्रीय महासचिव जलेश्वर उरांव, राष्ट्रीय सचिव करमा उरांव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बिरसा उरांव, प्रदेश धर्मगुरु राजेश लिंडा, रामगढ़ राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा जिला धर्मगुरु संदीप उरांव, लोहरदगा जिला धर्मगुरु फुलेश्वर उरांव के अलावा सोमदेव उरांव, जयंती उरांव, कृष्ण भगत, सुकेंदर भगत, बुंडू सरना प्रार्थना सभा के अध्यक्ष एतवा उरांव, नूतन कच्छप सुधु भगत एवं भूलेश्वर भगत प्रमुख रूप से शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

आजसू के केन्द्रीय संगठन सचिव एस अली ने सभी पदों से दिया इस्तीफा

रांची(बिभा): आजसू पार्टी के केन्द्रीय संगठन सचिव एस अली ने अपने पद और सभी दायित्व से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो को लिखे पत्र में अपनी निजी व्यस्तता का हवाला देते हुए ईमानदारी पूर्वक पार्टी का काम नही कर पाने की बात कही है और स्वेच्छा पूर्वक इस्तीफा दिया है।

हटिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के दिव्यांग कोच से सात किलो गांजा बरामद

रांची(बिभा)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से सात किलो गांजा जब्त किया है। यह गांजा एक्सप्रेस ट्रेन के दिव्यांग कोच से बरामद किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 70 हजार रुपये है। हटिया के उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बुधवार को बताया कि आरपीएफ के मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट हटिया और जीआरपी हटिया ने हटिया स्टेशन पर संयुक्त जांच अभियान चलाया, जिसमें एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 15027 के दिव्यांग कोच में एक भारी ट्रॉली बैग बर्थ के नीचे पड़ा मिला। सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ अशोक कुमार सिंह की मौजूदगी में बैग में दो पैकेट में सात किलो गांजा बरामद किया गया। गांजा को जीआरपी हटिया ने जब्त कर लिया। इस मामले में जीआरपी हटिया ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा के तहत मामला दर्ज किया है।

भाजपा ने रिम्स में अव्यवस्था के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरा

रांची(बिभा)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने राज्य की चिकित्सा व्यवस्था के मुद्दे पर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार रिम्स पार्ट-2 की नींव रखने की बात कर रही है जबकि रिम्स की मौजूदा स्थिति दिन-प्रतिदिन और भी बदतर होती जा रही है। महतो ने कहा कि राज्य सरकार को पहले रिम्स की वर्तमान व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना चाहिए, न कि नया प्रोजेक्ट सब्जबाग दिखाकर स्वास्थ्य क्षेत्र में कुव्यवस्था मुंह मोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिम्स की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। रिम्स में न दवाइयां और न ही बेड मिल पा रहे हैं। कई जांच मशीनें खराब पड़ी हैं। महतो ने रिम्स में हाल में हुई महिला के साथ दुष्कर्म की घटना पर भी चिंता जताते हुए कहा कि यह घटना यह साबित करती है कि रिम्स में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महतो ने यह भी कहा कि रिम्स में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन भी समय पर नहीं मिल पाता, जिससे वहां काम करने वाले कर्मचारियों की स्थिति और भी खराब हो रही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सत्ता में बैठे कुछ नेताओं ने निजी डाइग्नोस्टिक कंपनियां बना रखी हैं और उनका उद्देश्य रिम्स में अपने उत्पादों की आपूर्ति करना है। साथ ही सवाल किया कि क्या यह भ्रष्टाचार का खेल नहीं है?

कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने मीना बाजार सब्जी मंडी में लगी भीषण आग से पीड़ित दुकानदारों से की मुलाकात

रांची(बिभा) : मीना बाजार सब्जी मंडी, देवघर में लगी भीषण आग से पीड़ित दुकानदारों से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने आज मुलाकात किया और स्थल का निरीक्षण के बाद दुकानदार संघ के अध्यक्ष संतोष शाह एवं अन्य दुकानदारों से घटना की पूरी जानकारी ली, और राज्य सरकार से अग्निपीडित दुकानदारों को तत्काल राहत एवं मुआवजा प्रदान करने एवं दुकान उपलब्ध कराने हेतु मुक्यमंत्री को पत्र लिखकर मामले की गंभीरता पर ध्यान आकृष्ट कराया और किया आग्रह किया कहा कि अगर अविलंब मुआवजा नहीं मिलता है तो दुकानदारो के सामने रोजी रोटी की समस्या उत्पन्न हो जाएगी मालूम हो कि मीना बाजार सब्जी मंडी, देवघर में गत 13 जनवरी 2025 को 02 एवं 17 जनवरी 2025 को 33 दुकानों में आग लग गई थी, जिसमें करोड़ों का समान जल कर नष्ट हो गया था। निरीक्षण के वक्त मीडिया विभाग चेयरमैन सतीश पौल मुजनी, हिन्दू न्यास बोर्ड अध्यक्ष जयशंकर पाठक, संजय मुननम, जिला अध्यक्ष उदय प्रकाश,शानतानु मिश्रा, ईश्वर आनन्द, सुल्तान अहमद और कांग्रेस नेतागण शामिल हुए।

मंत्री हफीजुल हसन ने किया हाजी हुसैन अंसारी कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

दीन व दुनियावी दोनों तालीम हासिल करना जरूरी :हफीजुल हसन

रांची(बिभा) : जिनकी आंख नहीं है जो दुनिया को देख नहीं सकते मौलाना मुशर्रफ वह दीनी शिक्षा को बढ़ाने का काम कर रहे हैं।हम लोगों के पास आंखें हैं मगर फिर भी हम दीन का काम नहीं कर रहे हैं। उक्त बातें झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कही। वह बुधवार को जामिया अरबिया कासिमुल उलूम ब्यासी रांची में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं एक मुहीम छेड़ रहा हूं कि लोग अपने वलीमा के खर्च का 5% हिस्सा शिक्षा में लगाए। अब समय ऐसा है कि दीन और दुनिया दोनों तालीम को हासिल करना जरूरी है। जामिया अरबिया कासिमुल उलूम बेयासी में एक दिवसीय वार्षिक समारोह और हाजी हुसैन अंसारी के याद में कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र सह पुस्तकालय का उद्घाटन मंत्री ने फीता काट कर किया। साथ ही 50 बेड का छात्रावास देने का वादा किया। विशिष्ट अतिथि मौलाना नसीम अनवर नदवी डायरेक्टर फातिमा गर्ल्स एकेडमी ने कहा इस तरह के एदारो को जो शिक्षा पर काम कर रहा है उसे बढ़ाने की जरूरत है। जहां शिक्षा होगी वहां अंधकार नहीं होगा। मौके पर बोलते हुए मदरसा के संस्थापक मौलाना मुशर्रफ जमाल कासमी ने कहा कि मदरसा 21 सालों से दीनी और दुनियावी तालीम दे रहा है। उर्दू के साथ हिंदी, इंग्लिश, मैथ, साइंस, कंप्यूटर की पढ़ाई कराई जाती है। मौलाना असगर मिस्बाही ने कहा कि ऑल इंडिया दीनी तालीमी बोर्ड जमीयत उलेमा हिंद शिक्षा पर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर भी बने इंजीनियर भी बने खूब पढ़े लेकिन दुनिया के साथ दिनी तालीम भी हासिल करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना मुशर्रफ जमाल कासमी ने किया और संचालन मौलाना रिजवान दानिश ने किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को इनाम से नवाजा गया। मंच पर रांची जिला जेएमएम अध्यक्ष मुश्ताक आलम, मो अर्शी, मोहम्मद परवेज आलम सचिव जमियतुल एराकीन देही हल्का छोटानागपुर, मौलाना नुरुल्लाह नदवी, मो जावेद बयासी, मौलाना डॉक्टर शौकत, हाजी जहीर, मौलाना महताब साकिबी, मौलाना कासिम मजाहिरी, मौलाना दानिश, कारी इमरान, मौलाना रमजान, मौलाना अल्ताफ, मौलाना अरशद, मास्टर जमीरुद्दीन, नौजवान कमिटी बयासी के मौलाना गुलजार, ओबैदुल्लाह आलम, नईम आलम, मो इरशाद अंसारी, अफजल आलम, मो अशफाक, मो इरशाद, सद्दाम अंसारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस समारोह पर मिली जिम्मेदारियों को ससमय पूरी करें अधिकारी : अंजनी कुमार

बिभा संवाददाता

रांची : प्रमण्डलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय समारोह उत्कृष्ट व गारिमामय रूप से आयोजित किया जाए। सभी अधिकारी राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस समारोह पर मिली सारी जिम्मेदारीयों को ससमय पूरी करना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम से संबंधित समस्त तैयारियों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाए।

बैठक में बताया गया कि राजकीय समारोह गणतंत्र दिवस के अवसर पर मोरहाबादी मैदान में कुल 11 विभागों द्वारा झांकियां निकाली जाएंगी। झांकियो में राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं एवं झारखंड की संस्कृति के संबंध में भव्य झांकियां निकाली जाएंगी। झांकियों का उद्देश्य सरकार के विभिन्न योजनाओं तथा झारखंड की कला संस्कृति से लोगों को जोड़ना है।

बैठक में मुख्य अतिथि को आमंत्रित करना, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को समारोह स्थल तक लाने की व्यवस्था, मुख्य समारोह स्थल पर पंडाल, बैरिकेडिंग एवं बैठने की व्यवस्था, समारोह स्थल पर ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं स्वच्छता इत्यादि की व्यवस्था, एम्बुलेंस एवं चिकित्सा व्यवस्था, अग्निशमन,समारोह स्थल तक जाने वाले मुख्य मार्गों पर यातायात और पार्किंग की व्यवस्था इत्यादि की समीक्षा की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रीय पर्व के दिन यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए। नगर निगम के अधिकारियों को राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर शहर के मुख्य चौराहों, सरकारी कार्यालयों इत्यादि स्थानों पर लाइट व साज-सज्जा एवं महापुरुषों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने पुलिस अधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। पुलिस परेड, झांकी प्रदर्शन, बैंड प्रदर्शन की पूर्व में ही बेहतर अभ्यास करने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, पुलिस अधीक्षक यातायात, रांची, नगर पुलिस अधीक्षक, रांची, प्रशासक नगर निगम के प्रतिनिधि , आयुक्त के सचिव, उप निदेशक, सुचना एवं जनसंपर्क, जिला परिवहन पदाधिकारी, अपर जिला दंडाधिकारी, एनडीसी, सिविल सर्जन, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता, गोंदा, कार्यपालक अभियंता, विद्युत एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा में सेवानिवृत्त प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर को दी गई विदाई

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो झारखंड विधानसभा सभागार में सेवानिवृत्त प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर के विदाई समारोह में सम्मिलित हुए । अपर सचिव सह प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर अपने पद से 30 नवंबर 24 को झारखंड विधानसभा सचिवालय से सेवानिवृत्त हुए थे।

इस अवसर को लेकर सभा सचिवालय में आज उनके विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वे बिहार विधानसभा में 18 फरवरी 1980 को नियुक्त हुए थे। कैडर विभाजन के उपरांत वे झारखंड विधानसभा में 20 नवंबर 2000 को प्रशाखा पदाधिकारी के रूप में अपना योगदान दिए। प्रोन्नत होकर अपर सचिव के पद तक पहुँचे।

विदाई समारोह में संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि सभागार में आपके सहकर्मियों का उपस्थिति यह प्रमाणित कर रही है कि अपने सेवाकाल में आपने अपने व्यवहार कौशल से सभी को साथ लेकर चला है।

प्रभारी सचिव माणिक लाल हेमब्रम ने अपने उद्बोधन में कहा कि सैयद जावेद हैदर के कुशल कार्यक्षमता और सौहार्दपूर्ण व्यवहार के लिए हमेशा जाने गये और उन्होंने सम्पूर्ण सेवाकाल में अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण रूप से की है। हम सभी उनके बेहतर भविष्य की कामना करते हैं।

गणतंत्र दिवस को लेकर डीसी ने की बैठक, दिये निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह के अवसर पर विभागीय झांकी प्रदर्शित किये जाने से संबंधित बैठक की। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभा कक्ष में आयोजित बैठक में विभागों द्वारा झांकी प्रदर्शन से संबंधित बनाए गए नोडल पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने विभागों द्वारा झांकी प्रदर्शन से संबंधित बनाये गए नोडल पदाधिकारियों से अब तक की तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने सभी नोडल पदाधिकारियों को 25 जनवरी तक पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान सुव्यवस्थित तरीके से ससमय सभी नोडल पदाधिकारी झांकी का प्रदर्शन पूरा कराएं।

झांकी निर्माण के लिए उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी को दिया गया। वाहनों की फिटनेस से संबंधित प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने और चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच का निर्देश भी उपायुक्त द्वारा एमवीआई को दिया गया।

गणतंत्र दिवस के राज्य स्तरीय समारोह के बाद लोग विभिन्न विभाग की झांकियों के दर्शन कर पाएंगे, उपायुक्त द्वारा इस दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

आपको बताएं कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह के अवसर पर मोरहाबादी मैदान में सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं/नीतियों पर आधारित तथा झारखंड की उत्कृष्ट कला, संस्कृति, परंपरा एवं धरोहर को प्रदर्शित करने वाली झांकियों का प्रदर्शन 11 विभागों द्वारा किया जाएगा।

मोरहाबादी मैदान में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की दिलाई शपथ

बिभा संवाददाता

रांची। शहर के मोरहाबादी मैदान में बुधवार को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के दस वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लड़कियों, उनके अभिभावकों और आंगनबाड़ी सेविकाओं को उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई। साथ ही हरी झंडी दिखाकर बाईक रैली को रवाना किया। कार्यक्रम में उपस्थित लड़कियों को सैनेटरी पैड का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, वन स्टॉप सेंटर, रांची के केंद्र प्रशासक एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय, रांची के कर्मी आदि उपस्थित रहे।

इससे पहले रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार ने बुधवार को महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग से संचालित सम्प्रेक्षण गृहों का निरीक्षण किया। इन सम्प्रेक्षण गृहों में सम्प्रेक्षण गृह डुमरदगा, राजकीय नेत्रहीन एवं मुकबधिर मध्य विद्यालय हरमू और सहयोग विलेज, विशेष दत्तक ग्रहण संस्था शामिल हैं। उप विकास आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान कर्मियों को सतर्कता के साथ नियमानुसार कार्य करने का निर्देश दिया।

इस दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, रांची भी उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की मनाई 10वीं वर्षगांठ

10वीं वर्षगांठ का समारोह 22 जनवरी से 8 मार्च तक जारी रहेगा, जिसका समापन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर होगा

बिभा संवाददाता

रांची : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) ने आज बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना, जो लैंगिक असंतुलन को दूर कर बालिकाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, की 10वीं वर्षगांठके महत्वपूर्ण अवसर पर समारोह मनाया गया।नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित उद्घाटन समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन और उर्वरक मंत्री, जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री, अन्नपूर्णा देवी, और महिला और बाल विकास राज्य मंत्री, सावित्री ठाकुरसहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में बीबीबीपी योजना के एक दशक की प्रगति पर प्रकाश डाला गया, जो महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

इसने विकसित भारत 2047 की परिकल्पना की भी पुष्टि की, जहां लैंगिक समानता एक नीतिगत प्राथमिकता ना होकर, एक सामाजिक मानदंड है।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन और उर्वरक मंत्री, जगत प्रकाश नड्डा ने अपने विशेष संबोधन में, बीबीबीपी के अंतर्गत स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हुई प्रगति को रेखांकित किया।

बेटीबचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की सफलता बाल लिंगानुपात, संस्थागत प्रसव और लड़कियों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में पर्याप्त सुधार से स्पष्ट है। भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक बालिका को वह देखभाल और अवसर प्राप्त हों जिसकी वह हकदार है ताकि वह भविष्य की नेता बन सके।

अपने मुख्य वक्तव्य में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, अन्नपूर्णा देवी ने बीबीबीपी के परिवर्तनकारी प्रभाव को स्वीकार किया, इस बात पर जोर दिया कि यह योजना सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक बन गई है। उन्होंने कहा, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल सरकारी योजना से आगे बढ़कर राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन गई है। इस 10 साल की यात्रा ने बालिकाओं की स्थिति में सुधार लाने और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास के समान अवसर प्राप्त हों यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने अपना विशेष संबोधन देते हुए इस योजना द्वारा लाए गए सांस्कृतिक बदलाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिलाओं के उत्थान के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए हम एक ऐसा माहौल बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जहां हर लड़की को शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों से भरे भविष्य का अधिकार हो।

इस अवसर पर सर्वोत्तम प्रथाओं का संग्रह, मिशन वात्सल्य पोर्टल, मिशन शक्ति पोर्टल और मिशन शक्ति मोबाइल ऐप सहित कई महत्वपूर्ण पहल शुरू की गईं, जो देश भर में महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, पुलिस, अर्धसैनिक बलों, चिकित्सा, विज्ञान, सरकार सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित महिला अधिकारियों के साथ-साथ उत्साही छात्राएं भी उपस्थिति थीं ।

पिछले एक दशक में, बीबीबीपी योजना ने लैंगिक समानता और भारत में बालिकाओं की स्थिति में सुधार लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। जन्म के समय राष्ट्रीय लिंगानुपात (एसआरबी) वर्ष 2014-15 के 918 से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 930 हो गया है।

श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान को मिला आईएसओ प्रमाण पत्र

बिभा संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के मेयर्स रोड स्थित झारखंड के प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान को उत्कृष्ट मैनेजमेंट के लिए आईएसओ सर्टिफिकेट से नवाजा गया है। ये तीनों प्रमाण पत्र 17 जनवरी 2025 को प्राप्त हुए हैं। आईएसओ सर्टिफिकेट देने वाली संस्था क्वालिटी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन द्वारा श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में आईएसओ का मूल्यांकन किया गया था। जिसमे संस्थान को इन तीनों प्रमाण पत्रों के अनुरूप पाया गया। झारखंड के लिए हर्ष की बात है कि संस्थान को एक साथ आईएसओ के तीन प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं ।

क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम के लिए मिला आईएसओ

संस्थान द्वारा लोक सेवा के क्षेत्र में कार्य कर कर रहे अधिकारियों को गुणवतापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने, मानिकीकरण, पारदर्शिता, पाठ्यक्रम के मानक को उच्चतर बनाने के साथ ही प्रशिक्षण के दौरान उत्तम सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आईएसओ 9001:2015 क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (विशिष्ट गुणवत्ता प्रबंधन) से नवाजा गया।

एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन मैनेजमेंट के लिए प्रमाण पत्र

एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन मैनेजमेंट के लिए से कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान को प्रमाण पत्र मिला है। संस्थान द्वारा उत्कृष्ट प्रशिक्षण शैली, विशाल पुस्तक संग्रह के माध्यम से गुणवत्तापरक परिणाम देने एवं बेहतरीन पाठ्यक्रम उपलब्ध करने के लिए दिया गया है। संस्थान द्वारा एक,दो एवं तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। समय समय पर एक दिवसीय सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जा रहा है। कार्य क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार के लिए सरकार के विभिन्न विभागों के कर्मियों एवं पदाधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं ।

एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम का मिला लाभ

श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान को संस्थान में बेहतरीन वातावरण प्रबंधन उपलब्ध करने के लिए आईएसओ14001:2015 का प्रमाण पत्र मिला है। संस्थान में ऊर्जा एवम पानी की बचत, बेहतरीन कचरा प्रबंधन के माध्यम से वातावरण प्रबंधन हेतु किए गए कार्यों और संस्थान परिसर में प्रदूषण रहित वातावरण हेतु इस प्रमाण पत्र से नवाजा गया है।

संक्षिप्त खबरें

पार्लियामेंट्री कमिटी की बैठक में मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया गया: शम्भु

बोकारो/बिभा संवाददाता। रायपुर के माइरा रिजोरट में पार्लियामेंट्री कमिटी की बैठक सेल एससी – एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन की केन्द्रीय कमिटी के साथ हुई।

अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष गोरंगों मण्डल ने किया एवं बोकारो स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व बोकारो यूनिट के अध्यक्ष शम्भु कुमार और महासचिव करतार सामंत ने किया जो कि फेडरेशन के केन्द्रीय कमिटी के सदस्य हैं। प्रमोशन में आरक्षण का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया गया। साथ ही सेल में भारत रत्न बाबा सहाब भीम राव अम्बेडकर के नाम पऱ दिया जाने वाला पुरस्कार का राशी को बढ़ाने का माँग किया गया। अम्बेडकर भवन हेतु बंद पड़े हुए विद्यालय को फेडरेशन के नाम पऱ आबंटित करने को कहा गया जिसे पार्लियामेंट्री कमिटी ने पूरा कराने का अशवाशन दिया। अन्य 13 शुत्री मुद्दों को माँग पत्र पऱ दिया गया। पार्लियामेंट्री कमिटी का अध्यक्षता फगन सिंह कुलसते पुर्व केन्द्रीय इस्पात राज्य मंत्री ने किया। साथ ही लोक सभा से नगिना सांसद चंद्रशेखर आजाद, प्रतिमा मंडल, हरिशचंद्र मिण, मल्लू रवि, जगणनाथ सरकार और डॉ गोविंद मखखपा करजोल एवं राज्य सभा सांसद में से फूलो देवी नेतान और भारत सरकार के सचिव मुकेश कुमार, बी आर शेखर, एन तोसूनग, पूजा कृथवाल उपस्थित थें। फेडरेशन से राकेश कुमार, माणिकराम मुंडा, अनिल पासवान, नबानांदेश्वर हेमबरम और भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर, सेलम, बर्नपुर, भद्रावती, कॉरपोरेट ऑफिस, रांची सहित सेल के सभी 16 यूनिट के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

बोकारो के सात जूडो खिलाड़ी कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए पुणे पहुंची

बोकारो/बिभा संवाददाता। बोकारो के सात जूडो खिलाड़ी झारखंड जूडो टीम के साथ कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए वेलेवाडी पुणे महाराष्ट्र पहुंच चुकी है

यह खिलाड़ी शिवा छत्रपति स्पोर्ट्स कंपलेक्स वेलेवाडी पुणे महाराष्ट्र मैं दिनांक 22 से 25 जनवरी तक होने वाले कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे चयनित खिलाड़ियों में जयंत कुमार,राजवीर सिंह, प्रियांशु राज सिंह एमजीएम स्कूल के खिलाड़ी है,खुशी उपाध्याय क्रिसेंट पब्लिक स्कूल की खिलाड़ी है तथा जयश्री,इशिका कुमारी और प्रेशा कुमारी गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 5 की खिलाड़ी है बोकारो जूडो संघ के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि इन खिलाड़ियों के अथक परिश्रम पर इनका चयन कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता बेलवाड़ी पुणे महाराष्ट्र के लिए किया गया अपने अपने क्रांतिकारी में इन खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर इनका चयन बिहार में होने वाले सातवीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए चुने जाएंगे जो बोकारो के लिए बड़े ही गर्व की बात है इनके चयन पर बोकारो के अन्य जूडो खिलाड़ियों में उत्साह का वातावरण बना हुआ है खिलाड़ियों के चयन पर बोकारो जूडो संघ के अध्यक्ष श्री विनय आनंद के साथ-साथ सभी पदाधिकारी ने अपनी शुभकामनाएं भेंट की वही झारखंड जूडो संघ के अध्यक्ष श्री के एन त्रिपाठी सहित सचिव परीक्षित तिवारी ने अपनी ढेर सारी शुभकामनाएं खिलाड़ियों को भेंट की है।

एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल में दस दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन

बोकारो/बिभा संवाददाता। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ में दस दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया। हिंदी व तमिल फिल्म की नायिका सना शालिनी ने आभासी माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि फिल्म उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक शिक्षा से परिचित कराया जाता है। यह मनोरंजन का एक माध्यम है। साथ ही यह समाज को स्वरुप निखारने में भी सहायक है। सिनेमा के माध्यम से सामाजिक व सांस्कृतिक मुद्दे पर लोगों को जागरुक किया जाता है। इस क्षेत्र में करियर की भी असीम संभावनाएं हैं। प्रधानाध्यापक फादर डा. जोशी वर्गीस ने कहा कि सिनेमा के जरिए समाज में बदलाव लाया जा सकता है। सिनेमा समाज का दर्पण होता है। मनोरंजक व ज्ञानवर्द्धक सिनेमा बच्चों को बेहतर राह पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। फिल्म समाज को नई सीख देती है। फिल्मों का विषय व उनके सामाजिक सीख हमारे सामाजिक जीवन को आगे बढ़ाने में मदद करते हें। खास बर बाल व मनोवैज्ञानिक फिल्में स्कूल में दिखाने की आवश्यकता है। ताकि बच्चे इस्से जुड़ कर अपने जीवन में इन फिल्मों से अच्छी चीज लेकर जीवन में उसका प्रयोग करें। इसके माध्यम से कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। साथ ही गायक व गायिका को अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर मंच मिलता है। दस दिन तक चलने वाले फिल्म फेस्टिवल में बाल व मनोवैज्ञानिक फिल्में मानस्तर, मेगा माइंड, द टू मैन, लकी बस्कर, द वाइल्ट रोबोट, डरावना सपना दिखाई जाएंगी। यह फिल्म उत्सव 31 जनवरी तक चलेगा। मौके पर उप प्रधानाध्यापक राखी बनर्जी, शैक्षणिक निदेशक जार्ज जोसफ, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, संत मेरी स्कूल के प्रधानाध्यापक फादर दीनू डैनियल, सदफ नूरी, एममजीएम स्कूल, रेनबो पब्लिक स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल चास, चिन्मय विद्यालय, डीएवी सेक्टर छह, पिट्स माडर्न स्कूल गोमिया, कैराली स्प्रींग्डल स्कूल आदि के विद्यार्थी उपस्थित थे।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के एक वर्ष पुरा होने पर दीपोत्सव कार्यक्रम संपन्न

भगवान श्री राम की मूर्ति को उनके अवतार स्थल पर देखना हमारा सौभाग्य : शाही

बिभा संवाददाता

बोकारो। भगवान श्री राम जी की जन्मभूमि अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर निर्माण के एक वर्ष पुरा होने पर श्रीराम क्लब द्वारा पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगनाथ शाही मौजूद रहे। मुख्य वक्ता श्री शाही ने कहा कि हम सब का परम सौभाग्य है कि भगवान श्री राम की मूर्ति को उसे जगह पर विराजमान देख रहे हैं। जहां उन्होंने अवतार लिया था। यहां उनके पुत्र कुश द्वारा भव्य मंदिर का निर्माण किया गया था। कालांतर में भगवान विश्वकर्मा ने उस मंदिर का जीर्णोधार किया था। दीपोत्सव कार्यक्रम के उपरांत रात्रि भजनान्जली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिससे पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्ति मय हो गया। इस संपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के संस्थापक रिंकू सिंह ने किया। ज्ञात हो कि भव्य, दिव्य और अद्भुत राम मंदिर निर्माण के शुभ अवसर पर क्लब द्वारा पिछले वर्ष 5 सौ दीपक से दीप प्रज्ज्वलित किया गया था। इस वर्ष एक हजार दीप प्रज्ज्वलित कर और आतिशबाजी कर रामलाल के अयोध्या में विराजमान होने के एक वर्ष पुर्ण होने पर फिर एक बार पुनः खुशियां मनाई गई। दीपोत्सव के सफल संचालन में सोमेश पाण्डेय, भरत यादव, संतोष वरनवाल, संतोष कुमार, रंजय कुमार, शिव कुमार, गौरव कुमार, जितेन्द्र ठाकुर, सिकन्दर कुमार, पिंटू (अयोध्या कुमार), राम जी, उत्पल सिंह, उज्जवल कुमार, शैलेश कुमार, पप्पू कुमार, गोलू कुमार, रंजय, गौतम विशाल,अजय आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्लब के संस्थापक रिंकू सिंह ने कहा कि यह हम सभी सनातनी हिन्दू भाई को लिए गौरव का क्षण रहा। जिस से हम सभी बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज 5 सौ वर्षों बाद हमारे भगवान श्री राम अयोध्या में अपने घर विराजमान हुए और सौभाग्य से हम सब दीपोत्सव के रूप में भगवान राम के स्थापना की वर्षगांठ मना रहे हैं।

बोकारो में शांतिपूर्वक शुरू हुई जेईई मेन- 1 की परीक्षा

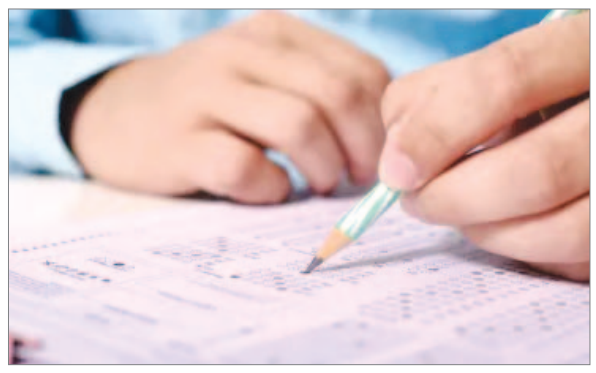

बिभा संवाददाता

बोकारो। इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित देश की सबसे प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) बुधवार को बोकारो में शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई। पहले दिन यहां बनाये गए दोनों ही केंद्रों पर दोनों पालियों को मिलाकर कुल 658 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 33 कैंडिडेट अनुपस्थित रहे। एनटीए के सिटी कोआर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने कहा कि परीक्षा पूरी तरह से कदाचार-मुक्त शुरू हुई है। कहीं से भी किसी गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं है।
चास में नवाडीह मूर्तिटांड़ स्थित आरआर टेक्नोलॉजी सेंटर पर पहली पाली में कुल 111 में 105 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि छह अनुपस्थित रहे। इसी केंद्र में दूसरी पाली में कुल 140 में 136 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और चार अनुपस्थित रहे। वहीं, चिकसिया (चास) में डॉ. एस. राधाकृष्णन बीएड कॉलेज के समीप बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर में बने केंद्र में पहली पाली में कुल 220 में 208 कैंडिडेट ने परीक्षा दी। जबकि, 12 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में कुल 220 में 209 ने परीक्षा दी और 11 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। डॉ. गंगवार ने परीक्षा के सुचारू एवं शांतिपूर्ण शुरुआत को लेकर केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों एवं जिला प्रशासन के सहयोग के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है।

मैथ्स ओलंपियाड के राज्य स्तरीय टॉप 30 की सूची में चास डीपीएस के 17 विद्यार्थी

बिभा संवाददाता

चास, बोकारो। डीपीएस चास बोकारो के विद्यार्थियों का गणित के क्षेत्र में जलवा देखने को मिला, जब विद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने सिल्वर जोन मैथ्स ओलंपियाड में राज्य में शीर्ष 30 रैंक के अंदर स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा साबित की। इस परीक्षा में सफल विद्यार्थियों में कक्षा-सातवीं के आलोक आनंद ने छठा, आदित्य कुमार ने आठवाँ, अनीश पांडेय तथा अरमान कुमार ने नौवाँ, आदित्य कुमार ने ग्यारहवाँ, आराध्या खंडेलवाल ने बारहवाँ, सूरज कुमार दास ने तेरहवाँ, अनिकेत कुमार सिंह तथा बारहवीं के ऋषभ कुमार सिंह ने चैदहवाँ, कक्षा-आठवीं के हृषिकेष राज ने पंद्रहवाँ, कक्षा बारहवीं के अंचित साहनी ने अठारहवाँ, सातवीं के श्रेष्ठ रंजन ने उन्नीसवाँ, छठी के कुमार पृथ्वी सिंह ने बीसवाँ, आठवीं के केशव डे, राजऋषि चक्रवर्ती, राजदीप मंडल तथा विराज अग्रवाल ने पच्चीसवाँ स्थान हासिल किया है। विद्यार्थियों की इस प्रकार की सफलता पर चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि ऐसी परीक्षाएँ छात्रों की कल्पना को प्रज्ज्वलित करती हैं और उन्हें अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का अवसर प्रदान करती हैं।
विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि ओलंपियाड परीक्षाएँ विद्यार्थियों को गणित के क्षेत्र में अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित करती हैं। विद्यालय अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है और ये उपलब्धियाँ उन्हीं प्रयासों का परिणाम है।

बोकारो में झारखंड मुक्ति मोर्चा का सदस्यता अभियान शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारो। झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय कमिटि के निर्देशानुसार पार्टी महाधिवेशन से पूर्व प्रदेश के नव निर्मित तीन जिला को छोड़कर सभी जिला कमिटी को भंग करते हुए बनाये गए संयोजक मंडली के तहत 18 जनबरी से 28 फरवरी तक युद्द स्तर पर बोकारो जिले मे कम से कम डेढ लाख पार्टी का सदस्यता बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया जिसके तहत आज से झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य, बोकारो जिला संयोजक मंडली के सदस्य और जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के नेतृत्व मे बोकारो स्टील प्लांट के एम आर डी और फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड बिभाग मे सदस्यता अभियान का श्रीगणेश किया गया जिसमे काम करने बाले इस्पातकर्मी और ठेकाकर्मीयों ने बढ़चढ़कर सदस्यता ग्रहण कर रहा है जबकि कल एस एम एस और सी सी एस बिभाग मे सदस्यता अभियान चलाने का कार्यक्रम तय किया गया है। सदस्यता अभियान मे मुख्य रूप से युनियन के संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, आई अहमद, भी के साह, सुरेश प्रसाद, नासिर अहमद खान, सुभाष चंद्र बाउरी, मनोज कुमार सिंह, बालेश्वर राय, राजू लहरी, घनश्याम सिंह इत्यादि मौजूद थे।

आरआर नृत्यशाला एंड आर्ट के दूसरे वार्षिक समारोह में बच्चों ने किया प्रदर्शन

बोकारो। आरआर नृत्यशाला एंड आर्ट का दूसरा वार्षिक समारोह चीरा चास वस्तु विहार फेज 4 में आर आर नृत्यशाला की प्रमुख श्रीमति रजनी पढ़ी की अध्यक्षता में हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती स्वेता सिंह जी ने फीता काट कर उद्घाटन किया और कलाकारों का हौसला बड़ाकर किया उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रमों से हमारे बोकारो के बच्चो की प्रतिभा में निखार आएगी और राज्य और अखिल भारतीय स्तर पर कई कलाकार उभरेंगे कार्यक्रम जिसमे 76 बच्चो और युवाओं ने भाग लिया नृत्य संगीत और ड्राइंग की प्रस्तुति दर्शकों के बीच किया अंत के स्वरूप शेखर पाण्डेय धर्मवीर सिंह उमेश ठाकुर और राकेश चक्रवर्ती ने बच्चो को पुरस्कृत कर किया इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आर आर नृत्यशाला के कलाकार मंटू सिंह संतोष, मैत्री मुखर्जी सुशीला सिंह संजय तिवारी राजेश चौधरी बबलू आदि उपस्थित रहे।

बोकारो के नर्कारा गांव में 5 लाख रुपये का सामान चोरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र के नर्कारा गांव में मंगलवार की सुबह चोरी की एक गंभीर घटना सामने आई। चंद्र मोहन साहू, जो घर के मालिक हैं, ने बताया कि उनकी अलमीरा, जिसमें कीमती सामान और जेवरात रखे हुए थे, टूटी हुई मिली और कुल मिलाकर लगभग 4-5 लाख रुपये का सामान गायब हो चुका था। रविवार को परिवार के सभी सदस्य घर से बाहर गए थे और जब वे हावड़ा बोकारो से घर लौटे, तो घर का ताला टूटा हुआ था और अंदर का सारा सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने खिड़की काटी और ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।
घर के मालिक ने अनुमान जताया कि यह चोरी रविवार रात या सोमवार रात के बीच हुई होगी। जैसे ही उन्होंने यह स्थिति देखी, उन्होंने तुरंत बालीडीह थाना को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और मामले की गहराई से पड़ताल की जा रही है। चंद्र मोहन साहू का बेटा, जो हजारीबाग में रहता है, भी जल्द ही घर लौटेगा, और फिर मामले की जांच पूरी तरह से की जाएगी। इस प्रकार की घटनाओं से स्थानीय समुदाय में भय का माहौल है और पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की उम्मीद है।

बोकारो इस्पात संसदीय कमेटी की मीटिंग में गुँजा वेज रीविजन का मुद्दा

बिभा संवाददाता

बोकारो। इस्पात संसदीय कमेटी की मीटिंग के पहले, बीएकेएस बोकारो, भिलाई तथा आरएकेएस राउरकेला ने कमेटी के संसद सदस्यो के समक्ष सेल कर्मियों के कई मुद्दे को रखा। जिसकी गंभिरता को देखते हुए कई सदस्य, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, लोहरदग्गा सांसद सुखदेव भगत, राज्य सभा सांसद, देवेंद्र प्रताप सिंह, राजसमंद सांसद रुप कुमारी चौधरी, कोरबा सांसद ज्योतसना महंत आदि ने सेल कर्मियों के वेज रीविजन पर हरसंभव कदम उठाने तथा मदद का आश्वासन दिया है।
8 सालो से अधुरा वेज रीविजन को कमेटी चेयरमैन अनुराग ठाकुर के समक्ष भी लाया गया। किसी विशेष कारणो के कारण अनुराग ठाकुर दौरे पर नही आए तो उनके निजी सचिव ने तीनो यूनियनो के पत्र को इस्पात मंत्रालय तथा सेल प्रबंधन को भेज कर जवाब लेने का निर्देश दिया है। एक्टिंग चेयरमैन के रुप में राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा ने कमेटी की अध्यक्षता कर विभिन्न मुद्दो पर चर्चा किया।
गौर तलब है कि सेल गैर कार्यपालक कर्मियों का वेज रीविजन एमओयू हुए 38 माह होने के बावजुद अभी तक एरियर तथा बाकि मुद्दे पर कोई निर्णय नही हो पाया है। जिसके कारण कर्मियों का लाखो रुपया का नुकसान प्रति वर्ष हो रहा है। जबकि दूसरे महारत्ना कंपनियों के तर्ज पर सेल गैर कार्यपालक कर्मियों का वेज रीविजन करने की अनुशंसा पुर्व मे ही इस्पात संसदिय कमेटी द्वारा दिसम्बर 2014 में की गई थी। जिसको सरकार (इस्पात मंत्रालय) ने मान भी लिया था। उसके बाद भी सेल गैर कार्यपालक कर्मियों के साथ भारी भेदभाव कर 15% एमजीबी के बदले मात्र 13 प्रतिशत एमजीबी, 35 प्रतिशत पर्क्स के बदले मात्र 26.5 प्रतिशत पर्क्स पर अवैध समझौता किया गया। साथ ही अधिकारी वर्ग को अप्रैल 2020 से पर्क्स के एरियर का भी भुगतान किया गया जबकि कर्मचारी वर्ग को सरकार के मंजुरी तिथि से भुगतान कर भारी भेदभाव किया गया।
बीएकेएस का जन्म शोषण और अत्याचार की पृष्ठभुमी पर हुआ है। कर्मचारियों का स्थांतरण, निलंबन, वेज रीविजन में भेदभाव, सुविधाओं मे भेदभाव ने सेल की सभी यूनिटो में कार्यरत कर्मचारियों के भीतर आक्रोश पनपाया। हम अपने अधिकार के लिए प्रत्येक फोरम पर जाने हेतु वचनबद्ध है।

माँ माघी काली मंदिर: नवाडीह गांव की आस्था और विश्वास का केंद्र

अजीत कुमार

- पूजा-अर्चना के लिए उमड़ते हैं श्रद्धालु
- 74 वर्षों से हो रही है माँ माघी काली की पूजा अर्चना
- आयोजन को सफल बनाने में जुटे है ग्रामीण

बोकारो। चंदनकियारी प्रखंड के देव ग्राम पंचायत के नवाडीह गांव में 74 वर्षों से माँ माघी काली(रटंती काली) की पूजा हो रही है. काली मंदिर आस्था व विश्वास का केंद्र है. 1951 में स्वर्गीय मणिन्द्रनाथ खावास ने मां काली की स्थापना कर पूजा-अर्चना शुरू की थी. जानकारों का कहना है कि स्व मनिन्द्रनाथ खवास जमींदार परिवार से थे। खवास परिवार को पता चला कि नवाडीह मौजा निलाम हो गया है।उस समय पुरुलिया कोर्ट पश्चिम बंगाल मे हुआ करता था।लोग पैदल ही चलकर कोर्ट जाता था। खावास परिवार मनिन्द्रनाथ खवास व ग्रामीण निलामी की जानकारी के लिए नवाडीह गाँव से पैदल ही पुरुलिया कोर्ट चल दिया।नवाडीह से कोर्ट 100 किमी की दुरी है। रास्ते में जंगल पर एक पत्थर के साथ त्रिशूल मिला।लोग वहीं पर बैठ गया और माथे टेककर कहा मन्नत किया यदि नवाडीह मौजा निलामी से बच जाता है तो माघी काली पुजा (रटंती काली)स्थापित कर पुजा अर्चना करेंगे। कोर्ट पहुंचे तथा जानकारी मिला की गांव नवाडीह निलामी होने से बच गया है। उसी समय से विधिवत पुजा अर्चना कर बाजागाजा ढोल नगाड़े केसाथ पत्थर व त्रिशूल को गांव लाकर बांस पलास बिचाली का झोपड़ी बनाकर पुजा अर्चना शुरू कर दिया। गांव में उत्सव शुरू हो गया।. उसी समय से बलि प्रथा भी है. कुछ दिनों के बाद मिट्टी की दीवार तिरपाल ढंक कर पूजा-अर्चना की गयी. बाद में मंदिर को भव्य रूप दिया गया. उस समय से खावास परिवार के वंशज व ग्रामीण पूजा अर्चना करते आ रहे हैं. ऐसे तो मंदिर में सालों भर पूजा होती है, पर प्रत्येक अमावस्या, मंगलवार व शनिवार को मां के मंदिर में विशेष पूजा होती है. लोग कहते हैं कि यहां के लोग मां के मंदिर में मन्नत मांगने से मां पूरी करती हैं. लोग मन्नत पुरी होने पर मां के मंदिर पर चढावा चढाते है। परिवार की चौथी पीढ़ी कर रही पूजा अर्चना। पश्चिम बंगाल, धनबाद, बोकारो, पुरुलिया के भी लोग पहुंच कर पूजा अर्चना करते हैं. मनोकामना पूरी होने, पर श्रद्धालु चढ़ावा चढ़ाते हैं। दर्जनों गांव के लोग होते हैं शामिल पूजा। नवाडीह गाँव के आसपास देवग्राम, तिलाटांड़, बराहबाद, आमलाबाद, विरुबांध, रोहनिया टांड़, पर्वतपुर, तलगड़िया, मोहाल, उपरबांधा, नयावन सहित दर्जनों गांव के हजारों लोग शामिल होते हैं. पूजा को लेकर खावास परिवार के जितेंद्र नाथ खवास, नितिन खवास, हिरेण खवास, नीरेन खवास, चंदन खवास सुरेश खवास, पंडित बापी मुखर्जी, मगाराम राय, बलराम राय, अहलाद दास, नेपाल राय, भाजपा नेता राधेश्याम सिंह, फनी राय, सुरेश रजवार, अनिल रजवार, बबलू रजवार, विशु रजवार, शिवा राय, भद्दु राय, विजय रजवार सहित आसपास के ग्रामीण जुटे हुए हैं। 27 जनवरी से तीन दिवसीय पूजा होगी शुरू। 28 जनवरी को निर्जला उपवास कर काफी संख्या में महिला पुरुष व बच्चे तलाब में स्नान कर सुबह से ही शाम तक दण्ड देकर मंदिर पहुँच कर पुजा अर्चना करते हैं। पुजा की तैयारी शुरू कर दी गयी है. मंदिर को भव्य सजावट की जा रही है।फतेहपुर चंदनकियारी के मूर्तिकार सुबल धीबर मां की प्रतिमा का निर्माण कर रहे हैं. मंदिर का रंग-रोगन किया जा रहा है. आकर्षक सजावट होगी. 29 जनवरी शायरबांध मे मुर्ति विसर्जन के साथ पूजा संपन्न होगी।

सेल स्थापना दिवस की तैयारी में जुटा बोकारो स्टील प्लांट

बिभा संवाददाता

बोकारो। 24 जनवरी सेल स्थापना दिवस के रूप में मनाई जाती है. इस अवसर को यादगार बनाने के लिए बोकारो स्टील प्लांट की ओर से तैयारी की जा रही है. पूर्वाहन 7:30 बजे सर्वप्रथम 'हैप्पी स्ट्रीटर कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा. बोकारो स्टील प्लांट की विशेष पहल 'हैप्पी स्ट्रीट' द्वारा इस्पातनगरी में सकारात्मकता, स्वास्थ्य, और खुशहाली को बढ़ावा देने की मुहीम में नगरवासियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इसे सफल बनाया. हैप्पी स्ट्रीट के समापन समारोह में विभिन्न स्कूलों के बच्चे, शहर के स्वयंसेवी संस्थान, सामाजिक संस्थाएं और बड़ी संख्या में जनसामान्य की भागीदारी होगी. बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक और अन्य अधिकारी भी इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति से लोगों का उत्साहवर्धन करेंगे। 24 जनवरी को अपराहन स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बोकारो क्लब के सिनेमा एरिना में एक भव्य संगीत संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा. कार्यक्रम में प्रतिभाशाली कलाकारों द्वारा कई मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी जिनमें नृत्य, संगीत, और अन्य प्रस्तुतियाँ शामिल होंगी. इस सांस्कृतिक संध्या में बोकारो के स्थानीय कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जाएगा, जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. सभी सेल कर्मी एवं उनके परिवार के सदस्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और संगीत संध्या में सादर आमंत्रित हैं।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षक व विद्यालय पर निर्भर है बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार करना : अमित

सिल्ली/बिभा संवाददाता। शिक्षकों को एक सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना होगा तभी हम समाज को बेहतर रूप से शिक्षित कर पाएंगे। स्कूल और शिक्षकों के पास सीमित संसाधन है और इन्हीं संसाधनों का उपयोग कर एक बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार करना होगा ताकि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया जा सके, यह बातें विधायक अमित महतो शिलान्यास समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा। विधायक गरिमामयी उपस्थिति में मो0 चांदमनी देवी ने झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तहत 10+2 उच्च विद्यालय जोन्हा अनगड़ा में 12 कमरे का अतिरिक्त वर्ग कक्ष का आधारशिला रखी। श्री महतो ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को सम्बोधित कहा अगर बच्चा अपने मन से करियर चुनता है, तो उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता. सफल स्टूडेंट के जीवन का पहला मूलमंत्र टाइम टेबल के अनुसार पढ़ाई करना है, आज डिजिटल युग है इससे अब करिअर विकल्पों का भी दायरा बढ़ा है। मौके पर झामुमो नेता रिझु मुंडा जयराम महली मुखिया कृष्णा मुंडा सीताराम पातर सोमरा उरांव ह्रदयाल मुंडा दिलीप भुईया कृष्णा कश्यप विकास साहू, योगेन्द्र पातर, बिसम्बर भोक्ता चंद्र भूषण सिंह मुंडा मानिक रजवार सावन सिंह गुणवा मुंडा आदि मौजूद थे। इसके पूर्व विधायक को स्कूली छात्रों ने भव्य स्वागत किया।

राहे प्रखंड के सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर समीक्षा बैठक

राहे/बिभा संवाददाता। प्रखंड के सभागार में बीडीओ अशोक कुमार के अध्यक्षता में सभी बीएलओ, सुपरवाइजर और कंप्यूटर ऑपरेटर की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय मतदाता दिवस की तैयारी की समीक्षा की गई। बीडीओ अशोक कुमार ने कहा कि 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमारे लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य नागरिकों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे सही प्रतिनिधियों का चयन करें और देश के विकास में योगदान दें।मतदान एक नागरिक का अधिकार और कर्तव्य दोनों है। हमें सभी को अधिकार और कर्तव्य की जानकारी देना है।

ब्राम्बे मे मंत्री हफिजूल हसन अंसारी का जोरदार स्वागत किया गया

मांडर/बिभा संवाददाता। ब्राम्बे में मकसूद अंसारी के अगुवाई में मांडर प्रखंड अंजुमन इस्लामिया के सदर नूरुल्लाह हबीब नदवी के नेतृत्व मे ब्राम्बे चौक पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री झारखण्ड सरकार जनाब हफीजुल हसन अंसारी साहब का माला एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया। मौके पर झामुमो के रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम, वरिष्ठ नेता आरिफ हसन, रशीद अंसारी, अमानुल्लाह अंसारी, अबूजर अंसारी, मो मोजीबुल्लाह, नेशार अख्तर, गफ्फार अंसारी, शाद अंसारी, समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर वाहन चालकों को दिए गये फूल व हेलमेट

खूँटी/बिभा संवाददाता। नगर पंचायत के थाना गेट के सामने बुधवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम चलाकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक एवं जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक के द्वारा बिना हेलमेट पहने वाहन चालकों रोककर सड़क सुरक्षा की जानकारी दी गई। साथ ही, सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के दौरान खूँटी थाना में यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। मौके पर कार्यक्रम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा बिना हेलमेट वाहन चला रहे लोगों को हेलमेट वितरित किया गया तथा फूल दे कर लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर लोगों को जागरूक करने हेतु हस्ताक्षर अभियान, हेलमेट वितरण एवं अन्य कई जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन सभी के लिए आवश्यक है। जिला अन्तर्गत थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चला कर 23000/-रु का चालान भी किया गया। वाहन चलाते समय हेलमेट तथा सीटबेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करने को कहा गया। इस दौरान सड़क सुरक्षा हस्ताक्षर अभियान चला कर लोगो को यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ भी दिलाया गया। मौके पर अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने बताया कि आज लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जन जागरण किया गया और इस दौरान लोगों को हेलमेट दिया गया और पुष्प कुछ देकर के उन्हें परिवहन नियम को पालन करने के लिए अभाव गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कई लोगों के चालान भी काटे गए। इस जन जागरण अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है लेकिन बाद में कानून का उल्लंघन करने पर कार्रवाई भी की जाएगी।

डीआईजी की अगुवाई में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

लोगों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन करना उद्देश्य: डीआईजी

बिभा संवाददाता

खूँटी। शहर के बीच नगर भवन में बुधवार को पुलिस अधीक्षक की अगुवाई में जिला के नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा पुलिस और नागरिकों के मध्य अविश्वास एवं दूरी को समाप्त करने के उद्देश्य से जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डीआईजी (एसआईबी) चंदन कुमार झा उपस्थित होकर मामलों को भी सुनें। जहाँ एसपी अमन कुमार, एसी, परमेश्वर मुंडा, डालसा की प्रतिनिधि की मौजूदगी में नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतें पुलिस अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। विभिन्न क्षेत्र के लोगों द्वारा अधिकारियों के समक्ष 26 मामले प्रस्तुत किया गया। डीआईजी द्वारा लोगों की समस्याओं का गहन जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को

यथाशीघ्र निकारकरण हेतु निर्देश दिया गया।
मौके पर डीआईजी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों से रुबरु होकर समस्याओं की जानकारी प्राप्त करना व पुलिस एवं आम जनता के बीच विश्वसनीयता को बढ़ाना है। साथ ही लोगों की समस्याओं का सही व त्वरित निष्पादन करना है। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला सुरक्षा संबंधी कानून, पीड़ितों को मुआवजा, नए आपराधिक कानून के तहत जीरो एफ.आई.आर एवं ऑनलाइन एफआईआर प्रणाली, डायल 112 तथा 1930 (साइबर फ्रॉड), एस.सी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम, संपत्ति मूलक अपराध, साइबर अपराधियों द्वारा ठगी के तरीके, मानव तस्करी, नशीले पदार्थों का सेवन व बिक्री की रोकथाम आदि के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और त्वरित समाधान किया जाएगा।
इस दौरान आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को यथाशीघ्र निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया। मौके पर अनेक मामलों का निष्पादन किया गया। अन्य मामलों को प्राथमिकता के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया।
झारखंड पुलिस, खूंटी की उक्त पहल की प्रशंसा करते हुए नागरिको ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से जनता और पुलिस के बीच संबंधों में सुधार आएगा। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, सभी थाना प्रभारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक सम्पन्न

बिभा संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिले में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, विधानसभा चुनाव क्षेत्र के जनप्रतिनिधि राम सूर्या मुंडा, सांसद प्रतिनिधि एवं अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन करना एवं नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को इन योजनाओं से अवगत कराना था। बैठक के प्रारंभ में सभी जन प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। बैठक के दौरान प्रेजेंटेशन के माध्यम से कृषि, सहकारिता, आपूर्ति, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कल्याण, भवन निर्माण, पेयजल एवं स्वच्छता, समाज कल्याण, नगर पंचायत, जेएसएलपीएस समेत अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी साझा की गई। कृषकों को खरीफ एवं रबी फसल के तहत बीज वितरण, बिरसा फसल विस्तार योजना, कृषि ऋण माफी योजना एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड जाँच की प्रगति की समीक्षा की गई। बीज वितरण की पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। खूँटी एवं तोरपा समेत अन्य प्रखंडों में गोदाम निर्माण, लैम्प्स केंद्र संचालन एवं अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। बंद लैम्प्स केंद्रों को पुनः चालू करने के निर्देश दिए गए। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में जिले में 840 आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना एवं पोषण ट्रैकर की समीक्षा की गई। लाभार्थियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ देने एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शिक्षण सामग्री वितरित करने की जानकारी दी गई। ग्रामीण विकास विभाग के तहत अबुआ आवास योजना, अंबेडकर आवास योजना, आवास प्लस योजना समेत सड़कों और भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। सभी योजनाओं को पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए।

मजदूरों के हक से वंचित करने वालों पर हो कार्रवाई : बाबू पाठक

बिभा संवाददाता

रांची। बुधवार को झारखंड बिहार जन शक्ति मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष ललित नारायण ओझा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कर्म माधुरी भुगतान में हो रही अनियमितताओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपनी समस्याएं रखीं।
ललित ओझा की अध्यक्षता में खलाड़ी बुढ़मू चान्हो मांडर और इटकी के सैकड़ों मजदूर, जो एफसीआई गोदाम में माल लोडिंग और अनलोडिंग का काम करते हैं, ने राज्य सरकार के श्रम विभाग द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान नहीं मिलने और काम छोड़ने के लिए दबाव बनाने की समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया।
ललित नारायण ओझा ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि गरीब मेहनत मजदूरों को उनके अधिकारों और सम्मान दिलाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। माननीय मंत्री ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त रांची

और एफसीआई को निर्देश दिया कि वे उपयुक्त समाधान करें।
प्रतिनिधि मंडल में मांडर प्रखंड डीलर संघ के मुख्य संरक्षक तथा जिला फेयर प्राइस शॉप डीलर संघ के मंत्री बाबू पाठक भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और मजदूरों को उनका उचित हक, अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए।
प्रतिनिधि मंडल में शामिल अन्य सदस्यों में शमशेर आलम, जगदीश अंसारी, राजेश्वर सिंह, दुर्जन सिंह, दौलत अंसारी, सफीक अंसारी, सद्दाम अंसारी, जहारुद्दीन अंसारी, जगनू माली, मुश्ताक अंसारी, गोविंद माली, प्रकाश महतो, कैलाश महतो, दीपक माली सहित विभिन्न प्रखंडों के मजदूर शामिल थे। ज्ञात हो कि न्यूनतम मजदूरी दर जो कि 8.50 है, उसे लागू करने के लिए मांडर प्रखंड के गोदाम के पास विभिन्न प्रखंडों के मजदूर विगत कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। मजदूरों का कहना है कि उन्हें वर्तमान में केवल 6 की मजदूरी मिल रही है, जबकि झारखंड में न्यूनतम दर 8.50 है। वे अपने अधिकारों की बहाली के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

अर्जुन सिंह के हत्या का पांचवां आरोपी नागे पहान गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी। अर्जुन सिंह हत्याकांड में खूँटी पुलिस ने हत्या का उद्भेदन करते हुए थाना क्षेत्र के अर्जुन सिंह हत्याकांड के पाँचवें आरोपी नागे उर्फ सुंदर पाहन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नागे पहले पीएलएफआई नक्सली संगठन में काम करता था फिर सरेंडर कर कारोबार में जुट गया था। जिसमें अर्जुन सिंह की हत्या में शामिल था। जिसमें कि अर्जुन सिंह पुलिस का मुखबिरी करता था। जिसे 10 लोगों ने मिलकर मौत के घाट उतार दिया था। वहीं पाँचवाँ अभियुक्त नागेश्वर की गिरफ्तार किया गया।

इसके पहले अर्जुन सिंह हत्या में पहले चिकोर डाड़टोली का चाड़ा पाहन और डुगडुगिया का संदीप गंझु इन दोनों की गिरफ्तारी और दो नाबालिगों को निरुद्ध किया जा चुका है। जबकि और पाँच लोग फरार चल रहे हैं। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अभियान चला रही है।
डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि नागे उर्फ सुंदर पाहन को उसके घर चिकोर से गिरफ्तार किया गया है। जिसमें वर्चस्व और अफीम कारोबार को लेकर इन लोगों को खीझ थी। जिसपर अर्जुन सिंह पुलिस को जानकारी देता था इसलिए उसे मौत के घाट उतार दिया गया । उन्होंने बताया कि अर्जुन सिंह पुलिस को आपराधिक गतिविधियों की जानकारी देता था। वहीं नागेश्वर पीएलएफआई सदस्य था जो बाद में सरेंडर पॉलिसी के तहत आत्मसमर्पण किया था । जिसपर उसको सरकार के तरफ से लाभ भी मिला था। लेकिन जेल से बाहर निकलने के बाद व अफीम के कारोबार में संलिप्त हो गया था। जिसकी जानकारी पुलिस को अर्जुन दिया करता था। वहीं अर्जुन के रहने से नागेश्वर पाहन को उसके कार्य में बाधा पहुंचाता था जिसके कारण उसे लोगों से मिलकर हत्या कर दी। जिसमें दो लोग पहले गिरफ्तार और दो निरुद्ध किये जा चुके हैं। और अभी हत्यारों को पकड़ने में पुलिस जुटी हुई है। जिनको भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश एवं जिला कमेटी का गठन पर हुई चर्चा बैठक

खूँटी। सांसद आवासीय परिसर में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की खूँटी जिला के प्रभारी एसएस रिजवी और जॉन दिलीप तिग्गा की विशेष उपस्थिति में सोमवार को बैठक किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश एवं जिला कमेटी का गठन पर चर्चा किया गया। मौके पर, एस एस रिज़वी और जॉन दिलीप तिग्गा ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य नई कमेटी का गठन कर कांग्रेस अल्पसंख्यक को मजबूती प्रदान करना है बैठक में सभी उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि कैसर खान को ही खूंटी जिला अल्पसंख्यक विभाग का जिला अध्यक्ष बनाया जाए बैठक के बाद कमिटी खूँटी डी सी लोकेश मिश्रा से भेंट कर अल्पसंख्यक के विकास के लिए चर्चा किया गया बैठक में मुख्य रूप से खूँटी जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा सयूम अंसारी जमील अख्तर कृष्णा प्रसाद पपलू खान तौफीक अंसारी अमृत कोंगारी मोहम्मद छोटू लालू साहू मोहम्मद सोनू जाहिद रैन आमिल कयुम अंसारी अफसर समिति काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस प्रदेश के सचिव पीटर मुंडू संचालन कैसर खान एवं धन्यवाद ज्ञापन पांडेया मुंडू ने किया।

मांडर महाविद्यालय में विश्व हिंदी दिवस का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

मांडर। मांडर प्रखण्ड स्थित बुधवार को मांडर महाविद्यालय, मांडर में हिंदी विभाग के द्वारा विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ बुदु उरांव ने विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा और हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी 1975 को मनाया गया और तभी से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई। उन्होंने हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि अपने देश की संस्कृति और गौरव को सुरक्षित रखने के लिए हमें अपनी भाषा को महत्व देना होगा। मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कुमार आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव ने माय, माटी और मातृभाषा का महत्व बताया और कहा कि हिंदी भाषा के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के समक्ष आने वाली चुनौतियां से लड़ना होगा और हिंदी भाषा को बढ़ावा देना होगा। इस अवसर पर कुड़ुख विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सोमरा उरांव ने कहा कि हमें अन्य भाषाओं का ज्ञान भी अवश्य अर्जित करना चाहिए, परन्तु अपनी मातृभाषा को हमेशा याद रखना चाहिए। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने कविता, भाषण, गीत और पोस्टर इत्यादि प्रस्तुत किया।
इस अवसर पर मंच संचालन डॉ ममता कुमारी बाड़ा और धन्यवाद ज्ञापन सेनेल टेटे ने किया।

अवैध अफीम की खेती को पूरी तरह से किया गया नष्ट

खूँटी। जिले में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बुधवार को अवैध अफीम की खेती को नष्ट करने की कार्रवाई की गई। जिला प्रशासन ने ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों का उपयोग कर इन फसलों को पूरी तरह से नष्ट किया। इस कार्रवाई में अंचल अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य विभागीय अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन ने इस अभियान के माध्यम से अवैध खेती करने वालों को कड़ा संदेश दिया है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को जिले में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिसमें खूँटी थाना क्षेत्र के ग्राम चूकरू में 16 एकड़, अड़की थाना के ग्राम कोवा 24 एकड़,सोयको थाना ग्राम-सेरेंगडीह में 22 एकड़,मरांगहदा के सुकरी सेरेंग एवं मरांगहदा में 18 एकड़ एवं मुरहू थाना के ग्राम बागमा टोला गिनदूंग में 21 एकड़ जिले में करीब 101 एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया।

नरकोपी के स्वास्थ्य मेला में 272 लोगों का किया गया जांच

बिभा संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के नरकोपी थाना परिसर में बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेड़ो के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया है। स्वास्थ्य मेला का शुभारंभ प्रखंड के उप प्रमुख मोददसिर हक ने फीता काटकर किया। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत स्वास्थ्य सहियाओं ने पुष्प गुच्छ देकर किया। स्वास्थ्य मेले में कुल 272 लोगों ने स्वास्थ्य मेला का लाभ लिया। वहीं इस दौरान मेले में कुल 22 स्टॉल लगाए गए थे। लगाए गए स्टॉलों में लोग पहुंचे जिनमें एन सी डी 163, जेनरल ओपीडी के 178, टीबी के 01, आंख से सबंधित 45, लेप्रोसी के 05, फाइलेरिया के 01, युवा मातृ के 10, मानसिक रोग के 02, फैमली प्लानिंग के 34, सिकल सेल के 134, डेंटल के 12 लोगों की जांच कर दवाई वितरण किया गया। वहीं मेले में आये 16 लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया गया। स्वास्थ्य मेले में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुमित्रा कुमारी डॉ राजीव रंजन, डॉ सनल शोनु बरवार, डॉ मेघा भगत, डॉ भावना, डॉ अंजली, डॉ निगार सुल्ताना ने लोगो की जांच की। साथ ही लोगों के बीच दवा का वितरण किया गया। मौके पर मेले का शुभारंभ करते हुए उप प्रमुख ने कहा कि माननीय मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के अथक प्रयास इस तरह के आयोजन किया गया। इस तरह के आयोजन से दूर दराज में रहने वाले ग्रामीण क्षेत्र को सीधा लाभ मिलता है। लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आती है। मुखिया सरिता एक्का ने कहा नरकोपी में मेला लगने से आम जन को काफी सुविधा मिली है। वहीं उन्होनें लोगों से इस तरह के मेला का लाभ उठाने की अपील की।

ज्ञान, समानता और स्वाभिमान के प्रेरणास्रोत भीमराव अंबेडकर : विश्वजित

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। भाजपा प्रदेश के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी कुडू मंडल के द्वारा मंडल अध्यक्ष विश्वजीत भारती के अध्यक्षता में संविधान गौरव दिवस मनाया गया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष विश्वजीत भारती ने कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 15 जनवरी से 25 जनवरी तक बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर जी के विरासत के सम्मान में संविधान गौरव दिवस मनाने हेतु भाजपा केंद्रीय समिति द्वारा निर्णय लिया गया है, इस निमित्त आज संविधान गौरव दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रारंभ बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर तथा वंदे मातरम् गायन के साथ किया गया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष

विश्वजीत भारती ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार ने भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवनी से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों पर पंचतीर्थ स्मारक विकसित किया जिसमें जन्म भूमि महू, शिक्षा भूमि लंदन, दीक्षाभूमि नागपुर, महापरीनिर्वाण भूमि दिल्ली और चैत्यभूमि मुंबई शामिल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में डॉक्टर अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर का उद्घाटन किया। बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर को मरणोपरांत भाजपा सरकार द्वारा भारत रत्न से सम्मानित किया गया और 1990 में संसद परिसर में उनका चित्र स्थापित किया गया इससे पूर्व कांग्रेस के कार्यकाल में उनका सम्मान को अनदेखा किया गया था क्योंकि संसद परिसर में उनका एक भी चित्र स्थापित कांग्रेस सरकार ने नहीं कराया था जो की भाजपा ने किया,भाजपा सरकार ने देशवासियों तक उनकी विरासत को पहुंचाने के लिए बाबा साहेब के लेखों का डिजिटलीकरण किया। भाजपा सरकार ने सभी वर्गों को आर्थिक रूप से जोड़ने के लिए डॉ. अंबेडकर के नाम पर भीम ऐप लॉन्च किया जो बाबा साहेब की विरासत को सच्ची श्रद्धांजलि है। मौके पर इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिला उपाध्यक्ष नवीन कुमार टिंकू ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार ने 2016 में एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम को मजबूत करके पीड़ितों के लिए वित्तीय सहायता में इजाफा किया, एससी-एसटी आरक्षण को 10 साल तक बढ़ाया साथ ही ईडब्ल्यूएस के लिए 10% आरक्षण लागू किया और ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा भी प्रदान किया। उन्होंने कहा भाजपा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण प्रदान किया जिससे बाबा साहब का नारी सशक्तिकरण का सपना साकार हुआ, बाबा साहेब के आदर्शों पर चलते हुए भाजपा सरकार ने 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम CAA पारित करके हास्य पर पड़े लोगों को न्याय और सुरक्षा देना सुनिश्चित किया।

अज्ञात चोरों ने दस घरों से नगद एवं लाखों रुपये के जेवरात ले गये

बिभा संवाददाता

राहे। थाना क्षेत्र के नावाडीह पंचायत अंतर्गत बारूडीह, पारमडीह और बुकरूडीह गांव में अज्ञात चोरों के द्वारा दस घरों में ताला तोड़ कर चोरी किया गया हालांकि चार घरों में ताला तोड़ कर प्रवेश किया लेकिन कोई भी वस्तु का चोरी नहीं किया गया। छः घरों में नगद राशि और जेवरात की चोरी किया गया। चोरों ने घर से बक्शा निकाल कर खेत में जाकर तोड़ फोड़ भी किया। ग्रामीणों ने राहे पुलिस को सूचना दिया। सूचना के तत्काल बाद पुलिस गांव पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है। छः घरों के लोग मेहमान गए थे। घर के बाहर ताला बंद था। अन्य घरों के लोग दूसरे कमरे में सो रहे थे। पारमडीह गांव के समीप एक ग्राहक सेवा केंद्र की सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना को अंजाम देते रिकॉर्डिंग हुई है। काले रंग के कार में चार लोग उतरते हैं घटना को अंजाम देते हैं और पुनः चार लोग कार में सवार होकर निकल पड़ते हैं। रात के 1 बजकर 15 की घटना बताई गई है। रात होने के कारण किसी का चेहरा साफ नहीं दिखाई दिया है कार का नंबर भी नहीं दिखाई दिया है।
बारूडीह गांव के माला देवी, जयश्री देवी और नमिता देवी जो एक कैंपस में है, इनके घर का ताला तोड़कर घर में प्रवेश कर अलमारी तोड़ कर नगद राशि और जेवरात निकाल लिये। टीन के बक्शा को खेत में ले जाकर तोड़ा। इनके घर से तीन लाख तक के जेवरात और 30 हजार नगद राशि की चोरी हुई।

संपादकीय

बालिकाओं को बनाना होगा आत्मनिर्भर

भारत में हर साल 24 जनवरी को लड़कियों को सशक्त बनाने और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के महत्व को उजागर करने के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह लड़कियों के अधिकारों और अवसरों को बढ़ावा देते हुए उनकी ताकत और क्षमता का जश्न मनाने का दिन है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में पहली बार राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाना शुरू किया गया था। देश में लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली सभी असमानताओं के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाना व बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना, इसे मनाने का मुख्य उदेश्य है। हमारे देश में बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं, जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। 24 जनवरी 1966 को पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना कार्यभार संभाला था। उस दिन की याद में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2024 का विषय है- आइए हम अपनी लड़कियों को मजबूत, स्वतंत्र और निडर बनाएं। भारत में आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद वह अनेकों कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उसके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओं को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी हो गयी है।

शिक्षा का गुणवत्ता स्तर हो एक समान

लेखक

हृदयनारायण दीक्षित

> राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की, कि अक्टूबर 2024 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,182 शिक्षण पद रिक्त हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षण पदों के लिए रिक्तियों की दर 35 प्रतिशत से अधिक है, यहां तक कि आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों में भी शिक्षकों की कमी है, जो कुछ मामलों में 46 प्रतिशत तक है। फिलहाल पदभरती की राह देखते महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अकृषक विश्वविद्यालयों में 1200 और महाविद्यालयों में 11000 स्वीकृत पद रिक्त हैं।

मनुष्य के जीवन की आधारशिला उसकी शिक्षा होती है, आज के आधुनिक युग में हम सभी शिक्षा का मोल बखूबी समझते हैं। दुनिया में किसी भी क्षेत्र का सर्वोच्च स्थान हम शिक्षा की योग्यता के आधार पर हासिल कर सकते हैं। साक्षरता और उच्च शिक्षा में लगातार वृद्धि के साथ, दुनिया भर में शिक्षा प्रणाली नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। देश में भी नई शिक्षा प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए नित नए उपक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। तकनीकी ज्ञान, कौशल, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम दिन ब दिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली के सुदृढ़ता का बखान तो कर रहे हैं, फिर भी भारत देश से विदेश पढ़ने जानेवाले विद्यार्थियों की संख्या हर साल बढ़ती ही जा रही है। 2024 में लगभग 13, 35,878 भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे, 2023 में 13,18,955 छात्र थे, जबकि 2022 में 9,07,404 छात्र थे। जबकि इस तुलना में हमारे देश में विदेश से आने वाले छात्रों की संख्या बेहद कम है, जो ज्यादातर छात्र विशेषकर नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और अन्य देशों से भारत आते है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2021-22 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर के 170 देशों के कुल 46,878 विदेशी नागरिक/छात्र भारत में विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित हैं। ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में केवल 40,431 विदेशी छात्र उच्च शिक्षा के लिए भारत आए। देश के बड़े शहरों और महानगरों के कुछ निजी शिक्षा संस्थान तो पांच सितारा होटल जैसे प्रतीत होते हैं। हाल ही में मैंने देश के महँगे स्कूली शिक्षा की वार्षिक फीस की जानकारी ली थी, जिससे पता चला कि हमारे देश में कुछ निजी स्कूल की वार्षिक फीस 15-20 लाख रुपये तक भी है। देश में सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली सेवा सुविधाओं का अध्ययन करने पर पता चलता है की, आज भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी जगत शिक्षा के आधारभूत सुविधाओं से वंचित है। आज भी दुर्गम भागों, पहाड़ी क्षेत्रों में स्कूली बच्चे नदी, नाले, जंगली क्षेत्र पार करके स्कूल जाते है, क्योंकि पक्की सड़क, पुल या सरकारी परिवहन की सुविधा नहीं है। बहुत से सरकारी स्कूल में कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, खेल सामग्री, मैदान, पर्याप्त मेज कुर्सी, यांत्रिक उपकरण, बिजली, पिने का शुद्ध पानी भी नहीं है। अनेक स्कूल भवन जर्जर अवस्था में है, जिससे बहुत बार जानलेवा हादसे होने की खबरें भी देखने-सुनने को मिलती हैं। अक्सर देखा जाता है कि, काबिलियत होते हुए भी बेहतर सुख-सुविधाओं की कमी के कारण प्रतिभावान बच्चे अपने लक्ष्य से दूर रह जाते है। राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की, कि अक्टूबर 2024 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,182 शिक्षण पद रिक्त हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षण पदों के लिए रिक्तियों की दर 35 प्रतिशत से अधिक है, यहां तक कि आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों में भी शिक्षकों की कमी है, जो कुछ मामलों में 46 प्रतिशत तक है। फिलहाल पदभरती की राह देखते महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अकृषक विश्वविद्यालयों में 1200 और महाविद्यालयों में 11000 स्वीकृत पद रिक्त हैं। दिसंबर 2023 तक, शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के सरकारी स्कूलों में 8.4 लाख शिक्षक रिक्तियां थी। 2023 के शुरुआत में एक प्रमुख दैनिक के मुताबिक, देश में लगभग 1.2 लाख स्कूल एकल शिक्षक द्वारा चलाए जाते रहे हैं। सभी भारतीय स्कूलों की तुलना में यह अनुपात 8 प्रतिशत है, यह संख्या दर्शाती है कि छात्रों की बड़ी संख्या के कारण एक ही शिक्षक पर अत्यधिक बोझ है। कर्नाटक सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने 19 दिसंबर, 2024 को विधानसभा को सूचित किया कि कर्नाटक राज्य में शिक्षकों के 59,772 रिक्त पद हैं। कर्नाटक राज्य के लगभग 6,158 सरकारी स्कूलों में एक-एक शिक्षक हैं, जो 1.38 लाख छात्रों की जिम्मेदारी संभालते है। 530 स्कूलों में 358 शिक्षक है परंतु यहां कोई छात्र नहीं हैं, राज्य के सरकारी शालाओं में छात्रों के नामांकन में भी गिरावट जारी है। लगभग 142.86 करोड़ लोगों की आबादी के साथ देश की शिक्षा प्रणाली भी उतनी ही विशाल है। डेलॉइट की येएसएसई 2023 रिपोर्ट के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में, भारत में प्री-प्राइमरी स्तरों सहित स्कूल में 26.52 करोड़ छात्रों का नामांकन था। देश में औसत छात्र-शिक्षक अनुपात 23:1 है। लद्दाख जैसे कुछ केंद्र शासित प्रदेश में अनुकरणीय अनुपात 7:1 तक कम बताया है, जबकि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे अन्य राज्यों ने क्रमशः 45:1, 33:1 और 29:1 के उच्च अनुपात की सूचना दी है, जो क्षेत्रीय असमानताओं को उजागर करता है। लगभग 7.7 प्रतिशत प्री-प्राइमरी, 4.6 प्रतिशत प्राइमरी और 3.3 प्रतिशत अपर-प्राइमरी स्कूल ऐसे शिक्षकों को नियुक्त करते हैं जो आवश्यक योग्यताएं पूरी नहीं करते हैं। निजी स्कूलों में 69 प्रतिशत शिक्षक और कई सरकारी शिक्षा संस्थानों में संविदात्मक शर्तों पर शिक्षक काम करते हैं, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि परिणामस्वरूप, उन्हें नौकरी की सुरक्षा या वित्तीय स्थिरता नहीं मिलती है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतर शिक्षक रिक्तियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित है, जहाँ खराब बुनियादी ढांचा और मूलभूत सुविधाओं की कमी एक चुनौतीपूर्ण कार्य का वातावरण पैदा करती है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा भर्ती किए गए लगभग 40 प्रतिशत शिक्षकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की कमी है। विश्व आर्थिक मंच 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की शिक्षा की गुणवत्ता दुनिया में 90वें स्थान पर है। भारत के शिक्षा मंत्रालय 2021 के अनुसार, भारत के सभी सरकारी स्कूलों में से केवल 4.8 प्रतिशत के पास पर्याप्त बुनियादी ढांचा है, जिसमें कक्षाएँ, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब शामिल हैं, इसने शिक्षा के क्षेत्र में एक असमान स्तर का खेल तैयार किया है, शहरी क्षेत्रों के छात्रों के पास ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की तुलना में बेहतर संसाधन और अवसर हैं। देश के सरकारी शिक्षण व्यवस्था में योग्यतापूर्ण शिक्षकों के पद रिक्त होने की समस्या बहुत है, जिससे कार्यरत शिक्षकों पर अधिक भार पड़ता है, जिस कारण विद्यार्थियों के शैक्षणिक गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा बुरा असर पड़ता है ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अभी भी बहुत दूर है, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय, आर्मी पब्लिक स्कूल जैसे शिक्षा संस्थान एक विशेष स्तर, नीति-नियम, गुणवत्ता बनाये हुए हैं, लेकिन बहुत से राज्य सरकार और स्थानीय सरकार द्वारा संचालित स्कूल बुनियादी सुविधाओं की कमी से भी जूझते नजर आते हैं। विश्व की उच्चतम शिक्षा संस्थानों के जब नाम लेते हैं तो देश के संस्थान कहीं नहीं दिखते।

कब तक अनसुलझा रहेगा नेताजी की मौत का रहस्य?

लेखक

योगेश कुमार गोयल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है। उनकी मृत्यु के संबंध में कई दशकों से यही दावा किया जाता रहा है कि 18 अगस्त 1945 को सिंगापुर से टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास फार्मोसा में उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस हवाई दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। नेताजी ने 16 अगस्त 1945 को टोक्यो से ताइपेई के लिए उड़ान भरी थी और उनका विमान 18 अगस्त की सुबह ताइपेई के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उसके बाद जापान सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि उस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी शामिल थे। 18 अगस्त 1945 को ताइवान के ताइपेई में विमान दुर्घटना में उनकी मौत की जापान सरकार द्वारा की गई आधिकारिक घोषणा को भारत सरकार ने भी स्वीकार कर लिया था लेकिन आज भी कई लोग इसे मानने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, उनके जीवित होने और गुमनामी में जीवन जीने के दावे किए जाते रहे और इस विषय पर कई बार जांच भी हुई। हालांकि नेताजी के जीवित होने का दावा करने वाले लोगों ने कई बार अपने दावों का समर्थन करने के लिए सबूत पेश किए लेकिन उन सबूतों को प्रायः संदिग्ध माना गया और कहा जाता रहा है कि उनके जीवित होने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं।

दरअसल, नेताजी का शव कभी नहीं मिला और कुछ अन्य कारणों से भी उनकी मौत के दावों पर आज तक विवाद बरकरार है। उनकी मृत्यु का रहस्य जानने के लिए विभिन्न सरकारों द्वारा पूर्व में कुछ आयोगों का गठन भी किया जा चुका है और कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा नेताजी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच भी गठित की गई किन्तु अभी तक रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। फैजाबाद के गुमनामी बाबा से लेकर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले तक में नेताजी के होने संबंधी कई दावे भी पिछले दशकों में पेश हुए किन्तु सभी की प्रामाणिकता संदिग्ध रही और नेताजी की मौत का रहस्य यथावत बरकरार है। हालांकि जापान सरकार बहुत पहले ही इस बात की पुष्टि कर चुकी है कि 18 अगस्त 1945 को ताइवान में कोई विमान हादसा हुआ ही नहीं और भारत सरकार द्वारा कुछ समय पूर्व सार्वजनिक की गई नेताजी से संबंधित कुछ गोपनीय फाइलों में मिले एक नोट से तो यह सनसनीखेज खुलासा भी हुआ कि 18 अगस्त 1945 को हुई कथित विमान दुर्घटना के बाद भी नेताजी ने तीन बार 26 दिसम्बर 1945, 1 जनवरी 1946 तथा फरवरी 1946 में रेडियो द्वारा राष्ट्र को सम्बोधित किया था। इस खुलासे के बाद से ही नेताजी की मौत का रहस्य और गहरा गया था। नेताजी के जीवित रहने को लेकर किए गए विभिन्न दावों में कहा गया कि वे विमान दुर्घटना में नहीं मारे गए थे बल्कि जीवित बच गए थे और उन्होंने अपने जीवन का बाकी हिस्सा गुप्त रूप से बिताया। ऐसे ही दावों में से एक दावा यह भी था कि विमान दुर्घटना में नेताजी को गंभीर रूप से चोटें लगी थी लेकिन वे जीवित बच गए थे और उन्हें एक जापानी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उनका इलाज किया गया और बाद में उन्हें सोवियत संघ ले जाया गया, जहां उन्हें एक गुप्त शिविर में रखा गया। एक अन्य दावा यह भी था कि नेताजी ने विमान दुर्घटना में बचने के बाद अपना रूप बदल लिया था। उन्होंने अपना नाम और पहचान बदल ली थी और एक गुप्त जीवन जीने लगे थे। कुछ लोगों ने यह दावा भी किया कि उन्होंने नेताजी को गुप्त रूप से रहने के दौरान देखा है। हालांकि इन तमाम दावों में से किसी का भी कोई पुख्ता सबूत कभी नहीं मिला लेकिन इन दावों को लेकर सच्चाई जानने को लेकर लोगों में सदैव उत्सुकता रही है। उनकी मौत के रहस्य को सुलझाने के लिए कई बार जांच आयोग भी बैठाए गए, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण जांच आयोग न्यायमूर्ति ताराचंद की अध्यक्षता में 1956 में बैठाया गया था। ताराचंद आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि नेताजी की मृत्यु विमान दुर्घटना में हुई थी। आयोग ने कहा था कि नेताजी के जीवित रहने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है लेकिन आयोग के निष्कर्षों को कई लोगों ने चुनौती दी, जिनका कहना था कि आयोग ने नेताजी के जीवित रहने के दावों की पर्याप्त जांच नहीं की थी। आज भी दावे के साथ यह कहना मुश्किल है कि नेताजी की मृत्यु कैसे हुई थी। हो सकता है कि विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हुई हो या यह भी हो सकता है कि वे जीवित बच गए हों और उन्होंने अपना जीवन गुप्त रूप से बिताया हो। कुल मिलाकर, उनकी मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है और इस रहस्य को सुलझाने के लिए और अधिक जांच की आवश्यकता है।

राशिफल

मेष परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

मिथुन लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा।

कन्या शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला लाभ में आशातीत वृद्धि तय है, मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

वृश्चिक कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

धनु कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

मकर सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी।

कुंभ विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी।

मीन कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

आत्मनिर्भरता को मज़बूत करते हुए चीन के साथ भारत के सम्बंध

लेखक

प्रियंका सौरभ

(लेखक कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

> भारत की सागरमाला परियोजना हंबनटोटा जैसे समुद्र में चीनी प्रभाव को संतुलित करने के लिए रणनीतिक भारतीय बंदरगाहों के विकास को सुनिश्चित करती है। भारत चीन के आपूर्ति श्रृंखला प्रभुत्व का मुकाबला करने के लिए बांग्लादेश, नेपाल और अफ्रीकी देशों जैसे पड़ोसी देशों में क्षेत्रीय विनिर्माण केंद्र विकसित करने में रणनीतिक रूप से निवेश कर सकता है। औद्योगिक पार्कों का निर्माण करके और इन क्षेत्रों में परिचालन का विस्तार करने के लिए भारतीय फर्मों को प्रोत्साहित करके, भारत वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएँ बना सकता है।

भारत गैर-प्रतिस्थापनीय आयातों के लिए चुनिंदा व्यापार सम्बंधों को बनाए रखते हुए महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के लिए, सेमीकंडक्टर के लिए पीएलआई योजना माइक्रोन टेक्नोलॉजी जैसी वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रही है, जबकि भारत घरेलू क्षमता बढ़ने तक चीन से उन्नत सिलिकॉन वेफ़र्स का आयात जारी रखता है। इसी तरह, टैरिफ वृद्धि और स्थानीय विनिर्माण द्वारा समर्थित भारत के खिलौना उद्योग ने चीन से आयात कम कर दिया। हरित ऊर्जा में सहयोग, विविध भागीदारः भारत साझा चिंताओं को दूर करने के लिए ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय जलवायु मंचों पर चीन के साथ जुड़ सकता है, जबकि विविध देशों से नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त कर सकता है। भारत ने इंडो-जर्मन ग्रीन हाइड्रोजन टास्क फोर्स के माध्यम से हरित हाइड्रोजन विकास में जर्मनी के साथ भागीदारी की, जबकि जापान के साथ सौर बैटरी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर भी बातचीत की। इस बीच, भारत घरेलू नवीकरणीय उद्योगों में क्षमता निर्माण के लिए पवन टर्बाइनों में चीन की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकता है। महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए स्वदेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए ईवी विनिर्माण जैसे गैर-संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी फर्मों के साथ साझेदारी को प्रोत्साहित करें। उदाहरण के लिए, चीन की इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख कंपनी बीवाईडी भारत में विनिर्माण कार्य शुरू करने के लिए उत्सुक

है, जैसे ही 'सभी कारक' 'आगे बढ़ने' का संकेत देते हैं और योजना निरंतर मूल्यांकन के अधीन है। भारत कूटनीतिक जुड़ाव जारी रखते हुए चीन की मुखर उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए सीमा पर बुनियादी ढाँचा विकसित कर सकता है। उदाहरण के लिए, भारत के (सीमा सड़क संगठन) ने लद्दाख तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए अटल सुरंग को पूरा किया, जबकि दिसम्बर 2024 में भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों की 23वीं बैठक के माध्यम से कूटनीतिक प्रयासों ने कुछ क्षेत्रों में तनाव कम किया। भारत साझा विकास लक्ष्यों के लिए एआईआईबी और एससीओ जैसे प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठा सकता है जबकि क्वाड जैसी साझेदारी के माध्यम से चीन के प्रभाव को संतुलित कर सकता है। उदाहरण के लिए, एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी ढांचे में भारत की सक्रिय भागीदारी आतंकवाद-रोधी सहयोग सुनिश्चित करती है, जबकि साथ ही सेमीकंडक्टर और दुर्लभ पृथ्वी के स्रोत में विविधता लाने के लिए क्वाड की आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल का उपयोग करती है।

प्रौद्योगिकी सहयोग, स्वदेशी नवाचारः भारत कृषि के लिए एआई जैसे कम संवेदनशील क्षेत्रों में चीन के साथ सहयोग कर सकता है, जबकि महत्त्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। उदाहरण के लिए, भारत भारतनेट और चंद्रयान मिशन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से 5जी और उपग्रह तकनीक में घरेलू प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, सटीक खेती एआई में चीन की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकता है। भारत चीन के साथ आर्थिक जुड़ाव बनाए रखते हुए आसियान, दक्षिण कोरिया और अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार साझेदारी को गहरा करके चीनी आयात पर अपनी निर्भरता कम कर सकता है। उदाहरण के लिए, भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी ने वियतनाम के साथ मज़बूत व्यापार सम्बंधों को बढ़ावा दिया, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और रसायनों में, जिससे चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता कम हुई। भारत क्वाड नौसैनिक अभ्यास के माध्यम से नौसैनिक गठबंधनों को मज़बूत कर सकता है, जबकि हिंद महासागर में तनाव को रोकने के लिए कूटनीतिक रूप से चीन से जुड़ सकता है। उदाहरण के लिए, भारत ने अंतर-संचालन को बढ़ाने के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मालाबार 2023 अभ्यास किया।

जबकि, भारत की सागरमाला परियोजना हंबनटोटा जैसे समुद्र में चीनी प्रभाव को संतुलित करने के लिए रणनीतिक भारतीय बंदरगाहों के विकास को सुनिश्चित करती है। भारत चीन के आपूर्ति श्रृंखला प्रभुत्व का मुकाबला करने के लिए बांग्लादेश, नेपाल और अफ्रीकी देशों जैसे पड़ोसी देशों में क्षेत्रीय विनिर्माण केंद्र विकसित करने में रणनीतिक रूप से निवेश कर सकता है। औद्योगिक पार्कों का निर्माण करके और इन क्षेत्रों में परिचालन का विस्तार करने के लिए भारतीय फर्मों को प्रोत्साहित करके, भारत वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएँ बना सकता है। उदाहरण के लिए, भारत कपड़ा विनिर्माण के लिए इथियोपिया के साथ साझेदारी कर सकता है, जिससे निर्भरता में विविधता आएगी और भू-राजनीतिक सद्भावना बनेगी। भारत क्षेत्रीय स्थिरता का प्रबंधन करने के लिए चीन के साथ कूटनीतिक चर्चा करते हुए नागरिक और सैन्य दोनों ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पूर्वोत्तर और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचा विकसित कर सकता है। उदाहरण के लिए, रसद के लिए पोर्ट ब्लेयर की क्षमता का विस्तार संघर्ष को बढ़ाए बिना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को दर्शाता है।

यह चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति का मुकाबला करते हुए इंडो-पैसिफिक में आपूर्ति श्रृंखला कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित करता है। भारत चीन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण होने वाले अल्पकालिक व्यवधानों को कम करने के लिए दुर्लभ पृथ्वी खनिजों, एपीआई और अर्धचालकों जैसे महत्त्वपूर्ण आयातों के रणनीतिक भंडार बना सकता है। उदाहरण के लिए, भारत लिथियम के लिए ऑस्ट्रेलिया और चिली के साथ साझेदारी स्थापित कर सकता है, ईवी विनिर्माण जैसे उद्योगों का समर्थन करने के लिए भंडार बना सकता है। यह भू-राजनीतिक तनावों के दौरान घबराहट से प्रेरित निर्भरता को कम करते हुए आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन सुनिश्चित करता है। कपड़ा और खिलौने जैसे क्षेत्रों में सस्ते चीनी आयात का मुकाबला करने के लिए, भारत ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडिंग के साथ उन्हें एकीकृत करके पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित कर सकता है। उदाहरण के लिए, ₹ एक जिला, एक उत्पाद जैसी योजनाओं के तहत उत्पादों का निर्यात करते हुए अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफ़ॉर्म के साथ साझेदारी करके पोचमपल्ली रेशम, बनारसी साड़ियों और भारतीय लकड़ी के खिलौनों की वैश्विक स्तर पर पहुँच बढ़ाई जा सकती है। यह भारत के एमएसमीई पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देते हुए कम तकनीक वाले क्षेत्रों में चीनी आयात पर निर्भरता को कम करता है।

भारत-चीन सम्बंध अभिसरण और घर्षण दोनों से चिह्नित हैं, जिसके लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जबकि व्यापार, जलवायु कार्यवाही और बहुपक्षीय सहयोग जैसे क्षेत्र अवसर प्रदान करते हैं, सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन और भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता जैसी चुनौतियाँ बनी रहती हैं। भारत को आत्मनिर्भरता और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतिक सावधानी के साथ जुड़ाव को संतुलित करना चाहिए। गठबंधनों को मज़बूत करना, घरेलू नवाचार को बढ़ावा देना और आर्थिक लचीलेपन को बढ़ावा देना महत्त्वपूर्ण है। एक व्यावहारिक और बहुआयामी रणनीति अपनाकर, भारत क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए अपने हितों की रक्षा कर सकता है।

रहस्यों से भरा है उत्तराखंड का ये खूबसूरत हिल स्टेशन, कहा जाता है

परियों का देश

उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है और इस राज्य में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन जगहें हैं। इस राज्य की खूबसूरती को पास से देखने के लिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट्स की अच्छी खासी तादाद आती है। लेकिन कई बार हम सभी इस खूबसूरत जगहों के पीछे छिपे रहस्यों को जानकर हैरान रह जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी शहर के शोर-शराबे से दूर किसी शांत वातावरण में सुकून के दो पल बिताना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बेहद खूबसूरत होने के साथ-साथ रहस्यमयी भी है।

जन्नत से की जाती है तुलना

उत्तराखंड में स्थित इस छोटे से हिल स्टेशन की खूबसूरती की तुलना स्वर्ग से की जाती है। इस हिल स्टेशन का नाम खैट पर्वत है। खैट पर्वत को परियों का देश भी माना जाता है। ऐसे में आप भी बेहद कम बजट में उत्तराखंड के गढ़वाल जिले में स्थित थात गांव के इस हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करने के लिए आ सकते हैं।

रहस्यों के लिए भी फेमस है ये जगह

यहां पर रहने वाले स्थानीय लोगों की मानें, तो इस जगह पर परियां दिखती हैं। बताया जाता है कि इस जगह पर नजर आने वाली परियां थात गांव की रक्षा भी करती हैं। तो वहीं कुछ लोग इन परियों को योगिनियां और वनदेवियां भी कहते हैं। वहीं इस गांव के पास स्थित खैटखाल मंदिर को भी बेहद रहस्यमयी माना जाता है।

यहां जून में लगता है मेला

आपको बता दें कि इस गांव में जून के महीने में मेले का आयोजन किया जाता है। हरियाली से घिरा ये गांव आपका तनाव दूर करने में सहायक हो सकती है। वहीं अगर आप चाहें तो यहां पर कैंपिंग भी कर सकते हैं। हालांकि इस बेहद खूबसूरत गांव में शाम को 7 बजे के बाद कैंप से बाहर निकलने की परमिशन नहीं है। इसके अलावा यहां पर म्यूजिक बजाने पर भी रोक है, माना जाता है कि परियों को शोर-शराबा पसंद नहीं है।

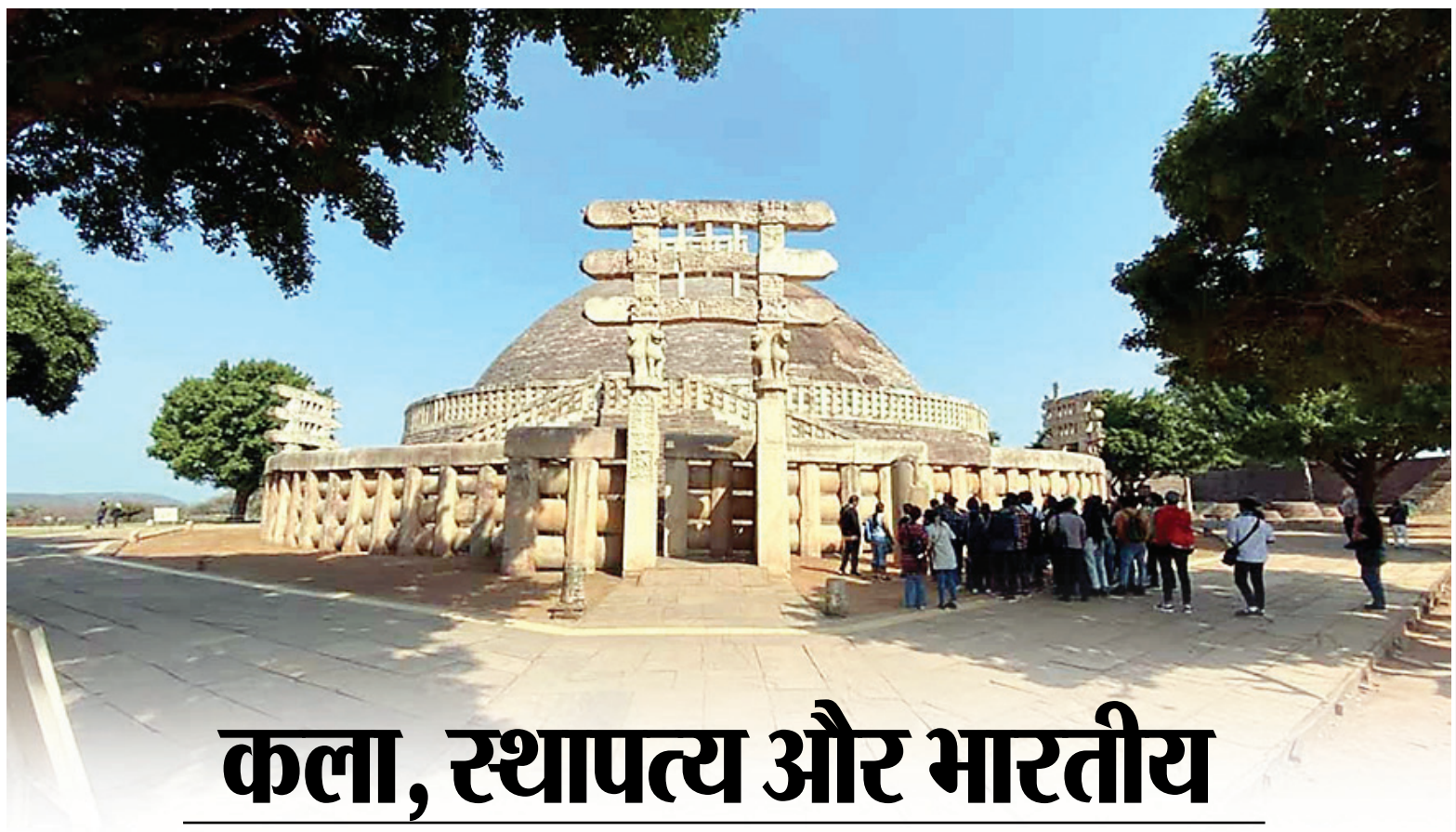

कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है सांची

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था।

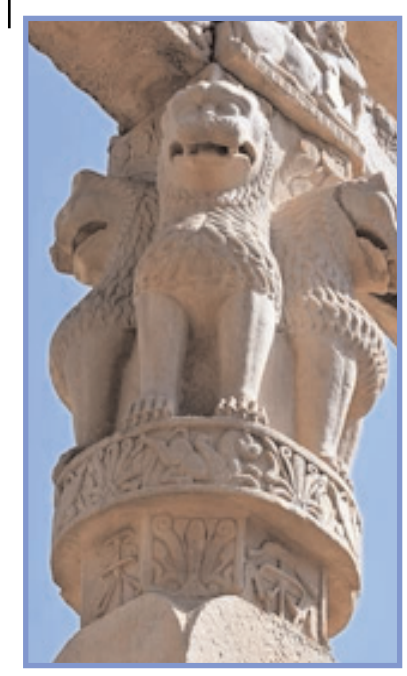

भारत का इतिहास और संस्कृति विश्वभर में प्रसिद्ध है, और इस सांस्कृतिक धरोहर का एक अद्वितीय उदाहरण मध्यप्रदेश के सांची में देखने को मिलता है। सांची एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन स्तूपों, मठों, और बौद्ध अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है और यहाँ के ऐतिहासिक स्मारक भारतीय स्थापत्य कला और संस्कृति के अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। सांची को यूनेस्को द्वारा 1989 में विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई थी, जो इसे और भी खास बनाता है।

सांची का इतिहास

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था। इसके अलावा, यहाँ के अन्य स्तूप, मठ, और विहार भी बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार से जुड़े हुए हैं। सांची का इतिहास भारत के प्राचीन धर्म और संस्कृति को दर्शाता है, और यहाँ के स्मारक बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण केंद्र माने जाते हैं।

सांची के प्रमुख आकर्षण

सांची स्तूप

सांची का प्रमुख आकर्षण सांची स्तूप है, जिसे सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल के दौरान बनवाया था। यह स्तूप बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है और इसे विश्वभर से श्रद्धालु और पर्यटक देखने आते हैं। स्तूप की दीवारों पर बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण और उकेरे गए दृश्य अत्यंत प्रसिद्ध हैं। यह स्तूप बुद्ध की जीवन गाथाओं को चित्रित करता है और इसे भारतीय स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

विक्रमादित्य का स्तूप

यह स्तूप सांची के प्रमुख स्तूपों में से एक है और इसमें बुद्ध के अवशेष रखे गए थे। इसे विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। यह स्तूप संरचनात्मक रूप से बहुत आकर्षक है और यहाँ की दीवारों पर बौद्ध धर्म के प्रतीकों और चित्रों को देखा जा सकता है।

अशोक स्तंभ

सांची में सम्राट अशोक द्वारा स्थापित एक विशाल स्तंभ स्थित है, जो बौद्ध धर्म के प्रचार और सम्राट अशोक के धार्मिक योगदान को दर्शाता है। इस स्तंभ पर अशोक के शिलालेख उकेरे गए हैं, जो उस समय के शासन और बौद्ध धर्म के प्रति उनके समर्पण को व्यक्त करते हैं।

विहार और मठ

सांची में कई मठ और विहार भी हैं, जो प्राचीन बौद्ध साधकों और भिक्षुओं के रहने के स्थल रहे हैं। इन मठों और विहारों का स्थापत्य और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ पर बौद्ध धर्म के अनुयायी ध्यान और साधना करते थे।

सांची संग्रहालय

सांची संग्रहालय बौद्ध कला और संस्कृति का एक प्रमुख स्थल है। इस संग्रहालय में सांची से प्राप्त प्राचीन मूर्तियाँ, स्तूपों के अवशेष, शिलालेख और अन्य धार्मिक वस्तुएं प्रदर्शित की जाती हैं। यहाँ आकर पर्यटक सांची के ऐतिहासिक महत्व को गहरे से समझ सकते हैं।

उदयगिरी गुफाएँ

सांची से कुछ किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरी गुफाएँ प्राचीन हिन्दू और बौद्ध कला के अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ भगवान विष्णु, शिव और बुद्ध के अद्वितीय चित्रण से सुसज्जित हैं।

सांची का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

सांची का धार्मिक महत्व विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यधिक है। सम्राट अशोक द्वारा स्थापित स्तूप और अन्य स्मारक बौद्ध धर्म के आस्था और अनुशासन के प्रतीक माने जाते हैं। सांची न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह भारतीय कला, स्थापत्य, और संस्कृति का भी प्रमुख केंद्र है। यहाँ की वास्तुकला और मूर्तियों में उस समय की सामाजिक और धार्मिक जीवनशैली का चित्रण किया गया है, जो भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सांची कैसे पहुंचें?

वायु मार्ग- सांची का नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में स्थित है, जो लगभग 46 किलोमीटर दूर है। भोपाल से सांची तक टैक्सी या बस द्वारा आसानी से पहुँच सकते हैं।

रेल मार्ग- सांची का नजदीकी रेलवे स्टेशन सांची रेलवे स्टेशन है, जो यहाँ से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भोपाल, दिल्ली, मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों से सांची के लिए ट्रेन सेवाएँ उपलब्ध हैं।

सड़क मार्ग- सांची प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। भोपाल, गुना, और उज्जैन जैसे शहरों से सांची के लिए नियमित बस सेवाएँ और टैक्सी उपलब्ध हैं।

सांची का मौसम

सांची का मौसम पूरे साल अच्छा रहता है, लेकिन सबसे आदर्श समय यहाँ यात्रा करने के लिए सर्दियों (नवंबर से फरवरी) का होता है। इस समय का मौसम ठंडा और सुखद होता है, जो यात्रा के लिए उपयुक्त है। गर्मियों में तापमान थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन नर्म मौसम और वायु की ठंडक यहां की यात्रा को सुखद बना देती है।

सांची भारतीय इतिहास, संस्कृति और बौद्ध धर्म का अद्भुत संगम है। यहाँ के स्तूप, मठ, और संग्रहालय न केवल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए एक तीर्थ स्थल हैं, बल्कि कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थल हैं। सांची की यात्रा से आपको न केवल धार्मिक शांति और मानसिक संतुलन मिलेगा, बल्कि भारतीय प्राचीन कला और संस्कृति का भी अनमोल अनुभव होगा। अगर आप ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों में रुचि रखते हैं, तो सांची एक आदर्श गंतव्य है।

शिमला और कश्मीर से कम खूबसूरत नहीं ये ऑफबीट हिल स्टेशन, पर्यटकों की नहीं मिलेगी भीड़

घूमने के शौकीन लोग अक्सर छुट्टियां मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। अक्सर घूमने का प्लान आते ही लोगों के मन में सबसे पहले हिल स्टेशनों के ऑप्शन पर ध्यान जाता है। हिल स्टेशन पर जाना अधिकतर लोगों को इसलिए भी पसंद होता है कि वह शहर की भीड़भाड़ से दूर सुकून के कुछ पल बिता सकें। लेकिन कई फेमस हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ पहुंचती है। अगर आप भी शिमला-मनाली, मसूरी और धर्मशाला आदि हिल स्टेशनों पर जाना चाहते हैं, तो यहां बहुत ज्यादा ट्रैफिक और भीड़ होती है। हालांकि कुछ हिल स्टेशन ऐसे भी हैं, जो कश्मीर, शिमला या मनाली से कम नहीं और लोग इनके बारे में अधिक जानते भी नहीं। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, जहां पर पर्यटकों की भीड़ कम होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन ऑफबीट हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पर्यटकों की ज्यादा भीड़ नहीं पहुंचती है। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले की सैंज घाटी में एक बेहद खूबसूरत गांव है। इस गांव का नाम शांघड़ है। बता दें कि इस गांव के नजारे स्विट्जरलैंड की तरह हैं। इसी वजह से इस गांव को कुल्लू का खज्जियार या भारत का दूसरा मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है।

शांघड़

यहां के मैदान में हरे-भरे पेड़ और अद्भुत चीड़ के पेड़ों और रंग-बिरंगे छोटे घरों का नजारा बिलकुल विदेशी पर्यटन जैसे लगता है। शांघड़ में आप शंगचुल महादेव मंदिर, शांघड़ मीडोज, बरशानगढ़ झरना और रैला गांव में लकड़ी से बना टावर मंदिर है। इस जगह पर आप मन की शांति और सुंदर दृश्यों का नजारा देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

शांघड़ जाने के लिए आप अपने शहर से अंबाला, चंडीगढ़ या जोगिंदर नगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर सड़क मार्ग से मनाली जाएं। इसके बाद शांघड़ पहुंचने के लिए मनाली से सैंज का सफर स्थानीय बस से कर सकते हैं। इसके अलावा आप कुल्लू हवाई अड्डा पहुंचकर भंतर से सैंज के लिए टैक्सी या बस पकड़ सकते हैं।

कनातल

यदि आप छिपे हुए खूबसूरत हिल स्टेशनों की तलाश में हैं, तो उत्तराखंड के कनातल हिल स्टेशन पर जा सकते हैं। कनातल में सीमित सैलानी आते हैं और प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के लिए और भीड़-भाड़ से दूर सुकून के दो पल बिताने के लिए यहां पहुंच सकते हैं। यहां पर आप कैंपिंग और ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह हिल स्टेशन देहरादून से 78किमी की दूरी पर है। मसूरी से कनातल 38 किमी और चंबा से 12 किमी दूर यहां पर पहुंचना बहुत आसान है।

ऐसे पहुंचें

कनातल हिल स्टेशन की सैर के लिए देहरादून रेलवे स्टेशन से आगे बस का सफर कर सकते हैं। अगर आप मसूरी या चंबा में हैं, तो आप भी टैक्सी या स्थानीय बस से कनातल की सैर कर सकती हैं।

कलगा गांव

ट्रैकिंग के शौकीन लोगों को कलगा गांव जाना चाहिए। यहां पर कलगा-बुनबुनी-खीरगंगा ट्रैक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। बता दें कि इस 28 किमी लंबे ट्रैक को पूरा करने में 3 दिन का समय लग सकता है। यह गांव और ट्रैक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पार्वती घाटी में पुलगा डैम के पास स्थित है। ट्रैकिंग के अलावा आप यहां पर पहाड़ी की चोटी से मणिकर्ण घाटी का अद्भुत नजारा दिखता है। तो वहीं सूर्यास्त के बाद यहां का नजारा काफी मनमोहक होता है।

ऐसे पहुंचे कलगा

कुल्लू जिले के भुंतर तक सड़ और हवाई मार्ग से जा सकते हैं। यहां से हवाई अड्डे से 25 किमी की दूरी पर मणिकर्ण है। जहां के लिए बहुत आसानी बस या टैक्सी मिल जाती है। मणिकर्ण से महज 10 किमी की दूर कलगा गांव है। जहां से ट्रैक शुरू होता है।

लगातार ताकतवर हो रही भारतीय सेना, अब खरीदे जाएंगे 47 टी-72 ब्रिज लेइंग टैंक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय सेना के लिए 47 ब्रिज लेइंग टैंकों (बीएलटी) की खरीद के लिए हैवी व्हीकल फैक्ट्री के साथ 1 हजार 560.52 करोड़ रुपए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सिस्टम एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका प्रयोग यांत्रिक बल द्वारा आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह के अभियानों के दौरान पुलों का निर्माण करने के लिए किया जाता है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते पर मंत्रालय और हैवी व्हीकल फैक्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। उस दौरान रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। हैवी व्हीकल फैक्ट्री दरअसल आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की ही एक इकाई है। मंत्रालय ने कहा कि बीएलटी टैंक और बख्तरबंद वाहनों के बेड़े को पुल बनाने की क्षमता प्रदान करता है। इससे युद्ध के मैदान में सेना की गतिशीलता और आक्रामक क्षमता बढ़ती है। समझौते के तहत टैंकों की खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) होने से रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा यह परियोजना समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राहुल गांधी के मानहानि के केस में फिर टली सुनवाई

सुलतानपुर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी काग्रेसी नेता राहुल गांधी के केस में बुधवार को वकीलों के प्रस्ताव के कारण सुनवाई टल गई। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रस्ताव के कारण सुनवाई 30 जनवरी तक के लिए टल गई। मामले में बचाव पक्ष द्वारा परिवादी से शेष जिरह में विचाराधीन है। गौरतलब है कि बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर कथित रुप से आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। परिवादी से शेष जिरह की कार्रवाई में मामले की सुनवाई नियत की गई है।

विपक्ष पर नाराज होकर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, ये दुख की बात है, लोग संसद की मर्यादा भूल गए

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप (आईआईडीएल) के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। इस दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ ने संसद की कार्यवाही को बाधित करने वाले विपक्ष को भी खरी-खोटी सुनाई।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ये दुख की बात है, लोग संसद की मर्यादा भूल गए हैं। उन्होंने कहा, लोकतंत्र का मंदिर अब अखाड़ा बन गया है। इन दिनों क्या कुछ देखने को नहीं मिल रहा है, क्या कुछ सुनने को नहीं मिल रहा है। जिस तरह के दृश्य हम अपनी संसद में देखते हैं, वह निश्चित रूप से देश में किसी के लिए भी प्रेरणादायक नहीं है। धनखड़ ने कहा, हमें लोकतंत्र की जननी होने पर गर्व है, लेकिन जो देखने को मिल रहा है, उसे कही से भी जायज नहीं ठहराया जा सकता। देश में राजनीतिक माहौल बेहद चिंताजनक है। राजनीतिक दल राष्ट्रवाद, सुरक्षा या विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श नहीं करते हैं। टकराव का रुख मजबूत हो रहा है, अशांति को राजनीतिक रणनीति के तौर पर हथियार बनाया गया है। हर तरफ से जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जाता है, वह न केवल भारतीय मानस को कमजोर करती है, बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता को भी धूमिल करती है।

अंग्रेजों का पुल चला 108 साल, भारतीयों का 58 वर्ष तक ही चलेगा

नई दिल्ली। भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज, पंबन ब्रिज का जल्?द ही उद्घाटन होने वाला है। 2.07 किलोमीटर लंबा यह ब्रिज रामेश्वरम द्वीप को मुख्य भूमि से जोड़ता है। यह पुल आधुनिक इंजीनियरिंग और तकनीक का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। रेलवे के अनुसार, इसे भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। नव-निर्मित पंबन ब्रिज 108 साल पुराने पुल का स्थान लेगा। खास बात यह है कि नए पुल की आयु पुराने पुल से कम होगी, जबकि इसे आधुनिक तकनीक से बनाने का दावा किया गया है। गौरतलब है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने भी इस पुल के निरीक्षण के दौरान पुल के संक्षारण-रोधी उपायों पर सवाल उठाए थे।

पटना में पकड़ा गया दिव्यांग चोर निकला करोड़पति, 13 साल से कर रहा चोरी

पटना। बिहार पुलिस ने एक करोड़पति चोर को पकड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी दिव्यांग है, उसने पटना के हर इलाके में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। अब तक वह अकेले करोड़ों के जेवरात और कैश चुरा चुका है। रविवार शाम उसे पटना के नेहरू नगर इलाके में चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा था। पुलिस ने केस दर्ज कर उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक रविवार की शाम पाटलीपुत्र इलाके थाना क्षेत्र के नेहरू नगर में लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। लोगों ने पुलिस को बताया कि एक चोर चोरी के इरादे से एक व्यक्ति के घर में घुसा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी दिव्यांग था। उसका नाम पूछा तो उसने दिनेश उर्फ लंगड़ा बताया। पुलिस ने जब आरोपी के बारे में पता किया तो सामने आया कि उसने पटना के सभी थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

सीएम बनाने की मांग पर बोले शिवकुमार- मैं अपना कर्तव्य निभाऊंगा, पार्टी तय करेगी

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर डी शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठी है। इस बार जैन संत गुणाधर नंदी महाराज ने इस आशय की मांग की है। इस पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाएंगे और बाकी का फैसला पार्टी करेगी।

नवग्रह तीर्थ महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में पूज्य संत गुणधर नंदी महाराज ने शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त करते हुए आशीर्वाद दिया।कार्यक्रम में भक्तों को संबोधित करते हुए महाराज ने कहा कि उनके दो सपने हैं- जैनियों के लिए एक निगम बोर्ड का गठन और शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना। उन्होंने मंच पर मौजूद सभी आचार्यों और जैन मुनियों को हाथ उठाकर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित किया।

महाराज ने कहा, मैं शिवकुमार को आशीर्वाद दे रहा हूं। चाहे कुछ भी हो, वह जल्द ही मुख्यमंत्री बनेंगे। मैं यह आशीर्वाद इसलिए दे रहा हूं क्योंकि कांग्रेस पार्टी के लिए इतनी मेहनत और योगदान देने वाला कोई और नहीं है। कोई भी उनके प्रयासों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी इच्छा है कि शिवकुमार एक बार मुख्यमंत्री बनें। वह धर्मनिष्ठ और त्यागी हैं।इस घटनाक्रम ने एक बार फिर कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे को सामने ला दिया है। इससे पहले, शिवकुमार ने स्पष्ट रूप से कहा था कि राज्य में सत्ता-साझेदारी पर कोई समझौता नहीं है और वह मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अधीन काम करेंगे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने के लिए संत के आशीर्वाद के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आध्यात्मिक नेता हमें आशीर्वाद देते हैं तो हम क्या कह सकते हैं? यह उनकी इच्छा है। हालांकि, हमारी पार्टी सर्वोच्च है। पार्टी जो भी फैसला करेगी, हम उसका पालन करेंगे। मुझे कोई पद पाने की जरूरत महसूस नहीं होती। मेरी जिम्मेदारी पार्टी और सरकार के लिए जो भी काम करना है, उसे करना है। मैं जल्दबाजी में नहीं हूं।

कौन कहां पर गंगा में डुबकी लगाएगा ये बीजेपी वाले तय नहीं कर सकते : डिंपल यादव

मैनपुरी। यूपी के मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने मिल्कीरपुर उपचुनाव में जीत का बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव की घोषणा होते ही बीजेपी सरकार के इशारे पर मिल्कीयपुर में संघ और विहिप जैसे संगठन सक्रिय हो चुके हैं। बीजेपी की सभी साजिशों को नाकाम कर जनता सपा प्रत्याशी को ही वोट देगी। इस दौरान डिंपल ने सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव के हरिद्वार में डुबकी लगाने के सवाल का जवाब भी दिया। डिंपल ने कहा कि बीजेपी के नेता ये नहीं तय कर सकते कि कौन कहां डुबकी लगाएगा।

ये हमारा अधिकार है कि हम कब और कहां जाकर गंगा में डुबकी लगाएंगे। बीजेपी के लोग देश का भविष्य खराब करना चाहते हैं। बता दें कि पांच फरवरी को अयोध्या के मिल्कीपुर में उपचुनाव होना है। आठ फरवरी को नतीजे आएंगे। सपा ने सीट से अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं बीजेपी ने चंद्रभान पासवान को उतारा है। बसपा ने कोई उम्मीदवार नहीं घोषित किया है। सपा और बीजेपी दोनों पार्टियों के नेता अपने प्रत्याशी की जीत के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी से एक और सदस्य बीमार, चंडीगढ़ किया रेफर

* प्रशासन द्वारा उपलब्ध खाद्य पदार्थों का ही सेवन करने के आदेश जारी

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी के बदहाल गांव में 17 मौतों के बाद मंगलवार को पीड़ित परिवार का एक और सदस्य बीमार पड़ गया। उसे गंभीर हालम में चंडीगढ़ रेफर किया गया है। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट राजौरी ने बदहाल गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है। आदेश के तहत पूरे बदहाल क्षेत्र को तीन जोनों में बांटा गया है। यह कदम प्रभावित परिवारों और उनके करीबी संपर्कों की निगरानी और नियंत्रण रणनीति पर केंद्रित है।

पहले जोन में उन परिवारों के घरों को सील कर दिया जाएगा, जहां मौतें हुई हैं। इन घरों में किसी को भी जाने की इजाजत नहीं होगी, जब तक कि संबंधित अधिकारी इजाजत न दें। दूसरे जोन में उन परिवारों को शामिल किया है जो प्रभावित व्यक्तियों के करीबी संपर्क में आए हैं। इन परिवारों के सदस्यों को जीएमसी राजौरी में शिफ्ट किया जाएगा, ताकि उनकी स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी की जा सके। तीसरा जोन बदहाल गांव के सभी घरों को कवर करता है। इसमें प्रशासन यह तय करेगा कि लोग केवल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए खाद्य पदार्थों का सेवन करें। पुलिस यह भी तय करेगी कि लोग बदले हुए खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें। प्रत्येक खाद्य वितरण और खपत को लॉगबुक में दर्ज किया जाएगा। यह लॉगबुक रोज तीन बार अपडेट की जाएगी और संबंधित अधिकारी के इस पर हस्ताक्षर होंगे। वहीं तीनों कंटेनमेंट जोनों के तहत किसी भी प्रकार के सार्वजनिक या निजी कार्यक्रमों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। प्रभावित परिवारों और उनके करीबी संपर्कों को केवल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन और पानी का ही सेवन करना होगा। संक्रमित घरों में रखे सभी खाद्य पदार्थों को प्रशासन द्वारा जब्त किया जाएगा और उन्हें नए खाद्य पदार्थों से बदल दिया जाएगा। जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस, स्वास्थ्य और खाद्य वितरण विभागों को आदेश दिया है कि इस आदेश को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए।

दूसरे देशों की तरह प्रवासी भारतीयों को संसद में प्रतिनिधित्व देने की उठी मांग, जल्द आएगा बिल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के अन्य देशों की तर्ज पर अब भारत में भी प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) को संसद में प्रतिनिधित्व देने की मांग उठी है। जिसके जवाब में विदेश मंत्रालय का कहना है कि अप्रवासन के मामले पर मंत्रालय में एक बिल की तैयारी में चर्चा जारी है। दरअसल मंगलवार को शशि थरूर की अध्यक्षता में मंत्रालय की विदेश मामलों की संसदीय समिति की एक बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रवासियों की बढ़ती संख्या और डायसपोरा से जुड़े हुए मामलों को देखते हुए एनआरआई को संसद में प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दिया।

सूत्रों ने बताया कि हुड्डा ने अपने सुझाव के पीछे यह तर्क दिया कि एनआरआई को संसद में प्रतिनिधित्व देने से उनसे जुड़े मामलों पर बेहतर ढंग से विचार किया जा सकेगा। उन्होंने इटली का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों को विधानमंडल में आरक्षण दिया है। बैठक में मामले पर राज्य सरकारों से विमर्श करने का सुझाव भी दिया गया। इसके अलावा प्रवासियों से संबंधित कई अन्य मामले समिति की चर्चा में शामिल हुए।

बैठक के बाद शशि थरूर ने कहा कि प्रवासियों को लेकर व्यापक रूप से काम कर रहे चार संगठनों के साथ समिति ने विचार-विमर्श किया, समिति के सदस्य सांसदों ने बातचीत में पूर्ण सहभागिता की। कई प्रश्न-उत्तर के साथ जीवंत संवाद हुआ। संगठनों ने बैठक के दौरान कई अच्छे सुझाव दिए। जिसमें केरल के एक संगठन ने कहा कि भारतीय संगठन लोगों को विदेशी जरूरतों को लेकर कौशल प्रदान कर सकता है। यह कुशल कर्मियों के अप्रवासन को सुचारू करेगा और अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगेगी। इसमें लोगों के अवैध रूप से विदेशों में बसने पर भी रोक लगेगी। नोरका रूट्स (केरल), पंजाब सरकार का एनआरआई मामलों का विभाग, पीपल ऑफ इंडियन ओरिजिन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीआईओसीसीआई), दिल्ली एंड द सेंटर फॉर डायस्पोरा स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात जैसे संगठनों की बैठक में भागीदारी रही।

एक लाख से अधिक हैं पंजीकृत प्रवासी मतदाता

चुनाव आयोग के वर्ष 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल पंजीकृत विदेशी मतदाताओं की संख्या 1 लाख 19 हजार 374 थी। इनमें केरल में सबसे ज्यादा 89 हजार 839 विदेशी मतदाता पंजीकृत हुए थे। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 99 हजार 844 थी। इसके अलावा मतदान के दौरान प्रवासी भारतीय मतदाताओं की रुचि वोट डालने में बेहद कम नजर आती है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में 1 लाख 19 हजार 374 में से केवल 2 हजार 958 मतदाता ही मतदान करने के लिए भारत आए थे। इनमें से 2 हजार 670 अकेले केरल से थे। जबकि कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे कई राज्यों में विदेश मतदाताओं का मतदान में कोई योगदान नहीं देखा गया। महाराष्ट्र में 5 हजार 97 प्रवासी मतदाताओं में से 97 ही चुनाव में अपना वोट डालने के लिए स्वदेश पहुंचे।

ममता सरकार की याचिका पर हाईकोर्ट... आरोपी संजय, पीड़ित परिवार और सीबीआई को सुनेंगे

-सीबीआई ने कहा: बंगाल सरकार के पास याचिका दाखिल करने का कोई अधिकार नहीं

कोलकाता । आरजी कर रेप-मर्डर केस में दोषी संजय रॉय की सजा के खिलाफ बंगाल सरकार की अपील पर फैसला करने से पहले कलकत्ता हाईकोर्ट दोषी संजय, पीड़ित परिवार और सीबीआई को सुनेगा। बुधवार को हाईकोर्ट ने कहा कि बंगाल सरकार की याचिका मंजूर करने से पहले कहा कि हम इन पक्षों की बात सुनने के बाद भी इस पर फैसला होगा। सुनवाई 27 जनवरी को होगी। ममता सरकार ने अपील में कहा था कि संजय रॉय ने जो अपराध किया है, उसके लिए उम्रकैद की सजा पर्याप्त नहीं है। संजय को फांसी दी जानी चाहिए। सियालदह कोर्ट ने 20 जनवरी को संजय को मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जस्टिस अनिर्बान दास ने कहा था कि यह मामला रेयरस्ट ऑफ रेयर कैटेगरी में नहीं आता, इसकारण फांसी की सजा नहीं दी गई है। वहीं हाईकोर्ट में जस्टिस देबांगशु बसक और जस्टिस मो. शब्बार राशिदी की बेंच के सामने सीबीआई के वकील ने बंगाल सरकार के याचिका दाखिल करने के अधिकार का विरोध किया। सीबीआई के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल राजदीप मजूमदार ने कहा कि बंगाल सरकार के पास याचिका दाखिल करने का कोई अधिकार ही नहीं है।

हिमाचल में बर्फबारी: आधा दर्जन राज्यों में होगी बारिश, दस्तक देगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल में हुई बर्फबारी के बाद आधा दर्जन राज्यों में बारिश और हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड फिर दस्तक देने वाली है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक, 23 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर बारिश और बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि 22 जनवरी को राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, 22 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ बारिश की संभावना है।

जहां तक दिल्ली-एनसीआर की बात है तो यहां 23 जनवरी के बाद ठंड बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि 24 जनवरी को सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर कोहरा छाने की संभावना है। इसे देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, कुछ स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा भी छाने की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान 18 जबकि न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश में बुधवार-गुरुवार को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि उसके बाद 27 जनवरी तक मौसम शुष्क रहेगा। स्थानीय मौसम कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि हंसा और काजा में क्रमशः 2.5 सेमी और 0.8 सेमी बर्फबारी हुई। राज्य के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहा।

पंजाब के अमृतसर में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। लुधियाना में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था, जबकि पटियाला में न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री दर्ज किया गया। पठानकोट, गुरदासपुर, फिरोजपुर और मोहाली में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक क्रमशः 8.6 डिग्री, 8 डिग्री, 8.1 डिग्री और 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, बठिंडा और फरीदकोट में रात काफी ठंडी रही और न्यूनतम तापमान क्रमशः 6.4 डिग्री तथा 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा और पंजाब के अधिकतर स्थानों पर मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था। हरियाणा के अंबाला में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था। हिसार, कर्नाल, रोहतक, नारनौल, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक क्रमशः 8.3 डिग्री, 8 डिग्री, 9.3 डिग्री, 7.8 डिग्री, 9.5 डिग्री और 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्रीलंका ने भारतीय मछुआरों को छोड़ा, अधिकारियों ने की गृहनगर पहुंचाने की व्यवस्था

चेन्नई (एजेंसी)। श्रीलंका ने 41 भारतीय मछुआरे को रिहा कर दिया है। श्रीलंका की नौसेना ने इन मछुआरों को 8 सितंबर, 2024 को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा रिहा किए जाने के बाद मछुआरे मंगलवार देर रात चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचे। तमिलनाडु तटीय पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 41 मछुआरों में से 35 रामनाथपुरम के रहने वाले हैं, जबकि अन्य नागपट्टिनम और पुदुकोट्टई जिलों के हैं। स्वदेश लौटने पर मछुआरों को नागरिकता सत्यापन, सीमा शुल्क जांच और अन्य औपचारिकताओं से गुजरना होगा।

तमिलनाडु मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने मछुआरों का स्वागत किया और उनके गृहनगरों तक पहुंचाने के लिए परिवहन की व्यवस्था की। इससे पहले श्रीलंका ने तमिलनाडु के 15 मछुआरों के एक समूह को रिहा किया था, जो 16 जनवरी को चेन्नई पहुंचा था। भारतीय मछुआरों की बार-बार गिरफ्तारी एक बड़ा मुद्दा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में भारत यात्रा पर आए श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके के साथ चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठाया था। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भी केंद्र सरकार से लगातार गिरफ्तारियों पर रोक लगाने और राज्य के मछुआरों की सुरक्षा तय करने का आग्रह किया। तमिलनाडु के मछुआरा संघों ने तटीय जिलों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए और निर्णायक कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र लिखकर उनसे बीच समुद्र में होने वाली गिरफ्तारियों और नावों की जब्ती पर रोक लगाने का आग्रह किया था। पट्टाली मक्कल कच्ची के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास ने भी आगे की हिरासतों को रोकने के लिए भारत सरकार से कड़े हस्तक्षेप की मांग की थी। वर्तमान में तमिलनाडु के 504 भारतीय मछुआरे और 48 मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं के साथ श्रीलंका की हिरासत में हैं।

इसरो ने जारी की महाकुंभ मेले की तस्वीरें, अंतरिक्ष से रडारसैट से ली गई सभी तस्वीरें

प्रयागराज । महाकुंभ मेला प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित हो रहा है। मेले की इसरो ने उन्नत तकनीकों का उपयोग कर, उपग्रह के माध्यम से तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में टेंट सिटी, पांटून पुल और संगम आदि को दिखाया गया है। इसरो ने महाकुंभ मेले की तस्वीरें अंतरिक्ष से भेजी हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने महाकुंभ मेले की तस्वीरें ली हैं। यह मेला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। हैदराबाद के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) ने ये तस्वीरें ली हैं। उन्होंने भारत के आधुनिक ऑप्टिकल उपग्रहों और दिन-रात देखने वाले रडारसैट का उपयोग किया है। इन तस्वीरों से अस्थायी टेंट सिटी और नदी पर बने पांटून पुलों को देखा जा सकता है। एनआरएससी के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान ने बताया कि उन्होंने रडारसैट का इस्तेमाल किया, क्योंकि यह बादलों के बीच से भी तस्वीरें ले सकता है। प्रयागराज बादलों से घिरा हुआ था। बैंड माइक्रोवेव उपग्रह ने 15 सितंबर, 2023 और 29 दिसंबर, 2024 को तस्वीरें लीं। इस उपग्रह में हर मौसम में तस्वीरें लेने की क्षमता है। इसकी तस्वीरें बहुत साफ होती हैं। इन तस्वीरों से टेंट सिटी, पांटून पुलों और अन्य ढांचे के बारे में जानकारी दी गई है। नए शिवालय पार्क का निर्माण भी अंतरिक्ष से दिख सकता है।

केंद्र में जल्द मोदी के साथ नजर आएंगे उद्धव ठाकरे-शरद पवार, पूर्व मंत्री के दावे से मची सियासी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। बीते कुछ वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में कई राजनीतिक समीकरण बदले हैं। आगे महाराष्ट्र की राजनीति में क्या होगा? यह कहा नहीं जा सकता। आलम यह है कि राज्य की राजनीति में हमेशा अनिश्चितता बनी रहती है और कब कौन पाला बदल लेगा यह अनुमान कर पाना भी मुश्किल रहता है। अब राज्य के पूर्व राज्यमंत्री बच्चू कडू ने एक बड़ा दावा किया है। उनके इस दावे से राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ गई है। दरअसल बच्चू कडू ने दावा किया है कि देश में सबसे बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल शरद पवार और उद्धव ठाकरे को लेकर होगी और शरद पवार और उद्धव ठाकरे जल्द ही केंद्र में भाजपा सरकार में शामिल होते नजर आएंगे। बच्चू कडू के इस दावे से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। क्या राज्य की राजनीति और खासकर महाविकास अघाड़ी में कोई भूचाल आएगा? राजनीतिक हलकों में ऐसी चर्चाएं होने लगी है। बच्चू कडू ने आगे कहा कि जिस तरह से नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू ने एक-दो बिल पास कराने के लिए भाजपा के साथ बने रहे, भाजपा फिलहाल उनके जाने के बाद अपनी सुविधा देख रही है और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और उद्धव ठाकरे की उभरती शिवसेना ही मुख्य भूमिका में हैं। क्योंकि, इन दोनों पार्टियों के सांसदों की संख्या को देखते हुए शिवसेना (ठाकरे) के सांसद संजय राउत का बयान यही दर्शाता है। बच्चू कडू ने यह भी कहा कि संजय राउत का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि अब जब हम फिर से सत्ता में आ रहे हैं तो कोई भी पार्टी छोड़कर न जाए। बच्चू कडू ने भाजपा की भी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा, फिलहाल भाजपा के लिए एकनाथ शिंदे और अजित पवार की जरूरत खत्म हो चुकी है और भाजपा की नीति मुगलिया है। बच्चू कडू ने भाजपा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि भाजपा की नीति है कि जो भी उनसे दूर जाता है, उसे काट दिया जाता है।

बच्चू कडू ने कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे की भी आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में जो सरकार आई है, वह भ्रष्ट रास्ते से आई है और अगर यहां के मंत्री खुलेआम भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं, तो उन्हें बधाई दी जानी चाहिए। एकनाथ शिंदे की नाराजगी के बारे में बात करते हुए बच्चू कडू ने यह भी दावा किया है कि जब बड़े नेता नाराज होते हैं, तो इसका मतलब है कि वे बहुत खुश हैं और जब वे बहुत खुश होते हैं, तो वे बहुत नाराज होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीने के लिए वित्तीय परिणाम

मुंबई, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक ने क्यू3 एफवाय25 के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। क्यू3 एफवाय25 के लिए शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत की मजबूत वायओवाय वृद्धि के साथ 1,908 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,802 करोड़ रहा। एनआईएम 5.17 प्रतिशत और शुद्ध ब्याज आय 23 प्रतिशत की वायओवाय वृद्धि करते हुए 4,228 करोड़ दर्ज हुई। क्यू3-2025 में जमा की लागत 4.63 प्रतिशत रही, जो क्यू3-2024 में 4.34 प्रतिशत थी। सीआरएआर 166 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि के साथ 21.98 प्रतिशत रहा। क्यू3-2025 के लिए संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) 29 बीपीएस वृद्धि के साथ 1.99 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो क्यू3-2024 में 1.70 प्रतिशत था। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 20.13 प्रतिशत रहा (56 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि)। शुद्ध एनपीए 0.18 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 0.34 प्रतिशत था। सकल एनपीए 3.57 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 4.69 प्रतिशत था। पीसीआर 99.47 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 99.17 प्रतिशत था।

सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन: सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की प्रेरक कहानी ने शार्क्स को किया प्रभावित!

मुंबई, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया में शांतिलाल जे. सावनी अपने परिवार के सदस्यों, राम और जगरूत के साथ अपनी पारिवारिक विरासत सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन को पेश करने के लिए तैयार हैं। इस पिच में परंपरा और दृढ़ता की झलक मिलेगी। मुंबई में स्थित यह व्यवसाय तीन पीढ़ियों से भारत के सांस्कृतिक धरोहर स्मारकों के संरक्षण में जुटा है। इस ऐतिहासिक सफर की शुरुआत शांतिलाल ने एक साधारण राजमिस्त्री के रूप में की थी। उनके विज़न और कारीगरी को परिवार ने आगे बढ़ाया और आज सावनी परिवार हेरिटेज रेस्टोरेशन समुदाय में सबसे सम्मानित नामों में से एक बन चुका है। सावनी परिवार की महत्वाकांक्षा उनकी विरासत जितनी भव्य है–वर्ष 2030 तक 1,000 स्मारकों को संरक्षित करने का लक्ष्य। पारंपरिक तकनीकों और टिकाऊ सामग्रियों में अपनी महारत के बल पर, उन्होंने अब तक 300 स्थलों का सफलतापूर्वक पुनर्निर्माण किया है, जिनमें मुंबई का प्रतिष्ठित ओपेरा हाउस भी शामिल है। अपनी प्रोजेक्ट्स की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए वे खुद टाइल्स, ईंटें और अन्य सामग्री तैयार करते हैं। शार्क टैंक इंडिया पर उनका पिच देना वाकई प्रेरणादायक रहा।

इंडिया असिस्ट ने महाकुम्भ 2025 तथा राज्य में टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटरों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ की साझेदारी

लखनऊ, एजेंसी। यात्रा में सहायता प्रदान करने वाले टेक-इनेबल्ड लीडर इंडिया असिस्ट ने महाकुम्भ 2025 के दौरान और इसके बाद भी लाखों यात्रियों को यात्रा का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत इंडिया असिस्ट प्रयागराज में महाकुम्भ क्षेत्र में टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटर (पर्यटन जानकारी केन्द्र) संचालित कर रहा है, साथ ही इस तरह के टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटर रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे पर भी स्थापित किए गए हैं। श्री हरीश खत्री, संस्थापक, इंडिया असिस्ट ने इस साझेदारी पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''भारत विभिन्न अनुभवों और संस्कृति के खजाने का देश है और महाकुम्भ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का अविश्वसनीय संगम है। इस साझेदारी के माध्यम से हम चाहते हैं कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालु आत्मविश्वास के साथ मेले का सहज अनुभव पा सकें। आधुनिक टेक्नोलॉजी और मानवीय सहयोग के साथ हम सुनिश्चित करते हैं कि हर आगंतुक को यात्रा के दौरान हर ज़रूरी मार्गदर्शन और सहयोग मिले।

पीएलआई : एसी-एलईडी लाइट्स बनाने वाली 24 कंपनियों का चयन, 3,516 करोड़ का करेंगी निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। व्हाइट गुड्स के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट्स बनाने वाली 24 कंपनियों का चयन किया गया है। इन कंपनियों ने 3,516 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

तीसरे दौर में मिले 38 आवेदन- वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, पीएलआई योजना के ऑनलाइन आवेदन के तीसरे दौर में 38 आवेदन मिले। आवेदनों पर विचार के बाद 18 नई कंपनियां चुनी गईं। इनमें एसी कंपोनेंट बनाने वाली 10 और आठ एलईडी लाइट्स निर्माता कंपनियां शामिल हैं। इन्होंने 2,299 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, छह मौजूदा लाभार्थी कंपनियों को उच्च निवेश श्रेणियों में अपग्रेड करने के लिए अस्थायी रूप से चुना गया है।

इसके लिए 1,217 करोड़ का अतिरिक्त निवेश होगा। कुल मिलाकर, इन वस्तुओं के लिए योजना के तहत 84 कंपनियां 10,478 करोड़ का निवेश लाने वाली हैं। इससे 1,72,663 करोड़ मूल्य का उत्पादन होगा। अक्तूबर, 2024 में तीसरे दौर में 38 कंपनियों ने 4,121 करोड़ के निवेश प्रस्ताव के साथ आवेदन किया था।

देश में ही बनेंगे कलपुर्जे- एसी के लिए कम्प्रेसर, कॉपर ट्यूब व हीट एक्सचेंजर जैसे कंपोनेंट अब देश में ही बनेंगे।?एलईडी लाइट्स के लिए एलईडी चिप पैकेजिंग, लाइट मैनेजमेंट सिस्टम व कैपेसिटर के लिए मेटलाइज्ड फिल्म का विनिर्माण भी होगा।

अब गो फर्स्ट नहीं भरेगी उड़ान, संपत्तियां बेचकर चुकाएगी कर्ज; 54 विमानों का पंजीकरण रद्द

नईदिल्ली, एजेंसी। जेट एयरवेज के बाद वित्तीय संकट में फंसी विमानन कंपनी गो फर्स्ट भी अब उड़ान नहीं भर सकेगी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को 17 साल तक करोड़ों लोगों को हवाई सफर कराने वाली गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया है। इसका मतलब है कि कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर कर्ज चुकानी होगी। वित्तीय समस्याओं के कारण विमानन कंपनी ने मई, 2023 में स्वैच्छिक रूप से दिवालिया समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था। गो फर्स्ट का परिचालन तीन मई, 2023 यानी करीब दो साल से बंद है।

एनसीएलटी ने 15 पन्नों के आदेश में कहा, वह कंपनी गो एयरलाइंस (इंडिया) लि. के परिसमापन का आदेश दे रहा है। अब कर्जदाताओं की

समिति (सीओसी) को अपने गठन के बाद और समाधान योजना की पुष्टि से पहले किसी भी समय गो फर्स्ट के परिसमापन का निर्णय लेने का अधिकार है।

एनसीएलटी ने कहा, कॉरपोरेट देनदार के परिसमापन के प्रस्ताव को सीओसी ने 100 फीसदी वोटिंग के साथ मंजूरी दी थी। इसलिए, सीओसी के वाणिज्यिक विवेक में हस्तक्षेप करने की कोई योग्यता नहीं दिखती है। इससे दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर, 2024 को दिवालिया कार्यवाही मामले में बड़ा फैसला देते सुनाते हुए जेट एयरवेज के परिसमापन का आदेश दिया था। जेट एयरवेज ने आखिरी बार अप्रैल, 2019 में उड़ान भरी थी।

आगे नहीं बढ़ पाई कर्ज समाधान प्रक्रिया

दिवालिया समाधान प्रक्रिया के दौरान कम-से-कम दो बोलीदाता स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह के साथ बिजी बी एयरवेज और शारजाह स्थित विमानन कंपनी स्काई वन सामने आए थे। यात्रा पोर्टल ईजमाईट्रिप के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी बिजी बी एयरवेज में बहुलांश शेयरधारक हैं। हालांकि, कर्ज समाधान प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसके बाद एनसीएलटी ने गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया है।

54 विमानों का पंजीकरण रद्द

दिवालिया प्रक्रिया के दौरान नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गो फर्स्ट के 54 विमानों का पंजीकरण भी रद्द कर दिया। विमानन कंपनी ने 2005-06 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए पहली उड़ान के साथ घरेलू परिचालन शुरू किया था। 2018-19 में अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू की थी।

परिसमापक नियुक्त, 75 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

एनसीएलटी ने दिनकर तिरुवनंदपुरम वेंकटसुब्रमण्यम को परिसमापक (लिक्विडेटर) नियुक्त किया है, जिन्हें कॉरपोरेट देनदार के वित्तीय मामलों की जांच जारी रखने के लिए कहा गया है। आदेश के मुताबिक, परिसमापक को परिसमापन प्रक्रिया के दौरान उनके निपटान के लिए लंबित आवेदनों का भी पालन करना होगा। परिसमापन को 75 दिन के भीतर एनसीएलटी को एक प्रारंभिक रिपोर्ट देनी होगी।

आईपीओ से पहले टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो आने वाले दिनों में टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में है। हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कंपनी अगले फाइनेंशियल ईयर में आईपीओ से पहले टैरिफ बढ़ा सकती है। कंपनी ने पिछले साल जून में टैरिफ में 25 फीसदी इजाफा किया था। इसे लिस्टिंग से पहले 5जी सर्विसेज को मॉनीटाइज करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि रिलायंस जियो का आईपीओ इस फाइनेंशियल ईयर में आ सकता है। उससे पहले कंपनी अपना एवरेज रेवेन्यू पर यूजर बढ़ाना चाहती है। कंपनी के करीब 48 करोड़ सब्सक्राइबर हैं।

हालांकि सूत्रों ने कहा कि रिलायंस जियो इस बार टैरिफ में पिछली बार की तरह बड़ी बढ़ोतरी नहीं करेगी। यह बढ़ोतरी केवल प्रीमियम कैटगरी तक ही सीमित रह सकती है ताकि कंपनी का सब्सक्राइबर बेस प्रभावित न हो। पिछले साल जून में टैरिफ में बढ़ोतरी के बाद दूसरी तिमाही में कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या में गिरावट आई थी जबकि तीसरी तिमाही में 13 लाख सब्सक्राइबर बढ़े। दिसंबर तिमाही में कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या 48.2 करोड़ थी।

कब आएगा आईपीओ- इससे पहले खबर आई थी कि रिलायंस जियो के आईपीओ की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कंपनी का आईपीओ 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक इसमें ऑफर ऑफ सेल के साथ-साथ ताजा शेयर भी जारी किए जाएंगे। यह आईपीओ साल की दूसरी छमाही में आ सकता है। कंपनी में विदेशी निवेशकों की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिलायंस ने साल 2020 में अबू धाबी इनवेस्टमेंट फंड, केकेआर, मुबादला और सिल्वर लेक जैसे विदेशी फंड्स से 18 अरब डॉलर जुटाए थे। कई ब्रोकरेज का कहना है कि रिलायंस जियो की वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर हो सकती है। लेकिन कंपनी की नजर 120 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर है।

क्यू3 रिजल्ट के बाद रॉकेट बना कंपनी का शेयर, बदहाली में किया मालामाल

नईदिल्ली, एजेंसी। सनटेक रिएल्टी के शेयरों में आज 11 प्रतिशत से अधिक तेजी देखने को मिली है। बीएसई में कंपनी के शेयर बढ़त के साथ 535.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 11.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी 546 रुपये के लेवल पर खुला था। बता दें, कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह मजबूत तिमाही नतीजों को माना जा रहा है।

रेवन्यू में 281 प्रतिशत की उछाल- दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 162 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के रेवन्यू में 281 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 42 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी में 426

प्रतिशत का इजाफा हुआ था। टैक्स भुगतान के बाद कंपनी का प्रॉफिट 537 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर तिमाही में कंपनी का पैट 43 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, एक साल पहले दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट लॉस 10 करोड़ रुपये का रहा था।

कंपनी का प्री-सेल्स सालाना आधार पर 40 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर तिमाही में प्री सेल्स 635 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले दिस दिसंबर तिमाही में प्री सेल्स 455 करोड़ रुपये रहा था।

एमेजॉन एमएक्स प्लेयर को सर्वश्रेष्ठ ओटीटी सुपरहिट जोड़ी का ताज पहनाया

मुंबई। हाल ही में एमेजॉन द्वारा एमएक्स प्लेयर की प्रमुख परिसंपत्तियाँ के अधिग्रहण के बाद, यह सेवा भारत में मुफ्त मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें असाधारण पहुंच और विशाल कंटेंट लाइब्रेरी शामिल है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने पिछले सप्ताहांत एक रोमांचक अभियान शुरू किया, जिसमें यह बताया गया कि एमेजॉन और एमएक्स प्लेयर की जोड़ी स्ट्रीमिंग क्षेत्र में सुपरहिट जोड़ी है।

टाटा पावर ने ओडिशा में अत्याधुनिक विद्युत वितरण प्रौद्योगिकी केंद्र शुरू किया

भुवनेश्वर , एजेंसी। टाटा पावर और ओडिशा सरकार के संयुक्त उद्यम टीपीसीओडीएल ने आज भुवनेश्वर में एक अत्याधुनिक विद्युत वितरण प्रौद्योगिकी केंद्र का अनावरण किया है। वितरण नेटवर्क प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता में यह एक बहुत बड़ा परिवर्तनकारी कदम है।इस केंद्र का उद्घाटन ओडिशा सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री के.वी. सिंह देव ने किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव, ओडिशा सरकार, श्री मनोज आहूजा; सीईओ और एमडी, टाटा पावर, डॉ प्रवीर सिन्हा; अध्यक्ष टीएंडडी, श्री संजय बंगा; टाटा पावर के नेतृत्व वाली ओडिशा डिस्कॉम - टीपीसीओडीएल, टीपीएसओडीएल, टीपीडब्ल्यूओडीएल और टीपीएनओडीएल के सीईओ और सरकार और टाटा पावर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी केंद्र उन्नत परिचालन प्रौद्योगिकी (ओटी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणालियों को 24×7 पावर सिस्टम कंट्रोल सेंटर (पीएससीसी) के साथ एकीकृत करता है। यह राज्य भर में निर्बाध संचालन सुनिश्चित करते हुए बिजली वितरण नेटवर्क के लचीलापन को सुधारने में मदद करेगा।

उद्घाटन के अवसर पर ओडिशा के माननीय उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री श्री के.वी. सिंह देव ने कहा, बिजली वितरण प्रौद्योगिकी केंद्र ओडिशा को वितरण उत्कृष्टता का केंद्र बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्नत बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकियों के साथ, यह केंद्र राज्य के लिए विश्वसनीय बिजली सुनिश्चित

करता है। यह भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा इकोसिस्टम के लिए हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है जो उपभोक्ताओं और उद्योगों दोनों का समर्थन करता है। मैं ओडिशा में बिजली वितरण को मज़बूत करने के लिए टाटा पावर की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं। इस केंद्र में उन्नत वितरण प्रबंधन प्रणाली है, ताकि बढ़ी हुई नेटवर्क विश्वसनीयता और सटीक परिचालन नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक परिसंपत्ति प्रबंधन और उपभोक्ता इंडेक्सिंग को सुव्यवस्थित करती है, जबकि उपयोगिता डेटा स्ट्रीम जीआइएस, बिलिंग और मीटर प्रबंधन के निर्बाध एकीकरण के माध्यम से ऊर्जा ऑडिट को स्वचालित करती है। मौसम की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और सैटेलाइट कम्युनिकेशन कनेक्टिविटी और परिचालन निरंतरता को और मज़बूत करते हैं।

वोक्हार्ट हॉस्पिटल, नागपुर के न्यूरोसर्जन ने पहली बार दुर्लभ स्पाइन विकार से पीड़ित बच्चे की मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग-गाइडेड सर्जरी की

सतना, एजेंसी। नागपुर क्षेत्र में जटिल पेडियाट्रिक स्पाइन विकृति के लिए पहली बार मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग गाइडेड सर्जरी सफलतापूर्वक की गई, जो उन्नत न्यूरोलॉजिकल उपचार में महत्वपूर्ण साबित हुई। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने वोक्हार्ट सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स, नागपुर को मध्य भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार का प्रमुख केंद्र बना दिया है। एक 3 साल के बच्चे को चलने में कठिनाई और मल/मूत्र पर नियंत्रण खोने की शिकायत के साथ वोक्हार्ट हॉस्पिटल लाया गया। उसके रीढ़ की हड्डी में असामान्य झुकाव (जिसे स्कोलियोसिस कहा जाता है) और दोनों पैरों में ऑर्थोपेडिक विकृति (बायलैटरल क्लब फीट) भी थी। उसकी एमआरआई और सीटी स्कैन से एक जटिल असामान्यता का पता चला, जिसमें रीढ़ की हड्डी दो भागों में विभाजित थी और इसके बीच एक हड्डी की नोक थी और निचले हिस्से में फैटी ट्यूमर था और रीढ़ की हड्डी का निचला सिरा सामान्य से नीचे स्थित था। इस विकृति को डायस्टेमेटोमाइलिया विद हेमिकॉर्ड एंडिंग इनटू कंटिग्यूस डोर्सल लिपोमा एंड टेथर्ड फिलम टर्मिनाले विद फैटी इन्फिल्ट्रेशन कहा जाता है, (यानी डायस्टेमेटोमाइलिया जिसमें हेमीकॉर्ड का अंत सन्निहित पृष्ठीय लिपोमा और फैटी इन्फिल्ट्रेशन के साथ टेथर्ड फिलम टर्मिनल में होता है) जो एक बहुत ही दुर्लभ विकार है।

आईआईएम रायपुर ने युवासंगम चरण-5 के तहत असम के लिए छत्तीसगढ़ प्रतिनिधिमंडल के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का किया सफल समन्वय

रायपुर , एजेंसी। भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने असम विश्वविद्यालय, सिलचर के सहयोग से भारत सरकार की प्रमुख पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवासंगम चरण-5 के अंतर्गत पांच दिवसीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल के तहत छत्तीसगढ़ के 45 छात्रों को असम में एक व्यापक सांस्कृतिक और शैक्षिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला, जिससे विविधता में एकता की भावना को प्रोत्साहित किया गया और जन-से-जन संपर्क को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम की शुरुआत असम विश्वविद्यालय, सिलचर में गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई, जहाँ छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों ने संवादात्मक सत्रों, परिसर भ्रमण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम के सफल समापन पर बोलते हुए भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार ककानी ने कहा, यह आदान-प्रदान कार्यक्रम छत्तीसगढ़ और असम के बीच एकता और साझा विकास की भावना का प्रतीक है।

शिखर धवन और ओरी ने एमेजॉन एमएक्स प्लेयर को सर्वश्रेष्ठ ओटीटी सुपरहिट जोड़ी का ताज पहनाया और इसके नवाचारी ब्रांड अभियान के लिए साथ मिलाकर काम किया

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में एमेजॉन द्वारा एमएक्स प्लेयर की प्रमुख परिसंपत्तियाँ के अधिग्रहण के बाद, यह सेवा भारत में मुफ्त मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें असाधारण पहुंच और विशाल कंटेंट लाइब्रेरी शामिल है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने पिछले सप्ताहांत एक रोमांचक अभियान शुरू किया, जिसमें यह बताया गया कि एमेजॉन और एमएक्स प्लेयर की जोड़ी स्ट्रीमिंग क्षेत्र में सुपरहिट जोड़ी है। इस अभियान में मशहूर क्रिकेटर शिखर धवन और सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी को एक मजेदार अभियान के लिए साथ लाया गया।

अभियान पर अपने विचार साझा करते हुए, अरुणा दरयानानी, हेड - मार्केटिंग, प्रोडक्ट और टेक, अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने कहा, हमारा नवीनतम अभियान सभी भारतीयों को मुफ्त में प्रीमियम गुणवत्ता वाला कंटेंट उपलब्ध कराने के अमेजन एमएक्स प्लेयर के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। क्रिकेट आइकन शिखर धवन और सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी को साथ लाकर, हमारा उद्देश्य हमारी विशाल कंटेंट लाइब्रेरी को उजागर करना है, जिसे देश भर के दर्शक बिना किसी लागत के आनंद ले सकते हैं! यह अभियान अच्छे भाव को प्रस्तुत करता है तथा बेहतरीन विषय-वस्तु, नवीन विपणन और रणनीतिक साझेदारियों की पेशकश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिखर धवन ने इस अभियान का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मनोरंजन में, क्रिकेट की तरह, लोगों को एक साथ लाने की ताकत होती है। इस अभियान के लिए अमेज़न एमएक्स प्लेयर के साथ सहयोग करना बेहद आनंददायक था। शिखर × ऑरी स्पॉट की ऊर्जा और मज़ा कॉन्टेजियस हैं। यह देखकर अद्भुत लगता है कि एमेजॉन एमएक्स प्लेयर लाखों भारतीयों के लिए मुफ्त मनोरंजन को नए रूप में परिभाषित कर रहा है, और इस यात्रा का हिस्सा बनकर मैं बेहद रोमांचित हूं।

ओरी ने साझा किया, इस कैंपेन का हिस्सा बनना वाकई शानदार अनुभव था। शिखर × ओरी स्पॉट के लिए शिखर के साथ जोड़ी बनाना वास्तव में जोड़ी की वाइब्स को सामने लाता है और इसका कॉन्सेप्ट बहुत ही नया और मज़ेदार है। एमेजॉन एमएक्स प्लेयर सचमुच कुछ अनोखा पेश कर रहा है, और मैं दर्शकों को इस अभियान और इसके अद्भुत कंटेंट से जुड़ते हुए देखने के लिए बहुत उत्साहित हूँ।

दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की नो माही के लिए शानदार आय की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड जो अपनी उत्पाद श्रृंखला को चीनी से परे बढ़ाकर सतत ऊर्जा और इथेनॉल समाधानों में विस्तार कर रही है, ने 18 जनवरी 2025 को आयोजित बोर्ड बैठक में 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए कंपनी के अनऑडिटेड फाइनैन्शल रिजल्ट को मंजूरी दी।

दिसंबर की तिमाही के लिए कुल आय बढ़कर 7,358.37 लाख हो गई, जो 3,977.63 लाख (वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही) थी, जो मुख्य रूप से संचालन से राजस्व में तेज वृद्धि के कारण हुई, जो 3,932.93 लाख से बढ़कर 7,317.75 लाख हो गई। परिणामस्वरूप, कर पूर्व लाभ 178.91 लाख (वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही) से बढ़कर 746.04 लाख (वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही) हो गया, जो मजबूत परिचालन प्रदर्शन को दर्शाता है। यह व्यावसायिक प्रदर्शन में क्वार्टर-ऑन-क्वार्टर सुधार का संकेत देता है।

31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए संचालन से राजस्व 15,928.09 रुपये पर था। शुद्ध में 2024 को समाप्त नौ महीनों के 768.48 लाख से 40त्न वृद्धि कर 1,076.14 लाख हो गया।

आगे चलकर कंपनी इथेनॉल में संभावित मूल्य वृद्धि का लाभ उठाने की योजना बना रही है।

बी-हेवी गुड़ चीनी उत्पादन का एक उप-उत्पाद है जो इथेनॉल बनाने के लिए उपयोग किया जाता है और सी-हेवी गुड़ चीनी रिफाइनरियों का एक उप-उत्पाद है जो इथेनॉल बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

सितंबर 2024 में, इसके बोर्ड ने 1 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू के माध्यम से फंड जुटाने को मंजूरी दी, जो अधिकतम 400 करोड़ तक हो सकती है।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास, टी20 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनें

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मुकाबला खेला जा रहा है। जहां भारत ने टॉस जीता और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इस दौरान टीम इंडिया के गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इतिहास रच दिया। दरअसल, वह भारत की ओर से टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस कड़ी में उन्होंने युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड तोड़ा है।

दरअसल, अर्शदीप ने पहले ही ओवर में इंग्लैंड को बड़ा झटका देते हुए फिल सॉल्ट को आउट किया उसके बाद उन्होंने बेन डकेट को भी पवेलियन भेजा।

वहीं टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड युजवेंद्र चहल के नाम था। चहल को इस मुकाम तक पहुंचने में 7 साल लगे। उन्होंने 2016 से लेकर 2023 तक 80 टी20 मैच में 96 विकेट झटके थे। लेकिन अर्शदीप ने महज 2022 से 2025 तक नंबर 1 पर कब्जा जमा लिया है। उन्होंने ये कारनामा महज 61वें टी20 मैच में कर दिखाया है।

वहीं टीम इंडिया ने पहले टी20 में बेहतरीन शुरुआत की है। पॉवर प्ले में ही टीम इंडिया को 2 विकेट की सफलता मिली। हालांकिस मैच में प्लेइंग 11 हैरान करने वाली है। क्योंकि पहले टी20 मैच में महोम्मद शमी को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला है।

टी20 में भारत के सबसे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

97 अर्शदीप सिंह
96 युजवेंद्र चहल
90 भुवनेश्वर कुमार
89 जसप्रीत बुमराह
89 हार्दिक पंड्या

सिंधू और लक्ष्य करेंगे चीन में बैडमिंटन एशिया मिश्रित चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुआई

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य विजेता लक्ष्य सेन 11 से 16 फरवरी तक चीन के कगिदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। भारत ने 2023 में दुबई में प्रतियोगिता के पिछले चरण में कांस्य पदक जीता था। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने टीम का चयन करते समय खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग और मौजूदा फॉर्म को अहमियत दी है। टीम में एचएस प्रणय और मालविका बंसोड़ क्रमशः दूसरे पुरुष और महिला एकल खिलाड़ी होंगे।''

मजबूत भारतीय टीम में स्टार युगल खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी होंगे। महिला युगल जोड़ी में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली या अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो में से कोई एक हो सकती है। तनीषा मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला के साथ जोड़ी बनायेंगी जबकि सतीश कुमार के और आद्या वरियाथ दूसरी जोड़ी होगी। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, ''हमने दो साल पहले कांस्य पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस साल हमारा लक्ष्य फाइनल में पहुंचना है। फिर कुछ भी संभव है और हम पूरी कोशिश करेंगे।''

महिला अंडर-19 विश्व कप : इंग्लैंड ने अमेरिका को 8 विकेट से हराया

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। डेविना पेरिन (74) और टुडी जॉनसन (नाबाद 44) की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने बुधवार को अंडर-19 महिला टी-20 मुकाबले में अमेरिका को आठ विकेट से हरा दिया है। अमेरिका के 119 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर एरिन थॉमस (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी टुडी जॉनसन ने डेविना पेरिन के साथ पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 117 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में पूजा शाह ने डेविना पेरिन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डेविना पेरिन ने 45 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुये (74) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। टुडी जॉनसन (44) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड ने 14.2 ओवर में दो विकेट पर 120 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। अमेरिका की ओर से माही माधवन और पूजा शाह को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिए थे। चेतना पग्यद्यला (10), इसानी वाघेल (10) और दिशा ढींगरा (छह) रन बनाकर आउट हुई। ऐसे समय मे कप्तान अनिका कोलन ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। रितू सिंह (20) रन बनाकर आउट हुई। अनिका कोलन (46) और पूजा गणेश (10) रन बनाकर नाबाद रही। अमेरिका की महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 119 रन का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से प्रिशा थानावाला, टुडी जॉनसन ने दो-दो विकेट लिये। टिली कॉर्टीन-कोलमैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रोहित को क्या करना है यह किसी को बताने की जरूरत नहीं : अजिंक्य रहाणे

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को कहा कि रोहित शर्मा को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना है और 'जब वह लय हासिल कर लेंगे तो उन्हें बड़ी पारी खेलने में कोई परेशानी नहीं आएगी'। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित लगभग एक दशक के अंतराल के बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी करेंगे।

मुंबई की टीम बृहस्पतिवार से यहां बीकेसी मैदान पर जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगी तो सभी की निगाहें रोहित और उनके भारत के सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल पर होंगी। रहाणे ने मुंबई के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, 'देखिए, रोहित, रोहित है। हम सभी यह जानते हैं। आपको भी पता है कि रोहित का व्यक्तित्व क्या है। मैं उन दोनों (रोहित और जायसवाल) को मुंबई के ड्रेसिंग रूम में वापस पाकर बहुत खुश हूं।'

रहाणे ने कहा, 'रोहित कभी तनाव लेना पसंद नहीं करते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए भी उनका चरित्र वैसा ही है। उनका रवैया काफी सहज है। वह

अपने खेल को अच्छी तरह से जानते हैं, इसलिए किसी को उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना है। वह एक बार क्रीज पर थोड़ा समय बिताने के बाद अच्छा करेंगे। उन्होंने खुद में कोई बदलाव नहीं किया है जो काफी अच्छी बात है।' पिछले कुछ महीनों से 37 वर्षीय रोहित बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं। वह घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली करारी शिकस्त के बाद आलोचना का सामना कर रहे हैं। रहाणे ने कहा कि हर खिलाड़ी करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है लेकिन रोहित 'वास्तव में आश्वस्त' हैं। रोहित के साथ लंबे समय तक भारतीय ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'इस में अहम बात यह है कि रोहित में अच्छा प्रदर्शन करने का जज्बा बरकरार है। वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ है। मुझे यकीन है कि एक बार जब वह मैदान पर उतरेंगे तो ऐसा करने में सफल रहेंगे।'

राहणे ने कहा, 'रोहित ने कल अभ्यास के कुछ सत्रों में अच्छी बल्लेबाजी की। मैं रोहित के अच्छे प्रदर्शन को लेकर वास्तव में आश्वस्त हूं।' रहाणे ने कहा कि जम्मू कश्मीर के खिलाफ यह मैच इस सत्र में रोहित के लिए एकमात्र मुकाबला हो सकता है। रोहित इंग्लैंड के खिलाफ छह फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला और उसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की कप्तानी करेंगे। रहाणे ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह सिर्फ इस मुकाबले को खेलेंगे। अगले मैच में उनकी उपलब्धता के बारे में मुझे पता नहीं है। अगले चार दिनों तक उनके सुझाव हमारे लिए काफी अहम होंगे।'

बीसीसीआई के इस दिशा निर्देश को सही नहीं मानते बटलर

कोलकाता। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा है कि वह भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) के उस दिशा निर्देशों को सही नहीं मानते जिसमें कहा गया है कि विदेशी दौरे पर खिलाड़ियों का परिवार पूरे समय उनके साथ नहीं रह सकता है। इसके पीछे तर्क दिय गया है कि खिलाड़ी इससे पूरे समय खेल पर ध्यान नहीं दे पाते। वहीं बटलर का कहना है कि लंबे विदेश दौरों पर परिवार का साथ बहुत महत्वपूर्ण होता है और इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता। बटलर के अलावा कई और दिग्गज भी इस नियम को सही नहीं मानते। वहीं कुछ इसे सही मानते हैं। भारत के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी इस नियम को लेकर आंशका जताई है। बोर्ड के दिशा निर्देश के अनुसार खिलाड़ी तय समय से अधिक परिवार के साथ नहीं बिता सकते। बटलर ने कहा, 'यह काफी भारी सवाल है। यह अहम है। हम आधुनिक जगत में रह रहे हैं और दौरों पर परिवार का साथ रहना बहुत अच्छा है।

ऑस्ट्रेलिया में सर्फिंग करती दिखीं सारा तेंदुलकर

सिडनी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर आजकल यहां गोल्ड कोस्ट पर समुद्र की लहरों के बीच सर्फिंग का आनंद ले रही हैं। सारा ने सोशल मीडिया में अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे की तस्वीरें साझा की हैं। सार गोल्ड कोस्ट पर सर्फर्स पैराडाइज का आनंद लेने के लिए अपने दोस्तों सहित यहां पहुंची थीं। इस दौरन नीले रंग की ड्रेस पहनी सारा ने खूब सर्फिंग का आनंद लिया। प्रशंसकों ने भी सारा की तस्वीरों को काफी पसंद किया है। इन तस्वीरों के लिए उन्हें जमकर लाइक मिले हैं। सारा की इन तस्वरों को पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी पसंद किया है। वहीं गत दिना सारा को क्रीसलैंड के समुद्र में जेट स्की का आनंद लेते हुए भी देखा गया था। इसके अलावा पिछले दिनों वह अपनी मां अंजलि तेंदुलकर के साथ एक इवैंट पर पहुंची थी। यहां वह लाल रंग की ड्रेस में सबसे आकर्षण का केन्द्र रहीं। सारा वी-नेक पर सॉफ्ट मिरर, पर्ल और गोटा वर्क से सजी एक शानदार लाल स्लिम-फिट ट्यूनिक में पहुंची।

टी20 विश्व कप की योजनाओं को लेकर सूर्यकुमार ने दिया मजेदार जवाब

कोलकाता। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले मीडिया से बात करते हुए हंसी-मजाक के मूड में नजर आये। इस दौरान जब उनसे उनसे अगले साल होने वाले टी 20 विश्व कप की योजनाओं को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि सारे राज अभी ही बता दूं क्या। साथ ही कहा कि अभी यात्रा का आनंद लेने दो, हमें टीम भी तैयार करनी है, स्थिति देखनी है और एक ईकाई के तौर पर खेलना है। यही मेरा और कोच गौतम गंभीर का मानना है। वहीं टीम के उपकप्तान बने डिप्टी अक्षर पटेल ने कहा कि भारतीय टीम इंग्लैंड से टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए अपने विकल्पों पर अधिक ध्यान देते हुए उनके आंकलन का प्रयास करेगी। अक्षर ने कहा कि एक साल में विश्व कप आ रहा है, इसलिए उसके लिए कैसे आगे बढ़ें इसपर हमें अभी से ध्यान देना होगा। यही इस सीरीज में हमारा मुख्य लक्ष्य है। साथ ही कहा कि लय हासिल करना सबसे अहम है क्योंकि अगर आप अच्छी शुरुआत करते हैं, तो आप इसे जारी रख सकते हैं।

मनसुख मांडविया ने की एशियाई खेलों और 2036 ओलंपिक में खो-खो को शामिल करने की वकालत

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को पारंपरिक भारतीय खेलों को दुनिया भर में ले जाने की सरकार की इच्छा व्यक्त की और कहा कि खोखो को एशियाई खेलों और 2036 ओलंपिक में शामिल करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है और उसने अपनी महत्वाकांक्षी योजना की दिशा में पहला ठोस कदम उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग को अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए एक 'आशय पत्र' प्रस्तुत किया है। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो खोखो उन छह खेलों में से एक होगा जिन्हें मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ट्वेंटी-20 क्रिकेट, कबड्डी, शतरंज और स्क्वाश के साथ 2036 ओलंपिक में शामिल करने की सिफारिश करने की योजना बना रही है।

विश्व कप जीतने वाली भारतीय खोखो

टीमों को सम्मानित करते हुए मांडविया ने कहा, ''हमने खोखो विश्व कप का आयोजन करके शानदार काम किया है और हमें यह प्रयास करना चाहिए कि इन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''सरकार का प्रयास खोखो को 2036 के ओलंपिक में ले जाना भी है। इसके लिए खिलाड़ियों और कोचों को अच्छा प्रदर्शन करते रहना होगा, महासंघ को अच्छा प्रबंधन करते रहना होगा और खेल मंत्रालय खिलाड़ियों के प्रदर्शन के स्तर को बढ़ाने में सहायता और सहयोग करता रहेगा।''

सम्मान समारोह में पुरुष और महिला टीमों के साथ टीम के कोच और भारतीय खोखो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल सहित अन्य लोग शामिल हुए। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने 19 जनवरी को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खोखो विश्व कप का खिताब जीता। दोनों भारतीय टीमों ने फाइनल में नेपाल को हराया। देश में पारंपरिक खेलों के पुनरुत्थान के बारे में बात करते हुए मांडविया ने कहा, ''पारंपरिक खेल सामुदायिक भावना और सहनशीलता को दर्शाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे पारंपरिक खेल मूल्यों को बनाए रखते हैं। दुनिया इन पारंपरिक खेलों की समृद्धि से बहुत कुछ सीख सकती है।''

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों पर जिक्र किया है कि हमें पारंपरिक खेलों को सर्वश्रेष्ठ 'एक्सपोजर' देना होगा। अब हमारी टीम को सर्वश्रेष्ठ 'एक्सपोजर' ही नहीं मिल रहा बल्कि टीम शानदार प्रदर्शन भी कर रही हैं।'' भारतीय महिला खोखो टीम के मुख्य कोच सुमित भाटिया ने टीम की सफलता का श्रेय यहां कराये गये एक महीने के शिविर को दिया।

उन्होंने कहा, ''10 दिसंबर को हमने 60 खिलाड़ियों के साथ शिविर शुरू किया। उनमें से हमने पुरुष और महिला टीमों के लिए प्रत्येक में सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी चुने। टीमों में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के खिलाड़ी शामिल थे और शिविर ने उन्हें एकजुट होने में मदद की।

रोहित और विराट एकदिवसीय के दिग्गज बल्लेबाज, चैम्पियंस ट्रॉफी में पड़ेगी जरुरत : कैफ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी में जरुरत पड़ेगी। कैफ के अनुसार हाल में भले ही इनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है पर ये दोनो एकदिवसीय के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। इसलिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए इनका चयन सही है। विराट ने साल 2008 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय प्रारूप में पदार्पण के बाद से ही अब तक 295 मैचों में 93.54 की स्ट्राइक रेट से 13906 रन बनाए हैं। उनका औसत भी 58.18 है। वहीं रोहित ने अपना पहला एकदिवसीय मैच 2007 में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। 265 एकदिवसीय में रोहित ने 92.43 की स्ट्राइक रेट और 49.16 की औसत से 10866 रन बनाए हैं। कैफ ने हालांकि ये भी कहा कि रोहित और विराट दोनों ही लंबे समय तक नहीं खेलेंगे क्योंकि वे 30 के दशक के अंत में हैं। उन्होंने कहा कि दो अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान टीम में बहुत योगदान देंगे। उन्होंने कहा, आपको रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरूरत है। रोहित 37 साल के हैं और कोहली 36 साल के हैं। वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। उनके लिए प्रार्थना करें, उनका समर्थन करें। वे दो बेहतरीन सफेद गेंद के खिलाड़ी हैं। वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि वे अच्छा खेलेंगे। वे आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में बहुत योगदान देंगे। अगर वे अच्छा खेलते हैं, तो आप दुबई में मैच जीतेंगे। रोहित शर्मा तेज शुरुआत देते हैं। विराट कोहली उस शुरुआत का फायदा उठाते हैं।

एलएसजी तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ उतरेगी : जहीर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) टीम के मेंटर जहीर खान ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंटस के पास बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ ने पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खरीदा है। इसमें से तीन को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और डेविड मिलर शुरुआत में उतरेंगे। साथ ही कहा कि तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने से टीम का रुख आक्रामक रहेगा। जहीर के अनुसार इतने बांए हाथ के खिलाड़ी रखना टीम की रणनीति भी हो सकती है। एलएसजी ने इस सत्र के लिए ऋषभ को कप्तान बनाया है। 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कप्तानी करने वाले जहीर ने ऋषभ को देखा है और उनके साथ काम किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के अनुसार ऋषभ ऐसे व्यक्ति हैं जो पूरी टीम को प्रेरित कर सकते हैं और क्रिकेट का एक ऐसा ब्रांड स्थापित कर सकते हैं जिसे एलएसजी खेलना चाहता है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था: एरिका वीब

विजयनगर (कर्नाटक) (एजेंसी)। पूर्व ओलंपिक चैंपियन पहलवान एरिका वीब ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती को बाहर करने को बेहद निराशानजक करार दिया लेकिन साथ ही उम्मीद जताई कि अगले सत्र में खेल की वापसी होगी। कनाडा की एरिका ने 2016 रियो ओलंपिक की महिला 75 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में कजाखस्तान की गुजेल मेन्युरोवा को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता था।

यूनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और आईएसएस के सहयोग से यहां चल रहे अंतरराष्ट्रीय महिला कुश्ती शिविर और 'रेस्लिंग मास्टरक्लास' कार्यक्रम के लिए यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट आई एरिका ने वकालत की कि 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था। एरिका ने इंटरव्यू में कहा, 'ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का फैसला बहुत निराशाजनक था। उन्होंने खेलों के लिए एक बहुत ही अलग मॉडल अपनाया। उनके पास केवल 10 खेल हैं। यह बेहद निराशाजनक बात है। मैं वास्तव में चाहती थी कि वे मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल करते।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस खेल (कुश्ती) की लोगों तक अधिक पहुंच है। मुझे लगता है कि महासंघ बेहतर स्थिति में है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रमंडल में भारत और नाइजीरिया की मौजूदगी में कुश्ती के खेल में शानदार खिलाड़ियों के रूप में अपनी विविधतापूर्ण ताकत दिखाने का एक अवसर है।' कनाडा की इस पहलवान ने कहा, 'और इसलिए, हां, यह निराशाजनक है। मुझे लगता है कि चीजें बदलेंगी। हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है और इसलिए मुझे उम्मीद है कि शायद 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हम कुश्ती की वापसी देखेंगे।'

बुडापेस्ट 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता एरिका ने ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया की प्रशंसा की और कहा कि भारत में महिला कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत से भारतीय खिलाड़ियों, खासकर पहलवानों की सराहना करती हूं। मैंने बजरंग के लिए मैट पर और मैट के बाहर सम्मान के बारे में बहुत बात की है, वह एक शानदार पहलवान, अविश्वसनीय सहयोगी है। भारत में महिला फ्रीस्टाइल कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं।'

बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप 2018 की कांस्य पदक विजेता एरिका ने कहा, 'मैं फोगाट बहनों, साक्षी मलिक और विनेश के बारे में सोचती हूं, जो ना केवल मैट पर चैंपियन रही हैं, बल्कि जिस तरह से वे खुद को संभालती हैं और मैट के बाहर जिस तरह चीजों के लिए खड़ी होती हैं, वह मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक है।'

एरिका ने कहा कि एशियाई स्तर पर कुश्ती में प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है और एशियाई पहलवानों की कुश्ती की शैली अलग तरह की है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एशियाई पहलवानों की कुश्ती की शैली बहुत ही अनोखी है, इतने सारे देशों की मौजूदगी में प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है,

खासकर कम भार वाले वजन वर्गों में, वे बहुत प्रतिस्पर्धी, बहुत तेज, तकनीक रूप से सक्षम हैं, उन्हें खेलते हुए देखना शानदार होता है।'

राष्ट्रमंडल खेल 2014 की चैंपियन एरिका ने कहा, 'मुझे 2023 एशियाई चैंपियनशिप के लिए कजाखस्तान जाने का मौका मिला। मैं 2025 एशियाई चैंपियनशिप के लिए जॉर्डन के अम्मान में रहूंगी। मैं कुश्ती की क्षमता, उत्साह, ऊर्जा को देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं जो हम एशिया में कुश्ती की शैली में देखते हैं।'

जंगल की आग से ओलंपिक, फीफा विश्वकप के आयोजन पर उठे सवाल

फ्लोरिडा। लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग के बाद यहां 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों पर सवाल उठने लगे हैं। यहां तक कि ओलंपिक को डलास या मियामी में स्थानांतरित करने की भी मांग उठी है। इसी को लेकर आयोजन समिति के प्रमुख कैसी वासरमैन ने गत दिनों अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की थी जिसमें ट्रम्प ने कहा था कि यह ओलंपिक अमरीका के हैं। इसलिए इस मामले में हर प्रकार से प्रयास किये जाएंगे जिससे कि खेल का सफल आयोजन हो सके। वहीं लॉस एंजिल्स में ही अगले साल फीफा विश्व कप के मैच भी होने हैं। यह स्थल जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों के करीब है हालांकि इसके बाद भी मैचों को बाहर स्थानांतरित करने के लिए अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान सुपर बाउल 2027 पर भी नजरें होंगी। वहीं कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम कहते हैं कि हमारे पास ओलिम्पिक, सुपर बाउल और फीफा विश्व कप की मेजबानी है। हमारे पास टीम है एक टीम है जो आयोजन की रूपरेखा तैयारी कर रही है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि ओलंपिक का उपयोग किसी आपदा से तबाह हुए क्षेत्र को बदलने के माध्यम के रूप में किया जाएगा। ओलिम्पिक 14 जुलाई, 2028 को शुरू होने वाले हैं। ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान साल 2017 में अमरीका को इसकी मेजबानी मिली थी। लॉस एंजिल्स ने अंतिम बार 1984 में ओलिम्पिक की मेजबानी की थी। वहीं मीडिया दिग्गज चार्ली किर्क आदि ने खेलों को स्थानांतरित करने को किा था। किर्क ने कहा कि ओलंपि रद्द कर दिया जाना चाहिए। यदि आप फायर हाइड्रैंट नहीं भर सकते हैं, तो आप ओलिम्पिक की मेजबानी के योग्य नहीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर हुई चयन प्रक्रिया

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। गणतंत्र दिवस के सांस्कृतिक संध्या की तैयारी को लेकर आज 22 जनवरी 2025 को नगर भवन में सदर एसडीओ राजकिशोर प्रसाद के नेतृत्व में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की चयन प्रक्रिया की गई। इस चयन प्रक्रिया में लगभग 15 स्कूल कॉलेज एवं विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के बच्चों एवं कलाकारों ने भाग लिया जिसमें 12 कार्यक्रमो का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया में स्क्रीनिंग कमेटी के सदर एसडीओ के अलावे प्रहलाद सिंह संस्कृति कर्मी,शोभा सिन्हा,डॉ धीरज कुमार, जादूगर एन ए चौधरी एवं मंच संचालक एवं रंग कर्मी मनोज सिन्हा के द्वारा किया गया। इस चयनित कलाकारों के द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होना है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल की सीआर्म मशीन ख़राब, सर्जरी हो रहा बाधित

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ऑर्थोपेडिक ओटी में सीआर्म मशीन ख़राब होने से हड्डी के मरीजों का सर्जरी नहीं हो पा रहा है। कई मरीजों 20 दिनों से भर्ती हैं और उनका सर्जरी नहीं होने के कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही है। उन मरीजों के इलाज में जुटे चिकित्सकों के मुताबिक बिना सीआर्म मशीन के इनका ऑपरेशन संभव नहीं है। ऐसे में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के संज्ञान में जब यहां कई दिनों से भर्ती एक मरीज मुकेश राम के परिजनों ने शिकायत की तो उनके निर्देश पर तत्काल सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सुप्रिटेंडेट प्रोफ़ेसर डॉ.अनुकरण पूर्ति से इस संबंध में बात की और मरीजों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए तत्काल सीआर्म मशीन बनवाकर सभी जरूरतमंद आर्थो मरीजों का ऑपरेशन करवाने का आग्रह किया ।सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अधीक्षक प्रोफ़ेसर डॉ.अनुकरण पूर्ति ने आश्वस्त किया कि सोमवार तक सीआर्म मशीन बनकर तैयार हो जायेगा जिसके बाद सभी जरूरतमंद मरीजों का ऑपरेशन निश्चित रूप से हो जाएगा। ज्ञात हो कि हर दो तीन महीने में यहां का सीआर्म मशीन ख़राब हो जाता है ऐसे में जरूरतमंदों मरीजों का इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे में रंजन चौधरी ने अधीक्षक अधीक्षक प्रोफ़ेसर डॉ.अनुकरण पूर्ति से इसका स्थायी समाधान करने का भी आग्रह किया ताकि मरीजों को महीनों तक बिना ऑपरेशन के परेशान नहीं होना पड़े और उन्हें इलाज में सहूलियत हो सके।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं'' योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, हजारीबाग में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 350 छात्राएँ उपस्थित थी। इस अवसर पर शिप्रा सिन्हा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बाल विवाह, सखी वन स्टाप सेंटर, महिला हेल्प लाईन, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, चाईल्ड लाईन सहित अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना पर नई दिल्ली में प्रस्तारित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्राओं के बीच किया गया। छात्राओं को महिला हेल्प लाईन, चाईल्ड लाईन, सखी वन स्टाप सेंटर, बाल विवाह निषेध से संबंधित पम्पलेट का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर सभी छात्राओं को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं की शपथ भी दिलायी गई। इस अवसर पर अनुभा श्वेता होरो, विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएँ सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रशासन ने किया जिला स्तरीय जन शिकायत कार्यक्रम का आयोजन

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। प्रशासन द्वारा आज एक महत्वपूर्ण पहल के तहत ₹जिला स्तरीय जन शिकायत कार्यक्रम₹ आयोजित किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और उन्हें प्रशासनिक सेवाओं के प्रति विश्वास दिलाना है। इसमें विभिन्न थाना के थाना प्रभारी शामिल हुए कार्यक्रम में नागरिकों को अपने मुद्दे सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला। साथ ही, अधिकारियों द्वारा समस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से कार्य करने का आश्वासन भी दिया गया। जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन जन शिकायतों के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेगा और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निवारण किया जाएगा कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण शिकायतों का समाधान किया गया, और कई अन्य पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने कटकमदाग अंचल एवं प्रखंड कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

कार्यप्रणाली में गुणात्मक सुधार लाने के लिए दिए सख्त निर्देश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने बुधवार को कटकमदाग अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण आज बुधवार को किया। इस दौरान अपर समाहर्ता श् संतोष कुमार सिंह मौजूद रहे। अंचल और प्रखंड कार्यालय के कार्यों की जांच! अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय का भ्रमण कर उपस्थिति पंजी, माननीय उच्च न्यायालय से संबंधित मामले, सामान्य रोकड़ पंजी, नामांतरण, एनटीपीसी हेतु अर्जित भूमि का नामांतरण, भू लगान, भंडार कक्ष, कैशबुक, आवंटन पंजी, म्यूटेशन आदि भूमि से संबंधित अन्य मामलों की गहनता से जांच की। जांच के क्रम में कैश बुक,सीएल पंजी, जन शिकायत आदि महत्त्वपूर्ण पंजियों के अद्यतन न होने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई।

अंचल और प्रखंड कार्यालय के कार्यों की जांच

अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय का भ्रमण कर भूमि हस्तांतरण, अवैध जमाबंदी, म्यूटेशन, आगत-निर्गत पंजी, नीलाम पत्रवाद, लगान निर्धारण के मामले, जिला से आए पत्रों के कंप्लायंस,कैशबुक, आवंटन पंजी एवं भूमि से संबंधित अन्य मामलों की जांच की। जांच के क्रम में कैश बुक,सीएल पंजी, जन शिकायत आदि महत्त्वपूर्ण पंजियों को अद्यतन करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया एवं अंचल के कार्यप्रणाली व्यवस्था में सुधार लाने की सख्त चेतावनी दी। प्रखंड कार्यालय में आकस्मिक अवकाश पंजी, आगत निर्गत पंजी, सूचना अधिकार पंजी, अंकेक्षण पंजी, वाहन लॉग बुक, जनशिकायत पंजी, पेंशन पंजी, सर्विस बुक,सैरात पंजी एवं बंदोबस्त पंजी की अद्यतन स्थिति आदि की जांच उपायुक्त द्वारा की गई। उपायुक्त कार्यालय से आए पत्रों के कंप्लायंस की जानकारी लेने के साथ-साथ उपायुक्त ने कर्मियों को कार्यशैली में सुधार लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय में कर्मियों के कार्यों की ली जानकारी !उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपस्थित सीओ और बीडीओ से कार्यालय में कर्मियों की वर्तमान संख्या की जानकारी ली। उपायुक्त ने सीओ एवं बीडीओ को कर्मियों के साथ नियमित समीक्षा बैठक करने एवं क्षेत्र भ्रमण कर तत्संबंधी कार्यों की रिर्पोट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया !इस दौरान अंचल अधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित प्रखंड और अंचल के सभी विभागीय पदाधिकारी, कर्मी,अभियंता,पंचायत सचिव, जनसेवक, राजस्व कर्मचारी, ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे।

रामगढ़ में तीसरे जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

प्रकाश पटवारी

रामगढ़। आज दिनांक-22 जनवरी 25 को चन्दन कुमार, उपायुक्त एवं अजय कुमार, पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के नेतृत्व में नागरिकों के शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निवारण हेतु झारखण्ड पुलिस की अनूठी पहल जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन फुटबॉल मैदान, रामगढ़ में किया गया। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के दौरान कुल 53 शिकायतकर्ताओं ने उपस्थित होकर अपनी शिकायतों/समस्याओं को पुलिस के समक्ष साझा किया।

पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा शिकायतकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़ एवं पुलिस उपाधीक्षक (मु०), रामगढ़ को स्वयं संबंधित मामले की जाँच कर प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। प्राप्त शिकायतों के समाधान हेतु थाना / ओ०पी० प्रभारी के द्वारा त्वरित कार्रवाई किया गया, जिसमें कार्यक्रम के दौरान ही कुल 11 मामलों का निपटारा किया गया।

बता दें कि पहले जन समाधान कैम्प 10 सितंबर 24 को आयोजित हुआ था जिसमें पुलिस को 184 शिकायत प्राप्त हुए थे। दुसरे जन समाधान कैम्प 18 सितंबर 24 में 106 शिकायत प्राप्त हुआ जिसमें तत्काल दस मामलों सहित लगभग सौ मामले सुलझाए जाने कि जानकारी मिली है। तीनों कैम्पों में अब तक कुल 343 शिकायत दर्ज हुए हैं जिनमें कुछ एक मामले हर कैम्प में शिकायत कर्ता ने दर्ज कराए हैं। उक्त कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक (मु०) चंदन वत्सा, रामगढ़, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी प्रमेशवर प्रसाद, रामगढ़/पतरातू प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, माण्डु / गोला, परिचारी प्रवर, परिचारी, पुलिस केन्द्र, रामगढ, पुलिस निरीक्षक, माण्डू / गोला, सभी थाना / ओ०पी० प्रभारी, पैरा लीगल वॉलंटियर एवं अन्य संबंधित पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहें।

बाबा साहब ने हमें संविधान दिया भाजपा वालों ने इनका अपमान किया : नरसिंह

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। कटकमसांडी प्रखंड कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में जय बापु, जय भीम, जय संविधान अभियान के तहत अम्बेडकर सम्मान मार्च कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति ने की। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत भाजपा संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया और बैसाखी सरकार बनाकर लोकतांत्रिक मुल्यों का पाठ पढ़ाया था। लेकिन भाजपा ने खीज अब संविधान निर्माता पर निकाल रही है और बाबासाहेब का अपमान कर रही है। सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति ने कहा कि बाबा साहब ने हमें संविधान दिया और गृहमंत्री ने उनका अपमान किया। 18 वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान और संविधान निर्माता

डॉ.भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गया है। अमित शाह ने कहा अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक गोविंद राम प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा प्रदेश प्रतिनिधि विरेन्द्र कुमार सिंह महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, संजय तिवारी, सरयु यादव, शारदा रंजन दुबे, दिलीप कुमार रवि, रंजीत यादव, गुड्डु सिंह, परवेज अहमद, ओमप्रकाश गोप, भैया असीम कुमार, अजय राणा, मो. रब्बानी, राम अनुज सिंह प्रखंड अध्यक्ष अजित कुमार सिंह, गोवर्धन गंझू, सत्यनारायण प्रसाद, बबलू अंसारी, मो.शहाबुद्दीन, शिव नंदन साहू, अनिल कुमार भुईयां, जितेन्द्र कुमार साव, वासुदेव यादव, नन्द किशोर मेहता, मो. मिन्हाज, रमेश महतो, मकबुल अंसारी, सोहर रविदास, हकीम अंसारी, महेश मेहता, अजय प्रजापति, राम कुमार पटेल, मो. हाशिम, अर्जुन रविदास, इरशाद अहमद, मो.इबरार, बाबर अंसारी, माशूक अंसारी के अतिरिक्त सैकड़ो कांग्रेसी उपस्थित थे।

खराब सड़क और नाली समस्या के समाधान में जुटे विधायक प्रदीप प्रसाद

स्थानीय नागरिकों को मिला भरोसा

निरीक्षण के दौरान विधायक ने क्षेत्रीय नागरिकों से भी मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। नागरिकों ने विधायक के इस त्वरित कदम की सराहना की और भरोसा जताया कि इस बार उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की जनहित से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना मेरी प्राथमिकता है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि इस क्षेत्र की सड़क और नाली की स्थिति में शीघ्र सुधार हो और नागरिकों को राहत मिले।

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को मैन रोड, सदर अस्पताल के निकट खराब सड़क और नाली की समस्या का गहन निरीक्षण किया। लंबे समय से इस क्षेत्र में सड़क और नाली की स्थिति जर्जर थी, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। निरीक्षण के दौरान विधायक ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अधिकारियों को मौके पर बुलवाया गया और मौके पर ही समस्या के समाधान पर चर्चा की गई। विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा की यह सड़क मुख्य मार्ग होने के साथ-साथ अस्पताल के निकट है। यहां की स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसे तुरंत प्राथमिकता में लेकर ठीक किया जाए। विधायक ने बताया कि कुछ दिन पूर्व इस क्षेत्र की खराब सड़कों के कारण एक गर्भवती महिला टोटो से गिर गई थी, जिससे वह घायल हो गई थी। इस घटना ने न केवल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए बल्कि नागरिकों में आक्रोश भी पैदा किया। विधायक ने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाना अत्यंत आवश्यक है। विधायक ने इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी रंजीत बरनवाल से भी वार्ता की। उन्होंने उनसे अनुरोध किया कि इस समस्या का समाधान शीघ्र किया जाए।अधिकारी ने आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र में जल्द ही काम शुरू होगा और सड़क की स्थिति को सुधारने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंव श्रीनिवास ब्लड सेंटर के सहयोग से लगाया गया मेगा रक्तदान शिविर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल में दिन बुधवार को स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन एवं श्रीनिवास ब्लड सेंटर के सहयोग से मेगा रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर थैलेसीमिया पीड़ित एवं रक्त के जरूरतमंदों के मरीजों के रक्त की उपलब्धता एवं सहयोगार्थ हेतु शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. सारिका कुमारी ने स्वैच्छिक रक्तदान कर रक्तदान शिविर शुभारंभ किया। साथ ही रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र भेंटकर हौसला वर्धन कर उनकी उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। शिविर में कुल 55 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया। इस दौरान डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. के. श्रीकृष्ण, उप प्राचार्य डॉ अंकूर भार्गव, डॉ निशाद गवली एंव डॉ सौम्या राज ने कॉलेज

परिवार की ओर से सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र भेंटकर सहृदय सम्मानित किया एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम के आयोजन से लोगों को सुरक्षित रक्तदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना और स्वैच्छिक रक्तदाताओं के प्रति आभार प्रकट करना था। श्रीनिवास ब्लड सेंटर से प्रवीण कुमार, अजय कुमार मिश्रा, शिवानी सिन्हा, आशीष राज एवं संतोष कुमार ने शिविर में अपना सरहानीय योगदान दिया। शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में डेंटल कॉलेज से डॉ तुमुल शेखर, डॉ बोबिन्सन राज, डॉ मनमीत राज एवं डॉ रितेश कुमार ने अपना सरहानीय योगदान दिया। मौके पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने रक्तदाताओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ कहा कि रक्तदान महादान है। इससे लोगों को नया जीवन मिलता है। हम पैसे से हर कोई का मदद नहीं कर सकते हैं लेकिन जनभागीदारी से रक्तदान शिविर लगाकर कई जरूरतमंद की जान बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्तदान पर फैली भ्रमक अफवाहों पर जागरूकता फैलना था। रक्तदान पूरी तरह से सुरक्षित है और रक्तदान के बाद तेजी से हम सभी की शरीर में रक्त बनने लगता है और शरीर भी स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा कार्य है। जिससे शरीर में कई प्रकार के फायदे एवं अतिरिक्त आयरन के स्तर को कम करने में मदद मिलती है। मौके पर डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. के. श्रीकृष्ण ने रक्तदाताओं को सहृदय आभार एवं धन्यवाद प्रकट कर कहा कि रक्तदान पर जागरूक करना बहेद जरूरी है क्योकि आज भी लोग समझते है कि रक्तदान से कमजोरी आ जाती है, जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं होता है। मौके पर उप प्राचार्य डॉ अंकूर भार्गव ने कहा कि रक्तदान अवश्य करें और औरों को भी रक्तदान करने के लिए अवश्य प्रेरित करें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान पर हस्ताक्षर अभियान का आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय रामगढ़ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त द्वारा समाहरणालय सभाकक्ष में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत शपथ दिलाई गई जिसके उपरांत उपायुक्त ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। मौके पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों एवं कर्मियों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया।

गणतंत्र दिवस पर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

बिभा संवाददाता

रामगढ़। आगामी गणतंत्र दिवस के मद्देनजर बुधवार को जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त चंदन कुमार ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 16 विभागों जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, जिला कल्याण विभाग, वन प्रमंडल रामगढ़, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़, जिला खनन विभाग, टिस्को वेस्ट बोकारो, जेएसएलपीएस रामगढ़, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला पंचायती राज कार्यालय, जिला कृषि कार्यालय, नगर परिषद कार्यालय एवं पर्यटन विभाग द्वारा झांकी निकाली जाएगी।

सराहनीय कार्य किया हो उन्हें रामगढ़ गणतंत्र दिवस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम के आयोजन हेतु अंतिम अभ्यास 24 जनवरी को संपन्न होगा। उपायुक्त ने सिविल सर्जन रामगढ़ को कार्यक्रम के दौरान मैदान में एंबुलेंस एवं चिकित्सा दल की प्रतिनियुक्ति करते हुए किसी भी स्वास्थ्य इमरजेंसी के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह स्थानीय सिदो-कान्हू मैदान में पूर्वाह्न 9:05 बजे से शुरू होगा। उपायुक्त कार्यालय में प्रातः 10:45 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रातः 10:50 बजे, उप विकास आयुकत कार्यालय में प्रातः 10:55 बजे, अनुमंडल कार्यालय में प्रातः 11:10 बजे, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में प्रातः 11:15 बजे एवं पुलिस लाईन रामगढ़ में प्रातः 11:30 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। उक्त बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला स्तरीय प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

दादी मंदिर का 14वां वार्षिक स्थापना महोत्सव का होगा भव्य आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़। श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट द्वारा श्री रानी सती दादी मंदिर के भव्य प्रांगण में 2 दिवसीय 14वां वार्षिक स्थापना महोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया जाएगा । जिसमें दादी जी के दरबार को रंग बिरंगे विदेशी खुशबूदार फूलों से श्रृंगार होगा और सारे मंदिर परिसर में बहुत ही आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी।

महोत्सव के प्रथम दिन 23 जनवरी गुरुवार दोपहर 2 बजे से दादी मंदिर मे मेहंदी उत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसमें श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सदस्यों द्वारा मीठे मीठे भजनों के बीच दादी जी के हाथों में मेहंदी लगाएंगे एवं 2:30 बजे से गणेश पूजन के साथ दादी जी का मंगल पाठ प्रारंभ होगा।

24 जनवरी शुक्रवार सुबह 10:30 बजे से गणेश पूजन होगा । इसके पश्चात सुंदरकांड पाठ प्रारंभ होगा सुंदरकांड का पाठ करने के लिए बालाजी महाराज के प्रिय भक्त एवं रांची के प्रसिद्ध पाठ वाचक सुरेश बजाज को अपने मीठे मीठे भजनों के बीच पवनसुत हनुमान का सुंदरकांड पाठ करेंगे।

संध्या महा आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ भव्य 14 वां वार्षिक स्थापना महोत्सव का समापन होगा। श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट एवं श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सभी सदस्य महोत्सव को सफल बनाने में बहुत ही सक्रियता के साथ लगे हुए हैं।

नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन में 2 करोड़ से अधिक राशि का घोटाला

बिभा संवाददाता

गढ़वा। पलामू प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा जिले के नगर ऊंटारी रेलवे से बड़े घोटाले का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। रेलवे स्टेशन में टिकट बिक्री के 2 करोड़ 16 लाख 12 हजार 267 गायब कर दिये गए हैं। यह गड़बड़ी वर्ष 2023 में हुई है। इस संबंध में मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। बुधवार से जांच शुरू कर दी गई। घोटाले का आरोप एसबीआई द्वारा स्टेशन से बैंक तक पैसा लाकर जमा करने के लिये अधिकृत एजेंसी राईटर सेफ गार्ड लिमिटेड (डब्ल्यूएसजी) के बाईकर (कर्मियों) अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद्र प्रजापति पर लगाया गया है। इसका खुलासा रेलवे के बैंक खाते के स्टेटमेंट की जांच पड़ताल के पश्चात हुआ। इतनी बड़ी राशि का घोटाला होने पर रेल अधिकारियों के कान खड़े हो गये। रेलवे के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन के स्टेशन

प्रबंधक संतोष कुमार ने नगर ऊंटरी थाना में बाईकर अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद कुमार प्रजापति के विरुद्ध राशि गबन करने का मामला दर्ज कराया है। दोनों भवनाथपुर थाना क्षेत्र के कोनमंडरा गांव के रहने वाले हैं। फिलहाल दोनों कर्मी फरार चल रहे हैं।

बताया जाता है कि रेलवे स्टेशन आय की रकम को स्टेशन से लेकर बैंक में जमा करने के लिये रेलवे एवं एसबीआई के द्वारा 31अक्टूबर 2020 को एग्रीमेंट किया गया है। उसके बाद से एग्रीमेंट के तहत बैंक के द्वारा अधिकृत एजेंसी (डब्ल्यूएसजी) के बाईकर के द्वारा ही स्टेशन से टिकट बिक्री के पैसे को ले जाकर बैंक में रेलवे के खाता संख्या 32595570076 में जमा किया जाता है तथा बैंक से प्राप्त प्राप्ति रसीद को स्टेशन में जमा की जाती है, लेकिन एजेंसी के जरिये नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन के वर्ष 2023 में हुई टिकट बिक्री का पैसा लगभग 2 करोड़ 16 लाख 12 हजार 267 रुपये को एजेंसी के बाईकर अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद्र प्रजापति ने बैंक में जमा नहीं किया, जबकि बैंक में राशि जमा करने की फर्जी प्राप्ति रसीद स्टेशन प्रबंधक को लाकर जमा कर दिया। यह क्रम एक वर्ष तक चलता रहा,लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। बाईकर हर दस-पंद्रह दिन पर बैंक में राशि जमा करने के नाम पर मोटी राशि का गबन करते गए।

धनबाद रेल मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों में लगातार राजस्व की कमी होने पर रेल विभाग हरकत में आ गया। रेलवे के उच्च अधिकारियों ने इसकी जांच पड़ताल शुरू की।

अधिकारियों ने सभी स्टेशन को अपने स्टेशन से बाईकर द्वारा भेजी गई रकम तथा एसबीआई में रेलवे के खाते में जमा किये गए पैसे की जांच करने का आदेश दिया। जांच के क्रम में नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन प्रबंधक के द्वारा जब बैंक से स्टेटमेंट एवं बाईकर के जरिये जमा की गई प्राप्ति रसीद की जांच की तो पता चला कि बाईकर ने बैंक में राशि को जमा ही नहीं की है। साथ ही फर्जी तरीके से प्राप्ति रसीद को स्टेशन में जमा किया है।

जांच के क्रम में स्टेशन प्रबंधक ने पाया कि 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2023 तक लगभग 2 करोड़ 16 लाख 12 हजार 267 रुपये बाईकर अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद्र प्रजापति ने स्टेशन से बैंक में जमा करने के लिये पैसा लिया, किंतु बैंक में रेलवे के खाता नंबर 32595570076 में जमा ही नहीं किया। बैंक के जरिये दिये गये स्टेटमेंट में भी इसकी पुष्टि हुई है। स्टेशन प्रबंधक के जरिये इसकी सूचना तत्काल रेलवे के वरीय अधिकारियों को दी। जिसके आलोक में सीटीआई मनुराम के निर्देश पर स्टेशन प्रबंधक ने नगर ऊंटारी थाने में आवेदन देकर बाईकर अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद्र प्रजापति के विरुद्ध सरकारी राशि का गबन करने का मामला दर्ज कराया है।

नगर ऊंटारी थाना के थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक ने बताया कि स्टेशन प्रबंधक के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में स्टेशन में कार्यरत रेल कर्मियों से पूछताछ की गई है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

गया-पटना-गया और गया से डीडीयू के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

हाजीपुर(बिभा): रेलयात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल द्वारा गया और पटना के मध्य 23.01.2025 से 06.03.2025 तक तथा गया से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन तक दिनांक 22.01.2025 से 05.03.2025 तक स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा । गाड़ी संख्या 03668/03667 गया-पटना-गया स्पेशल का परिचालन दिनांक 23.01.2025 से 06.03.2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को किया जाएगा । इसी तरह गाड़ी संख्या 03699 गया-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन स्पेशल का परिचालन दिनांक 22.01.2025 से 05.03.2025 तक प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को किया जाएगा । इन ट्रेनों का परिचालन पूर्व निर्धारित मार्ग, ठहराव एवं समय पर किया जाएगा । यात्रीगण रेल परिचालन से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 डायल कर अथवा नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एन.टी.ई.एस.) वेब पोर्टल या मोबाइल एप पर प्राप्त कर सकते हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे में मूरी-बरकाकाना खंड के मध्य ट्रैफिक-कम-पॉवर ब्लॉक के मद्देनजर गाड़ियों के परिचालन में किया गया बदलाव

धनबाद(बिभा): दक्षिण पूर्व रेलवे में मूरी झबरकाकाना खंड के मध्य ट्रैफिक-कम-पॉवर ब्लॉक के मद्देनजर गाड़ियों के परिचालन में बदलाव किया गया है। 25.01.25 को रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 68041/68042 आद्रा-बरकाकाना-आद्रा मेमू के परिचालन को निरस्त किया गया है। दिनांक 25.01.25 को रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 58023/58024 टाटा-बरकाकाना-टाटा पैसेंजर के परिचालन को निरस्त किया गया है। दिनांक 25.01.25 को खुलने वाली गाड़ी संख्या 18613 रांची-चोपन एक्सप्रेस के मार्ग में परिवर्तन किया जाएगा। यह गाड़ी उपरोक्त तिथि को राँची - टाटीसिलवे-मेसरा-बरकाकाना-टोरी के रास्ते चलायी जाएगी। दिनांक 23.01.25 को खुलने वाली गाड़ी संख्या 18310 जम्मू तवी झसम्बलपुर एक्सप्रेस के मार्ग में परिवर्तन किया जाएगा यह गाड़ी उपरोक्त तिथि को टोरी-बरकाकाना-मेसरा- टाटीसिलवे- राँची के रास्ते चलायी जाएगी।

उर्स त्योहार के अवसर पर श्रद्वालुओं के सुविधाजनक आवागमन हेतु चिचाकी स्टेशन पर तीन जोड़ी गाड़ियों का दिया जाएगा अस्थायी ठहराव

धनबाद(बिभा): उर्स त्योहार -2025 के अवसर पर दिनांक 05.02.25 से 19.02.25 तक श्रधालुओं के सुविधाजनक आवागमन हेतु चिचाकी स्टेशन पर तीन जोड़ी गाड़ियों का 02 मिनट के लिए अस्थायी ठहराव दिया जाएगा।

गाड़ी सं 0	गाड़ी का नाम	चिचाकी स्टेशन पर आगमन	चिचाकी स्टेशन से प्रस्थान
18625	पूर्णियाँकोर्ट-हटिया एक्सप्रेस	15:12	15:14
18626	हटिया-पूर्णियाँकोर्ट एक्सप्रेस	10:15	10:17
13151	कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस	18:04	18:06
13152	जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस	08:44	08:46
13307	धनबाद-फिरोजपुर गंगा सतलुज एक्सप्रेस	22:52	22:54
13308	फिरोजपुर धनबाद गंगा सतलुज एक्सप्रेस	03:05	03:07

स्टील एक्सप्रेस पर पथराव करने के दो आरोपियों को आरपीएफ ने जादूगोड़ा से पकड़ा

कोलकाता(बिभा) : 12813 हावड़ा-टाटानगर स्टील एक्सप्रेस पर 20.01.2025 को 21.22 बजे आरपीएफ पोस्ट घाटशिला के अधिकार क्षेत्र में खड़गपुर डिवीजन के गालूडीह-राखामाइंस सेक्शन में उपद्रवियों द्वारा पथराव किया गया था और रेलवे की धारा 153 के तहत मामला (संख्या 15/2025) दर्ज किया गया था। एक्ट) आरपीएफ पोस्ट, घाटशिला में दर्ज किया गया था। रेलवे सुरक्षा बल ने जांच शुरू की और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया। इस संबंध में, आरपीएफ और सीआईबी अधिकारियों और कर्मचारियों की एक टीम ने चलती ट्रेन पर पथराव में शामिल अपराधियों को पकड़ने के लिए 21.01.2025 की रात में सूचना के विश्वसनीय स्रोत के आधार पर अभियान/छापेमारी का आयोजन किया और रणनीतिक घात लगाकर छापेमारी की। घात और छापेमारी के दौरान, पथराव में शामिल दो आरोपियों राहुल भकत, उम्र 24 वर्ष और सजल नाथ, उम्र 19 वर्ष, दोनों झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के निवासी हैं, को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपियों पर सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करते हुए चाईबासा की अदालत में मुकदमा चलाया जा रहा है।

दिनदहाड़े घर से हजारों रुपये मूल्य के जेवर पर चोरो ने किया हाथ साफ

कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र स्थित एक मकान में बुधवार को दिनदहाड़े हजारों रुपए मूल्य के गहनों पर अज्ञात चोरों ने हाथ साफ कर लिया। हैरत की बात है कि इसके लिए न घर का ताला तोड़ा गया और ना ही घर के अंदर ही कपड़ो को तीतर बितर करने के सिवा किसी तरह की तोड़ फोड़ की गई। जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 27 कार्टून फैक्ट्री के समीप रहने वाले नरेश सिंह के मकान मे चोरों ने घटना को अंजाम दिया। घटना के संबंध में नरेश सिंह की पत्नी पुष्पा देवी ने बताया कि वो सुबह अपने मायके गई हुई थी। घर पर उनकी बेटी थी। 11 बजे वह बकरी चराने चली गई। जब वह दो बजे बकरी चरा कर घर लौटी और घर का ताला खोला तो देखा कि घर के अंदर किनारे वाले कमरे का सामान बिखरा पड़ा है, और भगवान की फोटो के नीचे बने छोटे से अलमारी में रखे जेवर गायब है। पुष्पा देवी ने बताया कि घटना दोपहर के बीच की है। उन्होंने बताया कि चोरों ने उनके सोने का एक चैन, एक अंगूठी, एक कनबाली, चांदी का एक कटोरा, कुछ चांदी के सिक्के, पीतल का एक लोटा एवं 2-3 हजार नगद चुराकर ले गए। उन्होंने बताया कि उनके पति रांची में भारत सरकार के एक उपक्रम में पिउन का काम करते हैं। मामले की जानकारी होने पर तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं मामले की जानकारी ली।पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

38वें नेशनल गेम्स उत्तराखंड के लिए किट लॉन्च और सेंड ऑफ सेरेमनी संपन्न

झारखण्ड से 18 खेलो के तकरीबन 250 खिलाडी और अधिकारी लेंगे भाग

बिभा संवाददाता

रांची: 38 वे नेशनल गेम्स उत्तराखंड के लिए किट लॉन्च और सेंड ऑफ सेरेमनी बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम , रांची मे सम्पन्न हों गया. उत्तराखंड मे 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक 38वे राष्ट्रीय खेल आयोजित होंगे जिसमे झारखण्ड से 18 खेलो के तकरीबन 250 खिलाडी और अधिकारी भाग लेंगे।

आज इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग के निदेशक पदाधिकारी श्री संदीप कुमार मौजूद थे जिन्होंने उपस्थित खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुये उनके पदक जितने की कामना की। उन्होंने राज्य के खिलाड़ियों की हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

इसके पूर्व झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन के वर्किंग प्रेसिडेंट श्री शेखर बोस ने सभी अतिथियों, कोच और खिलाड़ियों को सम्बोधित किया ।

इस अवसर पर उन्होंने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

श्री मधुकांत पाठक ने नेशनल गेम्स के औचित्य पर प्रकाश डाला और इस बात की कामना की की झारखण्ड के खिलाडी ज्यादा से ज्यादा मेहनत करें और पदक जीते. कार्यक्रम का संचालन अजय झा ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिवेन्द्र दुबे ने किया।

इस अवसर पर विभागीय संयुक्त सचिव राजकिशोर खाखा, डिप्टी डायरेक्टर खेल राजेश कुमार सहित एस के पांडे, चंचल भट्टाचार्य, विजय शंकर सिंह, रजनीश कुमार, सुमराई टेटे आदि ने अपनी उपस्थिति से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

ये खेल है शामिल

उत्तराखंड के विभिन्न शहरों मे आयोजित नेशनल गेम्स मे निम्न खेलो के खिलाडी भाग लेंगे. नेशनल गेम्स मे लगातार भाग ले रहें खेल आर्चरी, एथलेटिक्स, लॉन बॉल्स, वुशु, हॉकी, हैंडबॉल, बॉक्सिंग, जिम्नास्टिक, मलखम्भ, जुडो, स्विमिंग के साथ साथ साइक्लिंग, मॉडर्न पेंटाथलोंन, शूटिंग, स्क्वायश, ट्रायथलॉन के 250 खिलाडी और अधिकारी भाग लेंगे. नेशनल गेम्स के विभिन्न दल अपनी आयोजन तिथियों के हिसाब से उत्तराखंड के लिए रवाना होंगे।

झारखंड के 14 मुखिया दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड के बनेंगे साक्षी

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड के 14 मुखिया इस बार दिल्ली में गणतंत्र दिवस का परेड बिल्कुल सामने से देख पाएंगे। उनके साथ रांची के दो नोडल पदाधिकारी आदित्य रंजन और अरशद अंसारी भी जाएंगे। ये मुखिया अपनी पत्नी को भी साथ ले जा सकेंगे। उनके दिल्ली आने-जाने की सारी सुविधाएं सरकार देगी। झारखंड पंचायती राज विभाग के डिप्टी डायरेक्टर शैलेश कुमार ने केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के इकोनॉमिक्स एडवाइजर विजय कुमार बेहरा को यह जानकारी दी है। परेड में शामिल होने के लिए झारखंड के 16 लोगों को आमंत्रित किया गया है। पूर्वी मऊभंडार पंचायत के मुखिया निताई मुंडा ने कहा कि यह उनके लिए गर्व की बात है। जिस परेड को टीवी पर देखते रहे हैं, उसे सामने से देख सकेंगे। इन मुखियाओं को इनके बेहतरीन काम करने के बदले में यह मौका दिया जा रहा है। इन्होंने अपने पंचायत की तस्वीर बदल दी है।

ये मुखिया होंगे शामिल

पू. सिंहभूमः निताई मुंडा (पूर्वी मऊभंडार)
राधानाथ मुर्मू (बेंद, चाकुलिया)
नूतन पाहन (तांती)
रमेश बेदिया (टुंडावली)
भुवनेश्वर बेदिया (नवागढ़)
धनबाद अपर्णा देवी (पालारपुर)
जयंती देवी (सर्गिया)
मोनिका टोपनो (मरचा)
राजू उरांव (जोड़ी)
बसंत उरांव (अरकोसा)
परमेश्वर महाली (उदारंगी)
रामबिशुन नगेशिया (नेतरहाट)
निहारिका सुकृति (बुंडू)
महताब आलम (तलाशबड़िया)

अपराधियों ने चलाई पुल निर्माण कार्य स्थल पर गोली

लातेहार। जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत दुमुहान नदी के पास पुल निर्माण कार्य के साइडिंग पर बुधवार को अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग की । इस घटना में साइडिंग इंजीनियर के पैर को छूते हुए गोली निकल गई।

रेल राज्यमंत्री ने प्रयागराज जंक्शन पर महाकुंभ -2025 के लिए व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली/रांची : केंद्रीय राज्य मंत्री, रेल एवं जल शक्ति, वी. सोमन्ना ने प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर महाकुंभ -2025 के लिए किए गए व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया । इस अवसर पर महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, उपेन्द्र चंद्र जोशी एवं मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, हिमांशु बडोनी उनके साथ थे ।

केंद्रीय राज्य मंत्री, रेल एवं जल शक्ति, वी. सोमन्ना ने प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर मेडिकल ऑब्जर्वेशन कक्ष, यात्री आश्रय एवं मेला टॉवर का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान यात्री आश्रय में श्रद्धालुओं से भी बातचीत कर उनका हालचाल पूछा एवं श्रद्धालुओं को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए 22 भाषाओं में तैयार किए गये लीफलेट की प्रशंसा की । केंद्रीय राज्य मंत्री, रेल एवं जल शक्ति ने निरीक्षण के उपरांत मेला टॉवर में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया कर्मियों को संबोधित किया । प्रेस वार्ता में मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुये कहा कि मकर संक्रांति पर्व पर रिकार्ड 148 विशेष ट्रेनें चलाई गईं । मौनी अमावस्या के दिन 150 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाने की योजना है एवं मौनी अमावस्या पर 01 दिन पूर्व से 02 दिन बाद तक कुल 400 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी । यात्रियों की सुविधा के लिए कुंभ विशेष ट्रेनें चलाने के लिए करीब 200 रेक उपलब्ध कराए गए हैं । महाकुंभ-2025 के दौरान बेहतर व्यवस्थाओं के लिए अन्य क्षेत्रीय रेलवे से 10,000 से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया गया है एवं स्टेशनों पर करीब 10,000 राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेल सुरक्षा बल के जवानों को तैनात किया गया है। वी. सोमन्ना ने प्रेस वार्ता के दौरान यह भी कहा कि महाकुंभ -2025 मे राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के डबल इंजन ने अभूतपूर्व सुविधाएं उपलब्ध करायी हैं। विश्व स्तर का यह भव्य आयोजन माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमन्त्री के कुशल नेतृत्व में आयोजित हो रहा है, जिसके लिए पूरा देश गौरवान्वित महसूस कर रहा है । उन्होंने रेल की अभूतपूर्व व्यवस्था के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी धन्यवाद दिया। मीडिया के द्वारा कर्नाटक के सबसे बड़े उत्सव पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में केंद्रीय राज्य मंत्री, रेल एवं जल शक्ति ने कहा कि कर्नाटक में दशहरा एक दिन का होता है और यहाँ दशहरा हर दिन मनाया जा रहा है । केंद्रीय राज्य मंत्री, रेल एवं जल शक्ति ने कहा कि स्टेशनों पर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं ।रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ मिलकर कार्य कर रहे हैं।

महाकुंभ -2025 के दौरान 3000 स्पेशल गाडियाँ सहित 13000 से अधिक रेल गाडियाँ चलायी जाएंगी जबकि गत कुम्भ मेला में 7000 गाड़ियों का संचालन किया गया था । प्रयागराज जंक्शन पर निरीक्षण के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री, रेल एवं जल शक्ति ने यात्री सेवा एवं यात्री हितों की दिशा में किए जा रहे सभी रेल कार्यों तथा निमार्णाधीन परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक निर्देश दिए । यात्री आश्रयों में कलर कोडिंग, साइनेज, खानपान, प्रकाश, पेयजल, चिकत्सा बूथ, जन सुविधाएँ, सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखा । महाकुंभ -2025 के दौरान स्टेशन पर यात्रियों के प्रवेश और निकास योजना पर जानकारी के साथ स्टेशन पर यात्रियों को दिशावार यात्रानुसार गेट से प्रवेश से लेकर गाड़ी तक भेजने की व्यवस्था, यात्रियों को टिकट काउंटर पर भेजना, यात्रियों को टिकट उपलब्ध करवाना, गाड़ियों की जानकारी देना, भीड़ को नियंत्रित करना, यात्रियों के प्लेटफॉर्म पर पहुँचने पर उन्हें सुरक्षित रूप से गाड़ी के अंदर भेजना और गाड़ी में पर्याप्त यात्री हो जाने पर गाड़ी को प्रस्थान करवाने के लिए प्लेटफार्म से कंट्रोल टावर को सूचना भेजना और अन्य विभागों से समन्वय की कार्यप्रणाली पर भी जानकारी ली और इस दिशावार व्यवस्था की तारीफ की।

केंद्रीय राज्य मंत्री, रेल एवं जल शक्ति, वी. सोमन्ना ने प्रयागराज जंक्शन की सुरक्षा प्रणाली और आपात स्थिति के लिए की गई तैयारियों की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रेस्पोंस टीम और फायर फाईटिंग टीम के कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी कार्यप्रणाली को परखा, और बेहतर कार्य करने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए । वी. सोमन्ना ने निरीक्षण के अगले क्रम में 18 स्क्रीन से सुसज्जित सीसीटीवी कक्ष युक्त मेला टॉवर का निरीक्षण किया । मेला टॉवर में तैनात कर्मचारियों से सीसीटीवी के विषय में जानकारी ली और बेहतर समन्वय और त्वरित कार्यप्रणाली के लिए आवश्यक निर्देश दिए ।

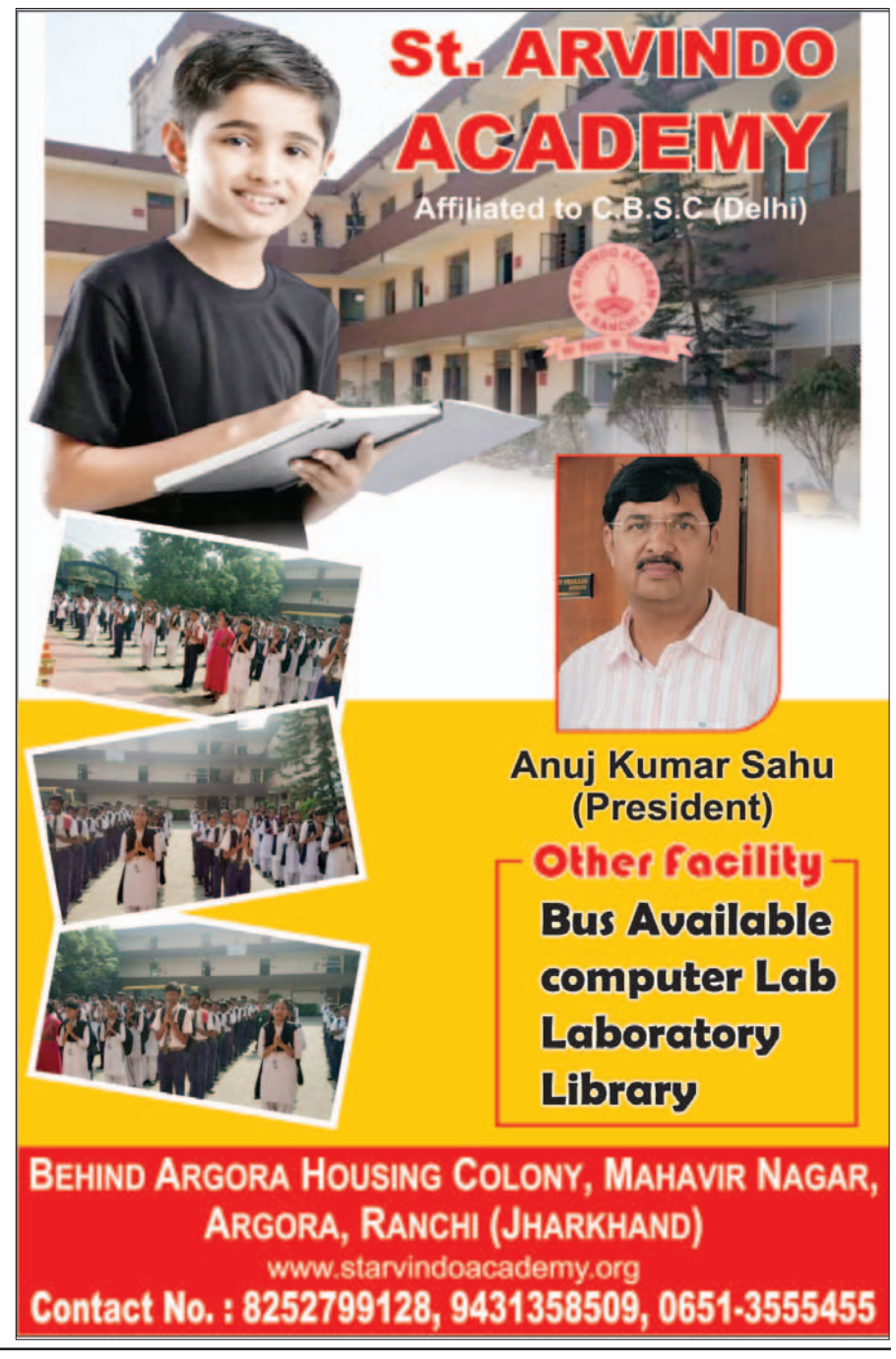

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com